बुधवार, 3 सितम्बर 2025

मौसम

तापमान 26 – 30
आर्द्रता 78%
सूर्योदयः 5:19 सूर्यास्तः 17:53

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, भाद्रपद शुक्लपक्ष एकादशी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार अर्थव्यवस्था को खुला एवं पारदर्शी बनाएंगे: सीतारमण पृष्ठ 8

सुविचार : दुख भोलनेवाला सुखी होता है लेकिन दुख देनेवाला कभी सुखी नहीं होता।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

रुपया पांच पैसे टूटकर 88.15 प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई : भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपये पर दबाव बना रहा और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे गिरकर 88.15 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका के बढ़े हुए शुल्क को लेकर फैली अनिश्चितता के बीच रुपया अबतक के सबसे निचले स्तर के आसपास कारोबार कर रहा है और इसके नीचे जाने का जोखिम बना हुआ है।

मां के अपमान पर राजद-कांग्रेस को मैं भले ही माफ कर दूं लेकिन बिहार की जनता माफ नहीं करेगी: मोदी

पटना : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि बिहार में कांग्रेस की हाल में संपन्न हुई 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान उनकी मां को अपशब्द कहे जाने से उन्हें गहरा दुख हुआ है और इस घटना के लिए वह राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एवं कांग्रेस को भले ही माफ कर दें लेकिन बिहार की जनता इन दलों को कभी माफ नहीं करेगी। मोदी ने दरभंगा में हाल में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मंच से उनकी दिवंगत मां को अपशब्द कहे जाने से पैदा हुए विवाद पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि उनकी मां को अपशब्द कहना उन लोगों के लिए बड़ी बात नहीं है जो 'भारत माता' का अपमान करते हैं और ऐसे लोगों को दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया, ''मेरी दिवंगत मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, उनका दोष क्या है। उनके लिए अपशब्द क्यों कहे गए?'' प्रधानमंत्री ने कहा, '' मैं उन्हें माफ़ कर भी दूं लेकिन बिहार की जनता मेरी मां का अपमान करने के लिए उन्हें कभी माफ़ नहीं करेगी। राज्य की जनता को कहना होगा कि आने वाले दिनों में वे इन पार्टियों के नेताओं को सज़ा देंगे।'' उन्होंने कहा, '' बिहार की जनता को राजद और कांग्रेस के नेताओं से जवाब मांगना चाहिए... हर गली-मोहल्ले में एक ही आवाज़ सुनाई देनी चाहिए - 'हम एक मां का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, हम राजद का अत्याचार और कांग्रेस के हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे'।'' प्रधानमंत्री ने बिहार में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए एक नयी सहकारी पहल के डिजिटल तरीके से उद्घाटन के मौके पर दिल्ली में एक सभा को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। मोदी ने कहा, ''बिहार मां जानकी की धरती है... यहां महिलाओं को हमेशा से सम्मान दिया गया है। यहीं छठ पूजा मनाई जाती है। राजद और कांग्रेस के मंच से मेरी मां को अपशब्द कहे गए... मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसा होगा... यह बिहार की मां-बेटियों का अपमान है... राज्य की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी।'' उन्होंने कहा, ''मैं अपनी मां का बेटा हूं... मैं अपना दर्द आपके साथ साझा कर रहा हूं।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं देश की महिलाओं के कल्याण के लिए अथक प्रयास कर रहा हूं... जिस मां ने मुझे जन्म दिया, उसने मुझे मातृभूमि की सेवा करने के लिए कहा जो मैं कर रहा हूं। उन्होंने कभी अपने लिए साड़ी नहीं खरीदी और हमारे लिए पैसे बचाकर रखे। मुझे कहना होगा कि मां का स्थान भगवान से भी बढ़कर है।'' उन्होंने कहा कि जो लोग माताओं एवं बहनों को अपशब्द कहते हैं वे महिलाओं को कमजोर समझते हैं।

तृणमूल का मंच हटाने के विवाद के बीच कोलकाता पुलिस ने सेना के ट्रक को रोका, मचा बवाल

लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में सेना के चालक के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया मामला

कोलकाता, समाज्ञा : सेना द्वारा भाजपा शासित राज्यों में बांग्लाभाषी प्रवासी श्रमिकों पर कथित अत्याचार के खिलाफ सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस द्वारा बनाए गए मंच को हटाए जाने के एक दिन बाद कोलकाता पुलिस ने मंगलवार को लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में सेना के एक ट्रक को रोक लिया, जिसको लेकर विवाद पैदा हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 11 बजे मध्य कोलकाता के राइटर्स बिल्डिंग (पूर्व राज्य सचिवालय) के सामने हुई। अधिकारी ने दावा किया कि वाहन इतनी तेज रफ्तार से चल रहा था कि मोड़ लेते समय एक बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस के अनुसार, तेज रफ्तार ट्रक बाईं लेन से अचानक दाईं ओर मुड़ गया, जिसकी उस चौराहे पर अनुमति नहीं है। संयोग से, उसी समय कोलकाता पुलिस के आयुक्त (सीपी) मनोज वर्मा का वाहन ट्रक के पीछे चल रहा था। मनोज वर्मा कोलकाता पुलिस के मुख्यालय लालबाजार जा रहे थे, जो घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर स्थित है। अधिकारी ने बताया कि ट्रक में जवान और सेना के अधिकारी भी सवार थे। सेना के ट्रक को हेयर स्ट्रीट थाने ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि इस घटना के संबंध में सेना के वाहन चालक के खिलाफ खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने के आरोप में मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कोलकाता पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जारी की

इस बीच, कोलकाता पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी जारी किया, जिसमें उस क्षण की घटनाओं का क्रम कैद है जब यातायात अधिकारियों ने सेना के ट्रक को रोका था। एक्स पर एक पोस्ट में कोलकाता पुलिस ने कहा कि यातायात नियमों के उल्लंघन की घटना पर पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में कुछ लोगों द्वारा बहुत सारी गलत सूचनाएं फैलाई जा रही हैं। सीसीटीवी फुटेज से यह स्पष्ट है कि संबंधित ट्रक यातायात लेन का उल्लंघन करते हुए खतरनाक तरीके से चलाया जा रहा था।

कोलकाता पुलिस के अनुसार, सेना का वाहन फोर्ट विलियम स्थित पूर्वी कमान मुख्यालय से आ रहा था। जब पुलिस आयुक्त की कार ने सेना के ट्रक को दाईं ओर से ओवरटेक करने का प्रयास किया, तो ट्रक अचानक दाईं ओर मुड़ गया, जिससे टक्कर होते-होते बची। पुलिस आयुक्त की कार तुरंत रुक गई और धीरे-धीरे आगे बढ़ी। इसके तुरंत बाद, सेना के वाहन ने फिर से बाईं लेन से दाईं ओर मुड़ने का प्रयास किया। पुलिस ने दावा किया कि सेना के वाहन का चालक खतरनाक तरीके से गाड़ी चला रहा था, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था।

सेना ने कहा... 'किसी भी यातायात नियम का उल्लंघन नहीं किया गया'

दूसरी ओर, सेना के अधिकारियों ने किसी भी गड़बड़ी से इन्कार करते हुए कहा कि पुलिस ने गाड़ी को राइटर्स बिल्डिंग के पास मोड़ते समय रोका था। उन्होंने कहा कि किसी भी यातायात नियम का उल्लंघन नहीं किया गया है। बाद में, कोलकाता में सेना की पूर्वी कमान मुख्यालय से कर्नल रैंक के एक अधिकारी मौके पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से बात की। इसके बाद पुलिस ने सेना के वाहन को छोड़ दिया।

अफगानिस्तान में फिर आया 5.5 तीव्रता का भूकंप, भारत ने भेजी 21 टन राहत सामग्री

भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1400 से अधिक हुई

काबुल: अफगानिस्तान में दोबारा भूकंप आया। मंगलवार को दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में 5.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिससे और अधिक क्षति और विनाश की आशंका पैदा हो गई है। दो दिन पहले इसी क्षेत्र में आए शक्तिशाली भूकंप में 1,400 से अधिक लोग मारे गए और हजारों लोग घायल हुए। ताजा भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद से लगभग 34 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था। रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप उन्हीं इलाकों में महसूस किया गया जो पहले भूकंप से कुनार (प्रांत) में प्रभावित हुए थे।

एयर इंडिया की दिल्ली-इंदौर फ्लाइट के 'मेडे' कॉल से खलबली

नई दिल्ली : एयर इंडिया की एक फ्लाइट एआई2913 के 'मेडे' कॉल ने खलबली मचा दी। 31 अगस्त को दिल्ली से इंदौर जा रही इस फ्लाइट के दाहिने इंजन में आग लगने के संकेत मिले। इसके चलते टेकऑफ के कुछ ही समय बाद फ्लाइट को दिल्ली लौटना पड़ा। लेकिन अब एयर इंडिया ने स्पष्ट किया कि ये कोई इमरजेंसी लैंडिंग नहीं थी। पायलटों ने शुरू में एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को मेडे कॉल जारी किया था। जिसे बाद में 'पैन-पैन' कॉल में डाउनग्रेड कर दिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, एयरलाइंस ने फ्लाइट की स्थिति को लेकर सफाई जारी की है। एयर इंडिया ने बताया कि कॉकपिट क्रू को फ्लाइट के दाहिने इंजन में आग लगने की चेतावनी मिली थी। इसके बाद, विमान दिल्ली लौट आया और तय प्रोटोकॉल के मुताबिक सुरक्षित लैंडिंग की गई। एयरलाइंस ने बताया कि पायलटों ने शुरू में एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को मेडे कॉल जारी किया था। हालांकि, बाद में, इसे पैन-पैन कॉल में डाउनग्रेड कर दिया गया। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि कॉकपिट क्रू ने तय मानकों के अनुसार प्रभावित इंजन को बंद कर दिया और विमान को सुरक्षित दिल्ली लैंड कराया। हमारी प्राथमिकता हमेशा यात्रियों और क्रू की सुरक्षा रही है। दिल्ली एयरपोर्ट पर एटीसी ने पूरी तरह इमरजेंसी की घोषणा की थी और आग बुझाने वाली गाड़ियां, एम्बुलेंस और सुरक्षा कर्मी तैयार रखे गए थे। प्लेन ने सुबह करीब 6:15 बजे सुरक्षित लैंड किया था। ये फ्लाइट लगभग 30 मिनट तक हवा में रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लाइट में 90 से ज्यादा यात्री सवार थे। सभी यात्री और क्रू को सुरक्षित उतारा गया और एयर इंडिया ने यात्रियों को इंदौर पहुंचाने के लिए वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की। फिलहाल विमान को इंजीनियरिंग जांच के लिए ग्राउंडेड कर दिया गया है और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को घटना की जानकारी दे दी गई है।

भारत-चीन संबंध पटरी पर लौट रहे हैं : गोयल

नयी दिल्ली : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे पटरी पर लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे सीमा मुद्दे सुलझते जाएंगे तनाव कम होता जाएगा। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई बैठक में भारत-चीन सीमा मुद्दे के ''निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य'' समाधान की दिशा में काम करने पर सहमति बनी है। दोनों नेताओं ने वैश्विक व्यापार को स्थिर करने में एक-दूसरे की अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को मान्यता देते हुए व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ाने का संकल्प लिया। गोयल से पत्रकारों ने पूछा कि अगर भारत और चीन अपने संबंधों को फिर से स्थापित कर रहे हैं, तो क्या पीएन3 में ढील की गुंजाइश है। इस पर उन्होंने कहा, '' यह एक एससीओ शिखर सम्मेलन था, जिसमें सभी एससीओ सदस्यों ने भाग लिया। गलवान में हमारे सामने एक समस्या थी, जिसके कारण हमारे संबंधों में थोड़ी तलखी आई थी। मुझे लगता है कि सीमा मुद्दों का समाधान होने के साथ ही स्थिति का सामान्य होना एक बहुत ही स्वाभाविक परिणाम है।'' चीन से भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए सभी क्षेत्रों में वर्तमान में सरकारी अनुमोदन लेना अनिवार्य है। यह नीति अप्रैल, 2020 में प्रेस नोट 3 (पीएन3) के रूप में जारी की गई थी। घरेलू उद्योग सरकार से चीन से अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए इन प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मानदंडों को आसान बनाने का आग्रह कर रहा है।

प्रत्येक बच्चे को मां और बाप दोनों के प्यार का अधिकार : न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि प्रत्येक बच्चे को माता-पिता दोनों का स्नेह पाने का अधिकार है और भले ही वे अलग या दो देशों में रहते हों, बच्चे के लिए उनके साथ संबंध बनाए रखना महत्वपूर्ण है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका को स्वीकार कर लिया जिसमें उसने अपने नौ वर्षीय बेटे के साथ वीडियो चैट पर बातचीत करने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। याचिकाकर्ता का बेटा अपनी मां के साथ आयरलैंड में रह रहा है। याचिकाकर्ता ने दलील दी है कि संपर्क से इनकार करने से बच्चा पिता के प्यार, मार्गदर्शन और भावनात्मक समर्थन से वंचित हो जाएगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि बच्चा फिलहाल आयरलैंड में अपनी मां के साथ रह रहा है और लगता है कि वहीं बस गया है। न्यायालय ने मामले में माता-पिता दोनों का आचरण आदर्श नहीं होने को रेखांकित करते हुए कहा कि उनके व्यक्तिगत मतभेद एक लंबे और तीखे संघर्ष में बदल गए हैं, लेकिन अदालत बच्चे को इस संघर्ष का शिकार नहीं बनने दे सकती। पीठ ने कहा कि इस स्तर पर उस व्यवस्था को बाधित करना उनके हित में नहीं होगा। न्यायालय ने कहा, ''पिता ने हमारे सामने अपना अनुरोध भी सीमित रखा है क्योंकि वह संरक्षण की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि केवल वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अपने बेटे के साथ नियमित रूप से बातचीत करने का मौका मांग रहे हैं। हम इस अनुरोध को उचित और आवश्यक, दोनों पाते हैं।'' पीठ ने कहा, ''हर बच्चे को माता-पिता दोनों का स्नेह पाने का अधिकार है। भले ही माता-पिता अलग-अलग रहते हों या दो देशों में रहते हों, बच्चे के लिए दोनों के साथ संबंध बनाए रखना ज़रूरी है। ऐसे संपर्क से इनकार करने से बच्चा पिता के प्यार, मार्गदर्शन और भावनात्मक समर्थन से वंचित हो जाएगा।''

सोना, चांदी ने बनाया नया रिकॉर्ड

नयी दिल्ली : अमेरिकी शुल्क और डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट के कारण सुरक्षित निवेश के लिए लोगों की बढ़ती मांग के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत लगातार सातवें कारोबारी सत्र में मजबूत रही और 400 रुपये बढ़कर 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,05,670 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत भी 100 रुपये बढ़कर 1,26,100 रुपये प्रति किलोग्राम के एक नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

अमेरिकी टेक दिग्गज सेल्सफोर्स ने 4,000 कर्मचारियों को किया बेरोजगार

नई दिल्ली : देश की नामचीन कम्पनियों में एआई का प्रकोप दिखने लगा है। बड़ी-बड़ी कम्पनियां अपने स्टाफ की छंटनी कर रही हैं। भारत सरकार ने एआई के प्रयोग को लेकर यदि कोई नियम कानून नहीं बनायें तो इसका व्यापक प्रभाव तममा बड़ी-छोटी कम्पनियों में देखने को मिल सकता है। जिससे बड़ी संख्या में देश में बेरोजगारी का प्रकोप बढ़ सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की वजह से कई कंपनियों में छंटनी की जा रही है। हाल ही में टीसीएस की चर्चा जोरों से रही, अब इस छंटनी वाली कड़ी में सेल्सफोर्स का नाम जुड़ गया है। अमेरिकी क्लाउड सॉफ्टवेयर की दिग्गज कंपनी ने 4,000 नौकरियों में कटौती की है। यह छंटनी कस्टमर सपोर्ट एग्जीक्यूटिव की है। अब इनका काम एआई करेगा।छंटनी की खबर खुद सेल्सफोर्स के सीईओ मार्क बेनिओफ ने पॉडकास्ट पर दी है। उन्होंने बताया कि सपोर्ट टीम में कर्मचारियों की संख्या 9,000 से घटाकर 5,000 कर दी गई है। बेनिओफ ने कहा, मैं अपने सपोर्ट स्टाफ की संख्या को फिर से संतुलित करने में कामयाब रहा। मैंने इसे 9,000 से घटाकर लगभग 5,000 कर दिया क्योंकि मुझे कम कर्मचारियों की जरूरत थी।

ट्रंप के व्यापार सलाहकार नवारो ने मोदी, पुतिन और शी के घनिष्ठ होते संबंधों को चिंताजनक बताया

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच घनिष्ठता को ''चिंताजनक'' बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को रूस के बजाय अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन के साथ खड़ा होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी सोमवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर तीनों नेताओं द्वारा घनिष्ठता प्रदर्शित किए जाने के बाद आई है। मोदी, शी और पुतिन के बीच ''एकजुटता के प्रदर्शन'' के बारे में पूछे जाने पर नवारो ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में पत्रकारों से कहा, ''यह चिंताजनक है, बहुत चिंताजनक है।'' ट्रंप प्रशासन के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार ने कहा, ''दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता मोदी का दो सबसे बड़े तानाशाहों, पुतिन और शी चिनफिंग, के साथ देखा जाना बेहद शर्म की बात है। इसका कोई मतलब नहीं है।'' नवारो की ये टिप्पणियां और मोदी, पुतिन व शी चिनफिंग के बीच दिखी घनिष्ठता ऐसे समय में सामने आई है, जब भारत और अमेरिका के रिश्ते पिछले दो दशकों के सबसे नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। व्यापार और शुल्क (टैरिफ) पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के कारण वाशिंगटन और नयी दिल्ली के बीच रिश्तों में गिरावट आने के बाद नवारो पिछले कुछ दिनों से लगातार भारत को निशाना बना रहे हैं। नवारो ने कहा, ''मुझे समझ नहीं आता कि प्रधानमंत्री मोदी के मन में क्या है, खासकर तब जब भारत पिछले कई दशकों से चीन के साथ कभी शीत युद्ध तो कभी सीधे संघर्ष की स्थिति में रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय नेता यह समझेंगे कि उन्हें रूस के साथ नहीं, बल्कि हमारे, यूरोप और यूक्रेन के साथ होना चाहिए, और उन्हें रूस से तेल खरीदना भी बंद करना चाहिए।''

ट्रंप ने भारत को रूस की ओर वापस भेज दिया, चीन के करीब ला दिया : अमेरिका के पूर्व एनएसए

न्यूयॉर्क : अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को रूस से दूर करने के पश्चिमी देशों के दशकों के प्रयासों को ''ध्वस्त'' कर दिया है। बोल्टन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ (शुल्क) नीतियों और हाल ही में भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष को समाप्त करने के दावों ने स्थिति को और खराब कर दिया है। उन्होंने सोमवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पश्चिमी देशों ने दशकों तक, शीत युद्ध के दौर में (पूर्व) सोवियत संघ के साथ रहे भारत के जुड़ाव को कमतर करने की कोशिश की, और चीन से उत्पन्न खतरे के प्रति भी भारत को आगाह किया। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी विनाशकारी टैरिफ नीति से दशकों के प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है।'' स्काई न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में, बोल्टन ने विस्तार से बताया कि पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका ने, दशकों से भारत को रूस से दूर करने की कोशिश की है, उनसे अत्याधुनिक हथियार खरीदे हैं और चीन से उत्पन्न खतरे के प्रति नयी दिल्ली को आगाह किया है। जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने 'क्वाड' समूह भी बनाया। उन्होंने कहा, ''भारत को इन देशों के साथ सहयोग के लिए और अधिक अनुकूल बनाने की खातिर काफी प्रयास किए गए। पिछले कुछ हफ्तों में डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रयास को पूरी तरह से उलट दिया है और अब कई कारणों से भारत को रूस की ओर वापस भेज दिया है ताकि वह चीन के साथ नजदीकी बढ़ा सके और दशकों से किए जा रहे प्रयासों को व्यर्थ कर दे।'' पूर्व एनएसए ने जोर देकर कहा कि हालांकि स्थिति को सुधारा जा सकता है, लेकिन इसके लिए काफी काम करने की जरूरत होगी, जो उन्हें निकट भविष्य में होता नहीं दिख रहा।

बाढ़ प्रभावित राज्यों को शीघ्र राहत दे केंद्र

कई दशकों की सबसे बड़ी विनाशकारी बाढ़ की त्रासदी झेल रहे पंजाब में जन-धन की व्यापक क्षति हुई है। खेतों में खड़ी फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं बल्कि खेतों की उर्वरता की भी हानि हुई है। लेकिन जिस गति से उत्तर भारतीय राज्यों को बाढ़ ने अपनी चपेट में लिया है, उसको लेकर राहत की तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की तरफ से नजर नहीं आती। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। विनाशकारी बाढ़ ने व्यापक पैमाने पर फसलों को तबाह किया, घरों को तहस-नहस किया, पशु धन की बर्बादी हुई है और बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। इस आसमानी आफत के सामने लोग लाचार व असहाय नजर आ रहे हैं। नागरिक इस संकट के वक्त में शासन से जिस सहानुभूति और निर्णायक मदद की कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, उसके बजाय नौकरशाही की सुस्ती और नाममात्र की घोषणाओं ने उन्हें निराश किया है। इस संकट की घड़ी में वे तंत्र की काहिली बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं है कि पंजाब पहले ही कृषि संकट से जूझ रहा था। लेकिन बाढ़ की तबाही ने उसके बड़े उपजाऊ क्षेत्र के संकट को और गंभीर बना दिया है। किसानों को अब सामान्य स्थिति बहाल करने में सालों लग जाएंगे। इसी तरह हिमाचल लगातार दूसरे वर्ष भी अतिवृष्टि जनित व्यापक तबाही की मार झेल रहा है। आपदाग्रस्त हिमाचल में सड़कों का ताना-बाना बिखर गया है। बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि ने व्यापक जन-धन की हानि की है। राज्य अभी बीते वर्ष की आपदा के जख्मों से उबरा नहीं था कि इस साल अतिवृष्टि ने भयावह तबाही का मंजर पैदा कर दिया। तमाम इलाकों से भूस्खलन और तबाही की खबरें आ रही हैं। राज्य ढहे पुलों और फंसे पर्यटकों के संकट से जूझ रहा है। इससे इस संवेदनशील पहाड़ी राज्य की अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड़ गई है।

इसी तरह हरियाणा के अनेक गांव मुख्य भू-भाग से कट गए हैं। सड़कें नष्ट हुई हैं और मवेशी बह गए हैं। जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाओं और बाढ़ ने व्यापक जन-धन की हानि की है। बाढ़ ने हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया है। जिसके चलते राज्य का नाजुक सामाजिक और आर्थिक ताना-बाना बिगड़ गया है। केंद्र सरकार आपदा राहत की अनुग्रह राशि के चेक देकर और राहत से जुड़े बयानों तक सीमित नहीं रह सकती। इन राज्यों में विनाश के स्तर को देखते हुए तत्काल और ठोस हस्तक्षेप करने की जरूरत है। वक्त की मांग है कि इन क्षेत्रों के लिये विशेष राहत पैकेज की घोषणा हो। आपदा राहत निधि का त्वरित वितरण किया जाए। इसके साथ ही जरूरी है कि पीड़ित परिवारों को तुरंत सीधा वित्तीय हस्तांतरण किया जाए। यदि समय रहते ऐसे कदम नहीं उठाए जाते तो जनाकांक्षाओं के साथ छल ही होगा। केंद्र सरकार को राज्य पर सिर्फ जिम्मेदारी थोपते हुए ऋण को केंद्रीयकृत करने की अपनी प्रवृत्ति को त्यागना होगा। बाढ़ से बेहाल हुए पंजाब को राहत देने के लिये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य के बकाया साठ हजार करोड़ रुपये की मांग की है। निस्संदेह, जब पंजाब बाढ़ के गंभीर संकट से जूझ रहा है तो केंद्र से तत्काल सहायता पाना उसका हक बनता है। इसके साथ ही यहां यह भी जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकार आपस में संवादहीनता की स्थिति को खत्म करें। दोनों सरकारें स्वीकार करें कि बाढ़ का संकट गंभीर है और लोगों को राहत पहुंचाना दोनों सरकारों की प्राथमिकता बने। इस संकट की घड़ी से उबरने के लिये राजनीतिक मतभेदों को तत्काल दूर करने की आवश्यकता है। निस्संदेह, केंद्र सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावितों के लिये तत्काल मदद के रास्ते में आने वाली हर बाधा को दूर करने की जरूरत है। बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास, शीघ्र जल निकासी और राज्य सरकार और गैर सरकारी संगठनों के मजबूत समन्वय के लिए तत्काल आर्थिक सहायता की जरूरत है। इस संकट की घड़ी का मुकाबला सभी पक्षों के तालमेल व ईमानदार प्रयासों से ही संभव हो सकेगा।

एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहने का आदेश स्वागतयोग्य

ललित गर्ग

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एस आई आर) की प्रक्रिया लगातार चर्चा में है। जहां एक तरफ इसे लेकर शुरू की गई कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में विपक्षी नेताओं की रैली के साथ समाप्त हुई, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर नए आदेश जारी करते हुए मतदाता सूची सुधार का कार्य आगे भी जारी रहने का निर्देश जारी किये हैं, यह निर्देश स्वागतयोग्य है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पूरा प्रकरण आखिरकार कैसा मोड़ लेगा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर किस तरह का असर डालेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि बिहार के मतदाता 1 सितंबर के बाद भी दावा या आपत्ति कर सकेंगे। यह निर्देश बहुत जरूरी है, क्योंकि अभी भी राजनीतिक दलों की शिकायतें दूर नहीं हुई हैं। ज्यादातर आम लोगों की शिकायतों का निवारण कर दिया गया है, पर कुछ राजनीतिक पार्टियों के लिए एसआईआर की खामी एक बड़ा मुद्दा है। महागठबंधन में शामिल दल इस मुद्दे में विवाद खड़े करने में ही अपने चुनावी हित देख रहे हैं। हालांकि, न्यायालय ने उचित ही बताया है कि मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर असमंजस की स्थिति काफी हद तक 'विश्वास का मामला' है। इसका मतलब, जो राजनीतिक अविश्वास है, उसे दूर करने के लिए स्वयं दलों को सक्रिय होना पड़ेगा। न्यायालय की इस सलाह पर राजनीतिक दलों को गौर करना चाहिए और इस प्रक्रिया को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि चुनाव सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर सभी राजनीतिक दल यह ठान लें, तो चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सकता है। वास्तव में, मतदाता पुनरीक्षण का काम राजनीतिक दलों को अपने स्तर पर लगातार जारी रखना चाहिए, इससे लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित होगी एवं चुनाव की खामियों को सुधारा जा सकेगा।

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है। इससे भी बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है विपक्षी नेताओं द्वारा कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए चुनाव आयोग को आरोपों के दायरे में शामिल रखा जाना। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी नेता चुनाव आयोग और सरकार को घेरते हुए यह मुद्दा बार-बार उठाते रहेंगे। विपक्षी दल इस विषय में जिस तरह की नकारात्मकता दर्शा रहे हैं, वह भी प्रश्नों के घेरों में एवं अतिश्योक्तिपूर्ण है। क्योंकि यह अत्यंत सामयिक और संवेदनशील है। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया, एक ओर मतदाता सूची को शुद्ध एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालना और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना, लोकतंत्र की सेहत और स्थायित्व को धुंधलाता है।

सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई का जहां तक सवाल है तो वहां भी विपक्षी दल और चुनाव आयोग एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाते नजर आए। जहां विपक्षी दलों के वकील इस प्रक्रिया की खामियों की ओर कोर्ट का ध्यान दिलाते रहे, वहीं चुनाव आयोग के वकील ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या इस प्रक्रिया में नहीं, बल्कि उस मानसिक सोच में है, जो आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। उनके मुताबिक दूसरे पक्ष की मानसिकता ही खोट निकालने की हो गई है। इसमें दो राय नहीं कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले को यथासंभव उपयुक्त ढंग से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यह देखना बाकी है कि चुनाव आयोग इस प्रक्रिया में सभी पक्षों का विश्वास जीतने और सभी योग्य मतदाताओं की आशंकाएं दूर करने में किस हद तक कामयाब हो पाता है।

निश्चित ही पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अभी तक के अनुभव मिले-जुले रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बताया कि राजनीतिक दल सूची में मतदाताओं को शामिल करने के दावों के बजाय उन्हें हटाने की मांग करते हुए आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। अगर चुनाव आयोग ने ज्यादा नाम काटे होते, तो नाम जोड़ने के लिए ज्यादा दावे होते। कांग्रेस को शायद अभी भी शिकायत है कि उसके एजेंटों के दावे पर गौर नहीं किया गया है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने कहा है कि दावे यथोचित प्रारूप में नहीं किए गए हैं। ऐसे में, चुनाव आयोग को कुछ उदारता बरतते हुए अपनी सूची का हकीकत से मिलान करना चाहिए। बिहार में ही बड़ी पार्टियों के तमाम बूथ लेबल एजेंट (बीएलए) सक्रिय हो जाएं, तो मतदाता सूची को दोषरहित बना सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की भी यही मंशा है। मतदाता सूची को लेकर विवादों में पड़े रहना हर प्रकार से अफसोसजनक होगा, इससे हमारे लोकतंत्र की गरिमा घटेगी। गौर करने की बात है कि शीर्ष अदालत के निर्देश पर सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों और पैरा लीगल स्वयंसेवकों को पुनरीक्षण में लगाया जाएगा। वास्तव में, पुनरीक्षण जल्दी संपन्न होना चाहिए, ताकि बिहार चुनाव में देरी न होने पाए।

चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ है। इसका दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना भी है। मतदाता सूची में गड़बड़ी, डुप्लीकेट नाम, मृत व्यक्तियों के नाम, या फर्जी पंजीकरण जैसी समस्याएं अक्सर चुनावी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाती रही हैं। ऐसे में एसआईआर जैसी प्रक्रिया को चुनाव आयोग द्वारा लागू करना आवश्यक कदम माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले पर्याप्त राजनीतिक परामर्श, जनजागरूकता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई थी? यदि ऐसा नहीं हुआ, तो राजनीतिक दलों का असंतोष स्वाभाविक है। इसमें कोई शक नहीं कि पुनरीक्षण के मामले ने बिहार की राजनीति को गरमा दिया है। बिहार आज निर्णायक मोड़ पर है। विशेष रूप से जन सुराज पार्टी के जो तेवर हैं, उससे बिहारी राजनीति के पूरे कलेवर पर असर पड़ सकता है। बिहार का विकासोन्मुख होना जरूरी है। इस जरूरत को बिहार में नया और पुराना विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष भी नए सिरे से समझ रहा है। लोगों के लिए तो यही सबसे अच्छी बात होगी कि सभी राजनीतिक दल अपने मुद्दों में विकास और रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा को सबसे ज्यादा तरजीह दें।

अब बड़ा प्रश्न है कि यदि सुप्रीम कोर्ट आयोग के पक्ष में निर्णय देती है, तो विपक्ष को अपने आंदोलन का औचित्य सिद्ध करना कठिन होगा। वहीं यदि अदालत को प्रक्रिया में खामियां मिलती हैं, तो आयोग की कार्यप्रणाली पर गहरे प्रश्न उठेंगे। विपक्ष की ओर से इसे सीधे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताना भी अतिशयोक्ति कहा जा सकता है, क्योंकि मतदाता सूची को शुद्ध करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है। यदि ऐसे हर संवैधानिक कदम को राजनीतिक रंग देकर विवादित बना दिया जाए, तो लोकतंत्र में संस्थाओं की मजबूती के बजाय कमजोरी ही बढ़ेगी। एसआईआर जैसी पहल की केवल बिहार ही नहीं, समूचे देश में जरूरत है ताकि चुनाव प्रक्रिया भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों से मुक्त हो सके। लेकिन इसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब यह निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वसम्मत तरीके से लागू हो। चुनाव आयोग को न केवल अपने कदमों की संवैधानिकता, बल्कि उसकी जनस्वीकार्यता भी सुनिश्चित करनी चाहिए। विपक्ष को भी इस प्रक्रिया को मात्र राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय रचनात्मक संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए। लोकतंत्र केवल मतदाताओं की भागीदारी से नहीं, बल्कि संस्थाओं पर विश्वास से भी जीवित रहता है। इसलिए संस्थाओं की गरिमा और पारदर्शिता दोनों की रक्षा अनिवार्य है।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

अहमदाबाद में पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी के सानिध्य में स्वर्गीय बुद्धमल जी दुगड़ की स्मृति सभा का आयोजन

अहमदाबाद : तेरापंथ धर्मसंघ का विराट इतिहास अनेकानेक मंगल प्रसंगों से भरा है, परंतु रविवार, 31 अगस्त का दिन अहमदाबाद में तेरापंथ धर्मसंघ के श्रावक समाज के लिए अविस्मरणीय बन गया। प्रवचन पंडाल वीर भिक्षु समवसरण उस समय आध्यात्मिकता से अनुप्राणित हो उठा, जब स्वयं धर्मसंघ के अधिशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी ने अपने मंगल सानिध्य में स्व. बुद्धमल जी दुगड़ (रतनगढ़ कोलकाता) की पावन स्मृति सभा का संचालन किया। गुरु-शिष्य परम्परा में यह एक अभिनव अध्याय सिद्ध हुआ।

-आचार्यश्री की वात्सल्य वर्षा

पूज्य आचार्यश्री ने अपने हृदयस्पर्शी उद्गारों में स्व. बुद्धमल जी के सत्यनिष्ठ, समर्पित, त्यागी, सरल, सहज और सहिष्णु व्यक्तित्व का विशेष रूप से स्मरण किया। आचार्यश्री ने कुछ पुराने प्रसंगों का स्मरण करते हुए उनकी नैतिकता और सत्यानिष्ठा की मुक्तकंठ से प्रशंसा की । दशकों से उनके संपर्क, सेवा और भावनाओं को अनुभव कर, आचार्यश्री ने दुगड़ परिवार को करुणा और वात्सल्य की वर्षा से सराबोर कर दिया।

आचार्यश्री ने जीवन की क्षणभंगुरता को समझने और उसे साधना, सेवा और संस्कार में परिणत करने का संदेश दिया।

दो दशक पुरानी स्मृति का पुनर्स्मरण

पूज्य प्रवर ने स्मरण किया कि लगभग दो दशक पूर्व जब स्व. बुद्धमल जी जैन विश्व भारती, तेरापंथ समाज की कामधेनु संस्था के अध्यक्ष बने थे, उस समय एक महत्वपूर्ण अनुदान संबंधी प्रसंग आया था। उस प्रसंग में बुद्धमल जी ने अपनी दृढ़ता और स्पष्टवादिता से जो नैतिकतापूर्ण भूमिका निभाई, वह आचार्यश्री के मन को छू गई थी। उन्होंने कहा- वह प्रसंग आज भी मेरे हृदय में ताजा है, क्योंकि उसमें उनकी सत्यनिष्ठा, धर्मपरायणता और संकल्प शक्ति झलक रही थी।

मुनि वृंद एवं साध्वीप्रमुखा के उद्गार

इस अवसर पर साध्वीप्रमुखा श्री विश्रुतविभा जी ने स्व. बुद्धमल जी की जीवनगत विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उनके आध्यतामिक आरोहण की मंगल कामना की। मुख्य मुनि श्री महावीर कुमारजी सहित अनेक मुनि वृंद - मुनि मदन कुमारजी, मुनि दिनेश कुमारजी, मुनि कुमार श्रमणजी, मुनि योगेश कुमारजी, मुनि कीर्तिकुमारजी, मुनि विश्रुत कुमारजी, मुनि ध्यानमूर्ति जी आदि ने भी अपने हृदयस्पर्शी विचार रखे और दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सर्वदेशीय उपस्थिति

स्मृति सभा का वातावरण एक अद्वितीय आध्यात्मिक समागम बन गया। कोलकाता, मुंबई, दिल्ली, बंगलौर, हैदराबाद, राजस्थान एवं देश के अनेकों हिस्सों से बड़ी संख्या में स्वजन, समाज के विशिष्ट कार्यकर्ता, परिवारजन और श्रद्धालु उपस्थित हुए।

आचार्यश्री की करुणामयी वाणी और मंगलपाठ ने सभी को भीतर तक छू लिया और पंडाल में उपस्थित हर व्यक्ति ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय और सौभाग्यपूर्ण क्षण माना।

प्रमुख समाज जन की उपस्थिति

इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित रहे, जिनमें अहमदाबाद के प्रमुख श्रावक परिवार श्री बाबूलाल सेखानी, श्री नवरत्न सेखनी, श्री मोतीलाल सेखानी, श्री प्रकाश सेखनी, श्री गणपत चौधरी, श्रीमती वीणा सेखानी, श्री सुरेंद्र बोरड़, श्री विनोद बैद, श्री सुरेंद्र चोरड़िया, श्री हरनजीत सिंह, श्री जयन्ती लाल भंसाली, श्री संजय बोथरा, श्री राजेंद्र दुगड़, श्री महेंद्र दुगड़, श्री भूपेन्द्र दुगड़, श्री धनराज दुगड़, श्री बिमल दुगड़, श्री सुशील पारेख, श्री विजय बावलिया, श्री सुनील सुराणा, श्री हेमंत दुगड़, श्री मनोज नाहटा, श्रीमती सूरज बराडिया, श्री अशोक बराडिया, श्री संजय धारेवा, श्री अभय दुगड़, श्री झूमर सिंह चंडालिया, श्री जोधराज बैद, श्री मुदित सिंघी, श्री सुबाहु बोथरा, श्री अरुण बोथरा, श्री सलिल लोढ़ा, श्री ललित दुगड़, श्री अमर चंद लुंकड़, श्री रणजीत सिपानी, श्री निवास बोथरा, श्री बाबूलाल सुराणा, श्री संजीव छाजेड़, श्री मांगीलाल सेठिया, श्री रिषभ शाह, श्री सुरेन्द्र डाकलिया, श्री अमित नाहटा, श्री प्रवीण बराडिया, श्री बाबूलाल सुराणा, श्री पन्नालाल मालू, श्री जसराज मालू, श्री संजय मालू, श्री सुरेन्द्र नाहटा, श्री हर्ष मनोत, श्री रोहित मनोत, श्री शांति लाल बरनेचा, श्री रतन दुगड़, श्री अरविंद संचेती, श्री नोरतन बरमेचा, श्री नवीन बेंगानी, श्री नरेंद्र बरदिया, श्री हितेश पारेख, श्री अशोक रेड, श्री हर्ष वर्धन कोटिया, श्री निर्मल भूरा, श्री सुरेंद्र मणोत, श्री मयंक सिंघी, श्री अभिषेक मणोत, श्री अजीत गुगड़ सहित सैंकड़ो की उपस्थिति में देशभर से स्वजन सम्मिलित थे।

सभी ने स्व. बुद्धमल जी को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर दुगड परिवार की बहन बेटियों और बहुओं ने गीतिका के माध्यम से अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की ! तीनों पुत्रों श्री सुरेंद्र, तुलसी और कमल दुगड ने अपने स्व. पिताजी के दिखाए हुए रास्ते पर चलकर समाजसेवा की प्रतिबद्धता को प्रगट किया, इस अवसर पर स्व. बुद्धमल जी की दोनों बड़ी पुत्रियां, श्रीमती राज कुमारी मनोत, श्रीमती सायर बोथरा और तीनों बहुओं में से श्रीमती प्रतिभा दुगड़, श्रीमती मधु दुगड़ और परिवार के सभी पोत्र-पोत्र वधूएँ, परपौत्रीय सहित समस्त परिवार उपस्थित थे।

भावांजलि का अनुपम दृश्य

दोपहर में पुनः लगभग 3 बजे, गुरुदेव के प्रवास स्थल में दुगड़ परिवार सहित सुदूर प्रांतों से आए स्वजनों ने स्व. बुद्धमल जी की स्मृति में अपनी भावांजलि प्रेषित की। उस समय का वातावरण अत्यंत मार्मिक और दिव्य हो गया। हर किसी की आँखों उनकी रिक्तता की शून्यता थी, किंतु उनमें आभार और श्रद्धा का भाव झलक रहे थे । इस अवसर पर विकास परिषद के सदस्य श्री मांगीलाल जी सेठिया, महासभा के महामंत्री श्री विनोद बैद, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री अमरचंद लूँकड, अमृतवाणी के अध्यक्ष श्री ललित दुगड, श्री सुरेंद्र चोरडीया, श्री जोधराज बैद, श्री रणजीत सिपानी, श्री सुरेंद्र बोरड़, श्री हुलास दुगड व श्रीमति सूरज बरडीया ने भी अपनी श्रद्धासिक्त भावांजलि समर्पित की।

गुरु सन्निधि में परिवार की और से पुत्रवधु श्रीमतती प्रतिभा और श्रीमती मधु दुगड ने अपने भावों के माध्यम से तथा दौहित्र वधु श्रीमती तारा मनोत गीतिका के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के इस चरण का संचालन पुत्र कमल कुमार दुगड ने किया। आचार्यश्री ने परिवार के सदस्यों का विस्तृत परिचय भी किया।

गुरु-शिष्य संबंध की पराकाष्ठा

यह स्मृति सभा केवल एक श्रद्धांजलि सभा भर नहीं रही, बल्कि इसने गुरु-शिष्य संबंध की निष्ठा, समर्पण और आत्मीयता को सजीव कर दिया। धर्मसंघ के इतिहास में यह प्रसंग एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित हो गया।

दुगड़ परिवार का आभार

अंत में दुगड़ परिवार ने आचार्यश्री के चरणों में कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि-

गुरुदेव के मंगल आशीर्वचन और वात्सल्य हमारे लिए जीवन की अमूल्य धरोहर हैं। यह क्षण हमारे परिवार और सम्पूर्ण समाज के लिए अनंतकाल तक प्रेरणास्रोत बनेगा।

इस प्रकार यह आयोजन न केवल स्व. बुद्धमल जी की पावन स्मृति को अमर कर गया, बल्कि सम्पूर्ण समाज के लिए सेवा, समर्पण और साधना की राह को और भी प्रखर बन गया।

विशेष आभार

स्व. बुद्धमल जी दुगड़ की पुण्य स्मृति में आयोजित इस विराट श्रद्धांजलि सभा का संपूर्ण आयोजन और व्यवस्था अहमदाबाद के श्री सेखनी परिवार के प्रमुख श्री बाबूलाल जी प्रकाश जी सेखानो परिवार व श्री राजीव जी छाजेड़ ने अपने आत्मीय सहयोग एवं समर्पित सेवाभाव से संभाला।

उनकी विनम्रता, सत्कारशीलता और सूक्ष्म प्रबंधन ने समायोजित सभी स्वजनों के प्रत्येक क्षण को सुव्यवस्थित और मंगलमय बनाया। सेखानो परिवार ने अपने सेवाभाव से सभी उपस्थित जनों के हृदय को छू लिया।

दुगड़ परिवार एवं समस्त उपस्थित जनों ने, उनके इस अनुपम व्यवस्थित सहयोग के लिए हृदय से कृतज्ञता और आभार प्रकट किया।

आज का पंचांग

कोलकाता : 3 सितम्बर, बुधवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, भाद्रपद शुक्लपक्ष एकादशी, 28:21 तक, नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा, 22:56 तक, योग : आयुष्मान, 16:11 तक, सूर्योदय: 5:17, सूर्यास्त: 17:53, चन्द्रोदय : 14:48, चन्द्रास्त: 00:36, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : सिंह, चन्द्र राशि : धनु, राहू काल : 11:35 से 13:08

राशिफल

मेष : मेष राशि वालों के लिए आज का दिन कुल मिलाकर सामान्य रहेगा। धैर्य और सहनशीलता से काम लें ताकि आप अपनी मंजिल तक पहुंच सकें।

वृष : वृषभ राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर प्रबंधन और योजना के साथ आगे बढना होगा। आप अपने काम में सफल रहेंगे।

मिथुन : मिथुन राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आज आप अपने काम में सफल होंगे। भाग्य आपके साथ रहेगा।

कर्क : अगर लंबे समय से कार्यस्थल पर आपका प्रमोशन रुका हुआ है तो अब वह पूर्ण हो सकता है। कारोबार के मामले में आपको कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह : सिंह राशि में आज केतु विराजमान हैं ऐसे में आज चतुराई और बुद्धि कुशलता का लाभ ले पाएंगे। आप अपने दैनिक कार्यों में वैसे आज व्यस्त रहेंगे। पिता से आज सहयोग प्राप्त कर पाएंगे।

कन्या : कन्या राशि के जातकों के लिए आज सितारे बताते हैं कि आज का दिन आपकी शिक्षा और कामकाज के लिहाज से अच्छा है। आप अपने सभी कार्यों में सफल होंगे।

तुला : सितारे कहते हैं कि आज का दिन तुला राशि के जातकों के लिए मिलाजुला रहेगा। आपको अपना काम समय पर पूरा करने के लिए तत्पर रहना होगा।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज आपको अपने काम में सफलता मिलेगी। दिन की शुरुआत से ही आज आप सक्रिय नजर आएंगे।

धनु : धनु राशि के जातक आज विचारों में उलझे रह सकते हैं। आपको आज कोई भी काम उतावलेपन में करने से बचना होगा। वैसे आज का दिन निजी संबंधों के लिए बहुत अच्छा है।

मकर : मकर राशि के जातकों के लिए आज का दिन मिश्रित रहने वाला है। आपको अपने विरोधियों से आज सतर्क रहना होगा। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ : कुंभ राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। स्वास्थ्य आपका आज सामान्य रहेगा। आप अपने काम में आज सफल होंगे और खूब मान-सम्मान मिलेगा।

मीन : मीन राशि के लिए आज रविवार का दिन अच्छा रहेगा। आप अपने दैनिक कार्यों को पूरा करने के लिए आज तत्पर रहेगे। दिन की शुरुआत में थोड़ी सुस्ती रहेगी।

वर्ग पहेली नं. 3196

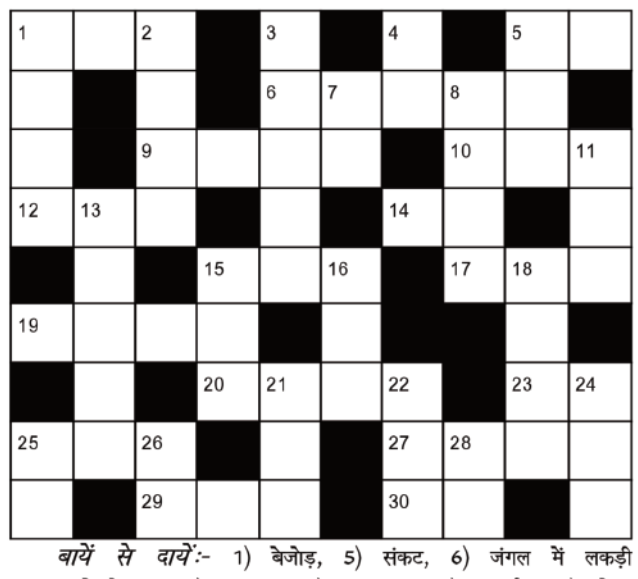

बायें से दायें:- 1) बेजोड़, 5) संकट, 6) जंगल में लकड़ी काटकर बेचनेवाला, 9) वास्ता, 10) पकड़ना, 12) लड़ाई, 14) होश, 15) यतीम, 17) खोज, 19) हमेशा, 20) एक बौद्ध तीर्थस्थल *(उत्तर प्रदेश)*, 23) बातचीत में दूरस्थ व्यक्ति या पदार्थ के लिए संबोधन या संकेत का शब्द, 25) बीनना, 27) मिठास, 29) स्वर्ग, 30) मातामही.

ऊपर से नीचे:- 1) एक खटमीठा फल, 2) अहाता; खुला मैदान, 3) चुनौती देना, 4) डाकुओं का धावा, 5) रुका- वट, 7) राजस्व; हाथ का पंजा, 8) झपटाझपटी, 11) एक कलहप्रिय देवमुनि, 13) दिलबहलाव, 15) दीर्घ काल, 16) दहलना, 18) पशु, 21) लिखित; निर्मित, 22) रुकना, 24) निराश, 25) ओढ़नी, 26) खाद्य पदार्थ, 28) लगनशील; कार्योन्मादी. *(उत्तरः अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

क	व	च	■	त	भी	■	मि	धु	न
न	■	प	ह	ल	■	गु	ल	■	ज़
क	रा	रा	■	शी	शी	■	न	का	र
■	ह	सी	ना	■	त	र	सा	ना	■
सं	गी	■	ता	मि	ल	■	र	■	स
वि	र	ल	■	हि	■	द	■	आ	म
घा	■	■	प	र	वा	ह	■	प	क्ष
निहा	य	त	■	■	■	श	रा	बी	■
क	मी	■	ला	ला	यि	त	■	ती	ली

सुडोकू-पहेली-3153

			9					4
2		4			8			
				4		9		1
					9			
5								
			7			1		
3			1	5		2		9
		8					5	3
	6							

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3152 का उत्तर

9	1	5	3	7	8	2	4	6
2	3	6	9	4	1	8	7	5
4	8	7	2	5	6	9	1	3
3	5	2	6	9	7	1	8	4
6	7	1	8	2	4	5	3	9
8	9	4	1	3	5	7	6	2
5	4	3	7	1	2	6	9	8
1	6	9	5	8	3	4	2	7
7	2	8	4	6	9	3	5	1

बंगाल सरकार ने तय किया पटाखे फोड़ने का समय, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार ने त्योहारों के दौरान पटाखे फोड़ने के लिए निर्धारित समय सीमा तय कर दी है। मंगलवार को विधानसभा के विशेष सत्र में वित्त (स्वतंत्र प्रभार) एवं पर्यावरण मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि यह निर्णय केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के आधार पर लिया गया है। मंत्री ने बताया कि काली पूजा और दीवाली पर केवल ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति होगी, इसके लिए रात 8 बजे से 10 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। वहीं, छठ पूजा के अवसर पर सुबह 6 बजे से 8 बजे तक पटाखे फोड़ने की इजाजत होगी। क्रिसमस और नव वर्ष की पूर्व संध्या पर रात 11:55 बजे से 12:35 बजे तक महज 40 मिनट के लिए पटाखे चलाए जा सकेंगे। भट्टाचार्य ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा का उल्लंघन दंडनीय अपराध माना जाएगा। साथ ही, शोर प्रदूषण की शिकायतों के लिए राज्य सरकार द्वारा एक विशेष हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके माध्यम से लोग सीधे अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

सेना पर टिप्पणी के खिलाफ नारेबाजी

शुभेंदु अधिकारी विधानसभा के विशेष सत्र से एक दिन के लिए निलंबित

❑ **भाजपा विधायकों ने किया सदन से वाकआउट**

❑ **शुभेंदु ने निलंबन की कार्यवाही को अवैध बताया, तृणमूल पर सेना के अपमान का लगाया आरोप**

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष (स्पीकर) बिमान बनर्जी ने मंगलवार को सदन में नारेबाजी व अमर्यादित आचरण करने के आरोप में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को विधानसभा के विशेष सत्र से एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। अध्यक्ष के इस फैसले के खिलाफ विपक्षी भाजपा के विधायकों ने जमकर नारेबाजी की और सदन से वाकआउट किया। दरअसल, तीन दिवसीय विशेष सत्र के दूसरे दिन भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के प्रवासी श्रमिकों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु ने सेना की ओर से सोमवार को कोलकाता के मेयो रोड में गांधी प्रतिमा के पास तृणमूल कांग्रेस के प्रदर्शन मंच को हटाए जाने की कार्रवाई की निंदा करते हुए सेना पर टिप्पणी की, जिसके बाद शुभेंदु के नेतृत्व में सभी भाजपा विधायकों ने इसका विरोध करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। मंत्री बसु ने कहा था कि 1971 में जिस प्रकार पाकिस्तानी सेना ने ढाका में आंदोलन कर रहे बांग्ला भाषी लोगों पर बर्बर अत्याचार किया था, उसके बाद भारतीय सेना द्वारा कोलकाता में की गई ताजा कार्रवाई ने उस घटना की याद ताजा कर दी है। उनकी इस टिप्पणी पर भाजपा विधायक भड़क गए और तृणमूल पर भारतीय सेना की पाकिस्तानी सेना से तुलना का आरोप लगाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। स्पीकर ने शांत कराने की कोशिश की, लेकिन भाजपा विधायक भारतीय सेना के अपमान का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करते रहे। जिसके बाद स्पीकर ने नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु को आज के लिए सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया। वहीं, शुभेंदु ने निलंबन की कार्यवाही को अवैध बताया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के लिए आवाज उठाने पर उन्हें निलंबित किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पहले जनता की आवाज उठाने के लिए उन्हें कई बार पहले भी निलंबित किया जा चुका है।

❑ **भाजपा विधायकों ने विधानसभा के बाहर किया प्रदर्शन**

दूसरी ओर, सेना के ट्रक को रोके जाने की कार्रवाई के खिलाफ विपक्षी भाजपा के विधायकों ने विधानसभा के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि तृणमूल भारतीय सेना तक का अपमान कर रही है।

कोलकाता आ रहा इंडिगो का विमान पक्षी के टकराने के बाद नागपुर लौटा

नागपुर/कोलकाता : नागपुर से कोलकाता जा रहा इंडिगो का एक विमान मंगलवार की सुबह उड़ान भरने के पश्चात पक्षी के टकराने के बाद हवाई अड्डे पर लौट आया। हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि 160 से 165 यात्रियों को ले जा रहे विमान को नागपुर हवाई अड्डे पर एहतियात के तौर पर लौटना पड़ा। अधिकारी ने बताया कि उड़ान रद्द कर दी गई है। विमानन कंपनी के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि मंगलवार को नागपुर से कोलकाता जा रही इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 812 से, उसके उड़ान भरने के तुरंत बाद एक पक्षी टकरा गया। विमान चालकों ने एहतियात के तौर पर विमान को वापस मोड़ने का फैसला किया और विमान नागपुर हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया। प्रवक्ता ने कहा कि विमान के आवश्यक निरीक्षण और रखरखाव की आवश्यकता के कारण उड़ान को आज के लिए रद्द कर दिया गया है। अपने ग्राहकों की असुविधा को कम करने के लिए हमने उन्हें जलपान की पेशकश की, वैकल्पिक व्यवस्थाएं कीं और/या बुकिंग रद्द कराने का विकल्प चुनने पर पूरा पैसा वापस किया।

नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई की भूमिका पर सवाल, हाईकोर्ट ने जताई चिंता

कोलकाता : नियुक्ति भ्रष्टाचार मामलों की जांच को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की भूमिका पर संदेह जताया। न्यायमूर्ति तपोब्रत चक्रवर्ती ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान कहा, जांच कब पूरी होगी, यह कोई नहीं जानता। प्राथमिक और एसएससी सहित विभिन्न नियुक्ति भ्रष्टाचार मामलों की जांच सीबीआई और ईडी के हाथों में है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति ने सवाल उठाया कि यदि किसी भर्ती प्रक्रिया में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ है तो उसमें भाग लेने वाले उम्मीदवारों की संलिप्तता साबित कैसे होगी? मामलाकारियों की ओर से वकील कुमारज्योति तिवारी ने कहा कि ये सभी लाभार्थी हैं। वहीं, वकील सौम्य मजूमदार ने बताया कि मध्यशिक्षा परिषद ने पैनल प्रकाशित करते समय नियमों का पालन नहीं किया। इस पर न्यायमूर्ति ने पूछा कि क्या इसके लिए कोई स्पष्ट नियम है? वकीलों का कहना था कि नियम में इसका उल्लेख नहीं है, लेकिन पैनल प्रकाशित होना चाहिए। न्यायमूर्ति चक्रवर्ती ने यह भी टिप्पणी की कि अगर 32 हजार अप्रशिक्षित उम्मीदवारों की नियुक्ति रद्द की जाती है तो प्रशिक्षित उम्मीदवारों की स्थिति क्या होगी, क्योंकि वे भी उसी प्रक्रिया का हिस्सा हैं? उन्होंने कहा कि ऐसे में सभी पक्षों को सुनना जरूरी है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति ने 1.25 लाख आवेदकों, 42 हजार नियुक्त उम्मीदवारों और उनके परिवारों की स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई और पूछा कि इसका समाधान आखिर क्या होगा। इस मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को होगी।

Name Change

I, Mahabir Prasad Barjatya, son of Lt Shri Gyan Chand Barjatya residing at I.C.R. Road, Giridih-815301, Jharkhand have declared before the First Class Notary Public at Kolkata, West Bengal vide affidavit number 067069 dated 24 June 2025 that Mahabir Prasad Barjatya, Mahavir Prasad Jain, Mahabir Prasad Jain, Mahavir Jain, Mahabir Jain, Mahabir Barjatya and Mahavir Barjatya all are same and indentical person.

NAME AND D.O.B CHNAGE

I, Rungo Bai mother of (Army No.8038453M, Rank- NK(GD) Shankar Ram) presently residing at Narsinghpur, Tahsil Rajpur, District- Balrampur, State-Chhattisgarh, Pin- 497118. do hereby declared that I have changed my name Rungo Bai to Rugo and have changed date of birth 05.07.1970 to 01.01.1975. by Vide affidavit (No. 19196) before The Learned 1st Class Judicial Magistrate at Alipore On 29.08.2025

CHANGE OF NAME

I, Bhimrao, father of No. 8037231L Hav Clk (SD) Potphode Vishwas Bhimrao R/o Vill: Ambika Nagar No. 2, Road No. 16, Wagle Estate, Thane, PO: Thane, Tehsil: Thane, Police Stn: Wagle Estate Thane, Dist.: Thane, State: Maharashtra, Pin: 400604 have changed my name Bhimrao to Bhimrao Potphode Vide affidavit No. (52AB 138356), Dated 18 Aug 2025.

CHANGE OF NAME

I, Hausa Bai, Mother of No 8037231L, Hav Clk (SD), Potphode Vishwas Bhimrao R/o Vill: Ambika Nagar No.2, Road No.16, Wagle Estate, Thane, P.O: Thane, Tehsil: Thane, Police Stn: Wagle Estate Thane, Dist.: Thane, State Maharashtra, Pin: 400604 have changed my name Hausa Bai to Housabai Bhimrao Potphode Vide affidavit No. 52AB138355 Dated 18 Aug 2025

26 साल बाद भर्ती की उम्मीद पर पानी!

सुपर्वाइज़र नियुक्ति पर फिर सुप्रीम कोर्ट में अड़चन

कोलकाता : 26 साल बाद जब आईसीडीएस सुपर्वाइज़र भर्ती की उम्मीद जगी थी, तभी एक बार फिर अनिश्चितता का साया मंडराने लगा है। राज्य सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल कोई स्थगन आदेश नहीं दिया है। हालांकि, मामले में नोटिस जारी करते हुए देश की सर्वोच्च अदालत ने चार सप्ताह बाद अगली सुनवाई की तारीख तय की है।

अंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सुपर्वाइज़र नियुक्ति में अवसर दिए जाने संबंधी मामले में पहले कोलकाता हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने आदेश दिया था, जिसे डिवीजन बेंच ने भी बरकरार रखा। इसी आदेश को चुनौती देते हुए राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। लेकिन मंगलवार को न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ ने साफ कर दिया कि अभी कोई अंतरिम स्थगन आदेश नहीं दिया जाएगा।

सुनवाई के दौरान आईसीडीएस कर्मियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एम. पी. सिंह और अधिवक्ता आशीष कुमार चौधुरी से पूछा गया कि 25-75 के अनुपात में सुपर्वाइज़र भर्ती क्यों नहीं हो सकती। इस पर उन्होंने बताया कि आईसीडीएस में अंतिम भर्ती 1998 में हुई थी। वर्ष 2019 में 3458 रिक्त पदों के लिए विज्ञप्ति निकाली गई थी। केंद्र की 2015 की गाइडलाइन में स्पष्ट प्रावधान था कि कुल रिक्तियों का 50 प्रतिशत हिस्सा अंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रमोशन से भरा जाएगा।

लेकिन राज्य सरकार ने केवल 422 पद अंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए रखकर शेष 3036 पदों पर सीधी भर्ती प्रक्रिया शुरू की। इसी को लेकर कुछ अंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति लोपिता बनर्जी ने केंद्र के नियमों के अनुसार भर्ती करने का निर्देश दिया था।

आरोप है कि राज्य सरकार ने उस आदेश का पालन नहीं किया। बाद में मामला डिवीजन बेंच तक गया और वहां भी सिंगल बेंच का आदेश बरकरार रखा गया। अब सुप्रीम कोर्ट में चुनौती के बावजूद मंगलवार को शीर्ष अदालत ने कोई अंतरिम राहत नहीं दी और अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की।

त्योहारी सीजन में सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी, टास्क फोर्स ने कोलकाता के बाजारों में की छापेमारी

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के तमाम जिलों में लगातार बारिश से सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे है। इससे गृहणियों का बजट गड़बड़ा गया है। कुछ दिनों से सब्जियों के मूल्य ठीक होने लगे थे कि फिर अचानक दरों में बढ़ोत्तरी से रसोई का बजट बिगड़ गया है। आलू, प्याज और टमाटर जैसी बुनियादी सब्जियों की कीमत लगभग 30% तक बढ़ गई हैं। त्योहारों का मौसम आ गया है और सामने दुर्गा पूजा से लेकर काली व जगद्धात्री पूजा का समय है। ऐसे में गृहणियों का बजट गड़बड़ाने से उनकी चिंता बढ़ गई है कि दर से दुर्गोत्सव का बजट कहीं फीका नहीं पड़ जाये। ऐसे में महानगर के कोले मार्केट में सब्ज़यों की आसमान छूती कीमतों ने मुनाफाखोरी पर लगाम लगाने के लिए राज्य टास्क फोर्स द्वारा एक विशेष अभियान चलाया है। सियालदह रेलवे स्टेशन के पास स्थित इस प्रमुख थोक बाज़ार में टमाटर, हरी मिर्च और बैंगन जैसी ज़रूरी चीज़ों की कीमतें आसमान छू रही हैं। टास्क फोर्स के सदस्य रवींद्रनाथ कोले ने ज़ोर देकर कहा कि हाल ही में हुई बारिश ने सब्ज़ियों की काफ़ी फ़सलें नष्ट कर दी हैं, लेकिन राज्य अपनी उपज का निर्यात नहीं कर रहा है, और आयात से यह बोझ कम हो सकता है। उन्होंने बताया कि आज से

फिर शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य त्योहारों के समय का फ़ायदा उठाने वाले बेईमान व्यापारियों पर नकेल कसना है। टास्क फोर्स के एक प्रमुख सदस्य रवींद्रनाथ कोले ने स्पष्ट किया कि कीमतों में यह उछाल मुख्यतः कालाबाजारी के कारण है। बंगाल सब्जियों की उपज का निर्यात नहीं कर रहा है। कोले ने आशा व्यक्त की कि आपूर्ति बढ़ने के साथ, खुदरा कीमतों में कुछ हफ़्तों के भीतर गिरावट देखी जा सकती है। कोले ने चेतावनी दी कि बेईमान व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिये 'खुली' ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, कालोनी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती है:–

क्रम सं. -1, निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरण: 11-2025-कालोनी, कार्य का नाम: गोरखपुर–33/11 के०वी० उपकेंद्र पर घरेलू आपूर्ति हेतु पुरानी तकनीक के 11 केवी एच.टी. पैनलों का प्रतिस्थापन कार्य। अनुमानित लागत: ₹ 4,41,91,000/-, बयाने की राशि: ₹ 3,71,000/-, ई-निविदा फार्म का मूल्य: शून्य, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकृत पत्र जारी होने के तिथि से: 09 माह।

• ऑनलाइन ई-निविदा जमा करने की तिथि 22-09-2025 समय 15:00 बजे तक। • इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा, ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/कालोनी
मुजाधि/विद्युत-129 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्र न करें।

डिब्रूगढ़-कोलकाता-डिब्रूगढ़ और सिलचर-कोलकाता-सिलचर स्पेशल ट्रेनों का आवागमन जारी रहेगा

आगामी पूजा, दिवाली और छठ के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, **05932/05931 डिब्रूगढ़-कोलकाता-डिब्रूगढ़ स्पेशल** और **05639/05640 सिलचर-कोलकाता-सिलचर स्पेशल** ट्रेनें अपने वर्तमान ठहराव, समय और सेवा के दिनों के अनुसार नीचे उल्लिखित तारीखों को चलती रहेंगी: **आवागमन की बढ़ाई गई तारीखें: ● डिब्रूगढ़ से – 05932** दिनांक 04/10, 11/10, 18/10, 25/10, 01/11, 08/11 और 15/11/2025 (शनिवार) = 07 ट्रिप और **कोलकाता से – 05931** दिनांक 06/10, 13/10, 20/10, 27/10, 03/11, 10/11 और 17/11/2025 (सोमवार) = 07 ट्रिप। ● **सिलचर से – 05639** दिनांक 02/10, 09/10, 16/10, 23/10, 30/10, 06/11 और 13/11/2025 (बृहस्पतिवार) = 07 ट्रिप और **कोलकाता से – 05640** दिनांक 03/10, 10/10, 17/10, 24/10, 31/10, 07/11 और 14/11/2025 (शुक्रवार) = 07 ट्रिप। **गठन: ● 05932 डिब्रूगढ़-कोलकाता स्पेशल (04.10.2025 से 25.10.2025 तक):** वातानुकूलित 2-टियर–2, वातानुकूलित 3-टियर–6, शयनयान श्रेणी –8, साधारण द्वितीय श्रेणी (एलडब्ल्यूएस)–4, एलएसएलआरडी–1 और पावर कार–1 = 22 कोच और **05932 डिब्रूगढ़-कोलकाता स्पेशल (01.11.2025 से 15.11.2025 तक):** वातानुकूलित 2-टियर–2, वातानुकूलित 3-टियर–6, शयनयान श्रेणी –7, साधारण द्वितीय श्रेणी (एलडब्ल्यूएस)–4, एलएसएलआरडी–1 और पावर कार–1 = 21 कोच। ● **05931 कोलकाता-डिब्रूगढ़ स्पेशल (06.10.2025 से 27.10.2025 तक):** वातानुकूलित 2-टियर–2, वातानुकूलित 3-टियर–6, शयनयान श्रेणी –8, साधारण द्वितीय श्रेणी (एलडब्ल्यूएस)–4, एलएसएलआरडी–1 और पावर कार–1 = 22 कोच और **05931 कोलकाता-डिब्रूगढ़ स्पेशल (03.11.2025 से 17.11.2025 तक):** वातानुकूलित 2-टियर–2, वातानुकूलित 3-टियर–6, शयनयान श्रेणी–7, साधारण द्वितीय श्रेणी (एलडब्ल्यूएस)–4, एलएसएलआरडी–1 और पावर कार–1 = 21 कोच। ● **05639/05640 सिलचर-कोलकाता-सिलचर स्पेशल ट्रेन** अपने वर्तमान गठन के अनुसार चलेगी। अन्य सभी अनुदेश एक ही रहेंगे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

तृणमूल विधायक के काफिले की पायलट कार हादसाग्रस्त, एक युवक की मौत

❑ **बाल-बाल बचे शौकत मोल्ला, घटना को बताया 'दुर्भाग्यपूर्ण'**

कोलकाता, समाज्ञा

कैनिंग पूर्व के विधायक शौकत मोल्ला मंगलवार को एक सड़क हादसे में बाल-बाल तो बच गए लेकिन इस दौरान हादसे में घायल मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। पुलिस व स्थानीय लोगों के अनुसार, उक्त हादसा सुबह करीब 11 बजे दक्षिण 24 परगना के बासंती हाईवे पर बामनघाटा के पास हुआ। विधायक का काफिला दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में काफिले में शामिल एक पुलिस पायलट कार क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, घायल युवक को विधायक मोल्ला अपनी कार से अस्पताल ले गए लेकिन वहां घायल ने दम तोड़ दिया। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, विधायक मोल्ला जीवनतला से बासंती हाईवे होते हुए कोलकाता विधानसभा जा रहे थे। उनकी कार के आगे एक पुलिस पायलट कार थी। उक्त कार का नियंत्रण बिगड़ गया और वह एक बाइक से टकरा गई। बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया। जहां उक्त युवक की मौत हो गई। पता चला है कि मृत युवक का नाम मो. ताजुद्दीन है। मृतक युवक कोलकाता के ब्राइट स्ट्रीट का रहने वाला है। पता चला है कि ताजुद्दीन लेदर कॉम्प्लेक्स में काम करता था। इस दिन, काम पर जाते समय उसका एक भयानक एक्सीडेंट हो गया। हालांकि, विधायक की कार को कोई नुकसान नहीं हुआ। कोलकाता के लेदर कॉम्प्लेक्स थाने की पुलिस दुर्घटना की जांच कर रही है। बाइक को जब्त कर लिया गया है।

Balarampur Development Block

P.O.-Rangadih, Dist.-Purulia, Pin-723143 (W.B.)

E-TENDER NO. WB/BDO/BLR/NIeT-12/2025-26, Dated- 28.08.2025

E-Tender is invited by the undersigned from the bonafied contractor for **01 no. Construction work under Balarampur Development Block.** Period for downloading of bid documents **29.08.2025 from 10.00 A.M. up to 11.09.2025 to 6.00 P.M.** and the time & date of opening of Technical bid **on 15.09.2025 at 11.00 A.M.** The Financial bid to be notified.

For details intending participant may contact to the office of the undersigned or visit website www.wbtenders.gov.in in any working day before the last date for submission of bid documents.

Sd/-
Block Development Officer
Balarampur Development Block

Office of the Municipal Councillors
Serampore Municipality
1, N. S. Avenue, Serampore, Dist.: Hooghly, Pin: 712201

Notice Inviting e-Quotation (2nd Call)

e-Quotation is invited from experienced and resourceful bidders vide **NIQ No:- WBMAD/ULB/SRMP/NIQ-01/2025-26 (2nd Call), Date- 01/09/2025.** Name of Work- Contract of Operation and Maintenance of Two nos. Movable Compactor (Compactor vehicle no. WB 17 3887 & WB 17 3875) for the tenure of 01 (one year) under Serampore Municipality. Bid Submission Start date (online): **01/09/2025 at 03.00 P.M.** Bid Submission Closing (online): **15/09/2025 up to 03.00 P.M.** Bid Opening Date for Technical Proposals (online) : **17/09/2025 at 03.00 P.M.** For details of the project go through http://wbtenders.gov.in and www.seramporemunicipality.net/tenders

Sd/-
Chairman
Serampore Municipality

अखिल भारतीय पेंशन अदालत - 2025

पूर्व रेलवे के पेंशनभोगी/पारिवारिक पेंशनभोगी जिनकी पेंशन संबंधी शिकायतें हैं जैसे (1) पेंशन/पारिवारिक पेंशन न मिलना, (2) पेंशन/पारिवारिक पेंशन का कम भुगतान, (3) पेंशन/पारिवारिक पेंशन में संशोधन न होना, (4) श्रेणीबद्ध राहत एवं अन्य पेंशन लाभ न मिलना, (5) संवितरण एजेंसियों द्वारा पेंशन का एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण न होना आदि, वे **निम्नलिखित प्रारूप में अपने आवेदन दिनांक 14.11.2025 तक या उससे पहले संबंधित ई-मेल आईडी या संपर्क नंबर (सीयूजी) या प्रत्येक इकाई के सामने दिए गए पते** पर पेंशन अदालतों में शिकायतों के निपटान के लिए जमा कर सकते हैं, जो **दिनांक 15.12.2025 (सोमवार) को 12:00 बजे से भौतिक रूप से आयोजित** की जाएंगी।

आवेदन का प्रारूप

(1) आवेदक का नाम (पेंशनभोगी/पारिवारिक पेंशनभोगी) (बड़े अक्षरों में) .... **(2)** पूर्व कर्मचारी का नाम.... **(3)** पदनाम/विभाग/स्टेशन (सेवानिवृत्ति/मृत्यु के समय).... **(4)** पेंशन भुगतान आदेश संख्या (यदि उपलब्ध हो).... **(5)** सेवानिवृत्ति/मृत्यु की तिथि.... **(6)** सेवानिवृत्ति/ मृत्यु के समय अंतिम मूल वेतन और वेतनमान/वेतन बैंड एवंजीपी/स्तर .... **(7)** पूरा पता, मोबाइल नंबर और टेलीफोन नंबर/ईमेल आईडी सहित .... **(8)** शिकायत की प्रकृति (पूरा विवरण दें).... **(9)** क्या शिकायत किसी पूर्व पेंशन अदालत में प्रस्तुत की गई है, यदि हाँ, तो विवरण प्रतुस्त करें। ......

आवेदक के हस्ताक्षर

मंडल/इकाई का नाम	जिसके लिए आवेदन किया जाना है ईमेल पता औरसीयूजी नंबर सहित	स्थान
मुख्यालय अधिकारी	प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, 17 एन.एस. रोड, कोलकाता-700001 ईमेल आईडी- spongerkol@gmail.com मोबाइल: 9002020672	पुराना सम्मेलन कक्ष, पूर्व रेलवे मुख्यालय, 17, एन.एस. रोड, कोलकाता-700001
मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा	वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, पूर्व रेलवे, हावड़ा ईमेल आईडी- dpo2howrah@gmail.com मोबाइल नंबर-9002022623	असेंबली हॉल, 5वीं मंजिल, नई डीआरएम बिल्डिंग, पूर्व रेलवे, हावड़ा।
मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह	वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, पूर्व रेलवे, सियालदह ईमेल आईडी- souviksinha1@gmail.com मोबाइल नंबर-9002021623	डॉ. बी सी रॉय सभागार, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, पूर्व रेलवे, सियालदह।
मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल	वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, पूर्व रेलवे, आसनसोल ईमेल आईडी- setterasn2020@gmail.com मोबाइल नंबर-9002023623	नया बैठक कक्ष, पूर्वी रेलवे, आसनसोल
मंडल रेल प्रबंधक, मालदा	वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, पूर्व रेलवे, मालदा ईमेल आईडी- apomldt3@gmail.com मोबाइल नंबर-9002024620	रेलवे संस्थान, पूर्व रेलवे, मालदा
मुख्य कारखाना प्रबंधक, लिलुआ	कार्यशाला कार्मिक अधिकारी, पूर्व रेलवे, लिलुआ ईमेल आईडी- apo.liluah@gmail.com मोबाइल नंबर-9002029601	नया बैठक कक्ष, लिलुआ
मुख्य कारखाना प्रबंधक, कांचरापाड़ा	उप मुख्य कार्मिक अधिकारी, पूर्व रेलवे, कांचरापाड़ा ईमेल आईडी- awokpaer@gmail.com मोबाइल नंबर-9002027211	मुख्य कारखाना प्रबंधक का बैठक कक्ष कांचरापाड़ा
मुख्य कारखाना प्रबंधक, जमालपुर	उप मुख्य कार्मिक अधिकारी, पूर्व रेलवे, जमालपुर ईमेल आईडी- awo.erjmp@gmail.com मोबाइल नंबर- 9771447630	केंद्रीय संस्थान, जमालपुर

अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति, क्वार्टर के अधिक समय तक बने रहने के कारण दंडात्मक/क्षतिपूर्ति किराये की वसूली से संबंधित मामले, उत्तराधिकार आदि जैसे विशुद्ध रूप से कानूनी पहलुओं से संबंधित मामले, नीतिगत मामलों से संबंधित शिकायतें, अविवाहित/तलाकशुदा/विधवा बेटियों, आश्रित विकलांग बच्चों/भाई-बहनों, आश्रित माता-पिता आदि के पक्ष में द्वितीयक पारिवारिक पेंशन की स्वीकृति से संबंधित शिकायतें पेंशन अदालतों के दायरे में नहीं आतीं और इसलिए उन पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन पत्र का प्रारूप पूर्व रेलवे की वेबसाइट **(www.er.indianrailways.gov.in)** के अंतर्गत कार्मिक विभाग के वेबपेज (होमपेज) पर भी उपलब्ध है।

प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

कुछ ट्रेनों के ठहराव पुनर्बहाल किए जाएंगे

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के तहत निम्नलिखित मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव उनके सामने उल्लिखित स्टेशनों पर निम्नानुसार पुनर्बहाल किए जाएंगे: • **13141 सियालदह–न्यू अलीपुरद्वार तीस्ता तोरसा एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 05.09.2025): कुमेदपुर: आगमन– 23.16 बजे, प्रस्थान– 23.18 बजे। आजमनगर रोड: आगमन– 23.18 बजे, प्रस्थान– 23.20 बजे। • **13142 न्यू अलीपुरद्वार–सियालदह तीस्ता तोरसा एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 05.09.2025): आजमनगर रोड: आगमन– 17.50 बजे, प्रस्थान– 17.52 बजे। कुमेदपुर: आगमन–18.08 बजे, प्रस्थान–18.10 बजे। • **13173 सियालदह–सबरूम कंचनजंघा एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.09.2025): आजमनगर रोड: आगमन– 14.51 बजे, प्रस्थान– 14.53 बजे। बासुगांव: आगमन– 22.48 बजे, प्रस्थान– 22.50 बजे। • **13174 सबरूम–सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.09.2025): बासुगांव: आगमन– 02.33 बजे, प्रस्थान– 02.35 बजे। आजमनगर रोड: आगमन– 10.10 बजे, प्रस्थान– 10.12 बजे। • **13175 सियालदह–सिलचर कंचनजंघा एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 06.09.2025): आजमनगर रोड: आगमन 14.51 बजे, प्रस्थान– 14.53 बजे। • **13176 सिलचर–सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 08.09.2025): आजमनगर रोड: आगमन–10.10 बजे, प्रस्थान– 10.12 बजे। • **13149 सियालदह–अलीपुरद्वार जंक्शन कंचनकन्या एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 06.09.2025): कुमेदपुर: आगमन– 04.10 बजे, प्रस्थान– 04.12 बजे • **13150 अलीपुरद्वार जंक्शन–सियालदह कंचनकन्या एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 06.09.2025): कुमेदपुर: आगमन– 23.06 बजे, प्रस्थान– 23.08 बजे • **15711 हावड़ा – कटिहार साप्ताहिक एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 09.09.2025): कुमेदपुर: आगमन– 23.10 बजे, प्रस्थान– 23.12 बजे • **15712 कटिहार–हावड़ा साप्ताहिक एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 08.09.2025): कुमेदपुर: आगमन– 05.30 बजे, प्रस्थान– 05.32 बजे। • **13169 सियालदह–सहरसा हाटे बाजारे एक्सप्रेस (पूर्णिया होकर)** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 09.09.2025): ओल्ड मालदा: आगमन– 04.53 बजे, प्रस्थान 04.55 बजे। • **13170 सहरसा–सियालदह हाटे बजारे एक्सप्रेस (पूर्णिया होकर)** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 10.09.2025): ओल्ड मालदा: आगमन– 21.58 बजे, प्रस्थान– 22.00 बजे। • **15629 ताम्बरम – सिलघाट टाउन नागांव एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 08.09.2025): सेनचोवा जंक्शन: आगमन–01.00 बजे, प्रस्थान–01.02 बजे। अमोनी: आगमन– 01.38 बजे, प्रस्थान–01.40 बजे। • **15630 सिलघाट टाउन–ताम्बरम नागांव एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 05.09.2025): अमोनी: आगमन– 11.20 बजे, प्रस्थान– 11.22 बजे। सेनचोवा जं.: आगमन– 12.08 बजे, प्रस्थान– 12.10 बजे। • **15929 ताम्बरम – न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 11.09.2025): सरभोग: आगमन–18.35 बजे, प्रस्थान– 18.37 बजे। • **15930 न्यू तिनसुकिया–ताम्बरम एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 08.09.2025): सरभोग: आगमन– 17.24 बजे, प्रस्थान– 17.26 बजे। • **13147 सियालदह–बामनहाट उत्तरबंग एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 06.09.2025): दीवान हाट: आगमन– 09.33 बजे, प्रस्थान– 09.35 बजे। • **13148 बामनहाट–सियालदह उत्तरबंग एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 06.09.2025): दीवान हाट: आगमन– 14.40 बजे, प्रस्थान– 14.42 बजे। • **13181 कोलकाता–सिलघाट टाउन काजीरंगा एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 08.09.2025): गोवालपाड़ा टाउन: आगमन– 00.53 बजे, प्रस्थान–00.55 बजे। • **13182 सिलघाट टाउन–कोलकाता काजीरंगा एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 09.09.2025): गोवालपाड़ा टाउन: आगमन– 20.10 बजे, प्रस्थान–20.12 बजे। • **15661 रांची–कामाख्या साप्ताहिक एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 10.09.2025): गोवालपाड़ा टाउन: आगमन–20.56 बजे, प्रस्थान–20.58 बजे। • **15662 कामाख्या–रांची साप्ताहिक एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 09.09.2025): गोवालपाड़ा टाउन: आगमन–13.40 बजे, प्रस्थान–13.42 बजे। • **20501 अगरतला–आनंद विहार टर्मिनल तेजस राजधानी एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 08.09.2025): न्यू हाफलोंग: आगमन–21.56 बजे, प्रस्थान–21.58 बजे। • **20502 आनंद विहार टर्मिनल–अगरतला तेजस राजधानी एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 10.09.2025): न्यू हाफलोंग: आगमन–09.08 बजे, प्रस्थान–09.10 बजे। • **15657 दिल्ली– कामाख्या ब्रह्मपुत्र मेल** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 06.09.2025): सरभोग: आगमन–10.23 बजे, प्रस्थान–10.25 बजे। • **15658 कामाख्या–दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल** (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 06.09.2025): सरभोग: आगमन–18.40 बजे, प्रस्थान–18.42 बजे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/25/55, दिनांक: 01.09.2025, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व रेलवे, फेयरली प्लेस, दूसरी मंजिल, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता–700001 के द्वारा निम्नलिखित सामानों की आपूर्ति हेतु ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। **क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण; बयाना राशि** निम्नानुसार हैं: (1) **10245005ए;** आईजीबीटी आधारित होटल लोड कंवर्टर आदि; रु. 6,83,220; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 24.09.2025 को 13.30 बजे (2) **20251031;** ईपी मैग्नेट वाल्व असेंबली; रु.1,69,580; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 07.10.2025 को 13.30 बजे (3) **20251049;** रबिंग पैड कम्पलीट; रु.1,84,750; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 28.10.2025 को 13.30 बजे;(4) **20251156ए;** ट्रैक्शन मोटर के लिए ब्रश होल्डर असेंबली (एलएच); रु.1,05,560; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 22.09.2025 को 13.30 बजे; (5) **12251028**; आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी–5849 के तहत डबल "डी" होल के साथ जॉगल्ड फिश प्लेट 60 केजी; रु.5,59,240; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 10.11.2025 को 13.30 बजे (6) **21251116;** एयर ब्रेक वैगन आदि के लिए संपूर्ण वेंट के साथ कट ऑफ एंगल कॉक; रु.3,08,290; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 30.10.2025 को 13.30 बजे; (7) **08255055;**25 केडब्ल्यू कैपासिटी के ब्रशलेस अल्टरनेटर का क्रय आदि; रु.8,91,560; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 16.09.2025 को 13.30 बजे, (8) **10252142;** पी7/जी9 लोको के लिए स्फेरिब्लॉक; रु. 12,54,430; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 18.09.2025 को 13.30 बजे; (9) **08251677**; ब्रशलेस 110 वी डीसी रेलवे कैरिज फैन; रु.3,19,620; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 19.09.2025 को 13.30 बजे; (10) **21251532**; न्यू डोरवे स्टिफनर क्रॉसबार आदि; रु. 5,20,330; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 06.11.2025 को 13.30 बजे; (11) **21251524**; बीआरएन वैगन के लिए फैब्रिकेटेड साइड स्टैंचियन; रु. 3,51,280; (12) **21251356**; बीओएक्सएनएचएल वैगन आदि के लिए बोगी सेंटर पिवॉट बॉटम असेंबली; रु. 3,77,550; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 10.11.2025 को 13.30 बजे (क्रम सं. 11 और 12 हेतु); (13) **22255366**; इंट्राऑक्यूलर इस्तेमाल के लिए इंज. सोडियम हायलूरोनेट 1%, 0.85 मिली, [एआई (2025–26), आइटम कोड नं. एस–55123, सीरियल नं. 394]; रु. 0; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 16.09.2025 को 13.30 बजे ; (14) **22251306**; इंज. इंसुलिन ग्लार्गिन आईपी 300 यू/मिली, (मोनोकम्पोनेंट इंसुलिन ग्लार्गिन आर–डीएनए ऑरिजिन)1 कार्ट्रिज 1.5 मिली/450 यू (एक पेन और 20 नीडल मुफ्त प्रत्येक 20 कार्ट्रिज पर) (आइटम कोड एम150416) स्पेसि.के अनुसार। आइटम कोड एम150416.एआई 25–26 ; रु. 0; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 06.10.2025 को 13.30 बजे ;(15) **15245079बी**; ईओटी क्रेन का क्रय, क्षमता:25 टन ; रु. 1,40,000; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 17.11.2025 को 13.30 बजे ; (16) **22255489**; प्रोस्थेटिक कम्पोनेंट (कृत्रिम अंग), स्टैंडर्ड बिलो नी प्रोस्थेसिस सह कार्बन फाइबर लैमिनेटेड आउटर और इनर फ्लेक्सिबल डबल वॉल सॉकेट, कार्बन फाइबर वाटरप्रूफ हाई एक्टिव (के3) फुट, सिलिकॉन जेल लाइनर, सॉकेट लॉक, सॉकेट एडाप्टर, बिलो नी फोम और फिनिशिंग के लिए कॉस्मेटिक स्टॉकिंग। आपूर्ति करने वाली फर्म के पास अनिवार्य रूप से प्रॉपर कोलकाता के शहर में अपना निजी गेट ट्रेनिंग सेंटर होना चाहिए [एआई (2025–26), आइटम कोड नं. एस–61700, सीरियल नं. 1787]; रु. 0; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 06.10.2025 को 13.30 बजे ; (17) **22255490**; स्टैंडर्ड एबव नी प्रोस्थेसिस सह कार्बन फाइबर लैमिनेटेड आउटर और इनर फ्लेक्सिबल डबल वॉल सॉकेट, कार्बन फाइबर वाटरप्रूफ हाई एक्टिव (के3) फुट, पॉलिसेंट्रिक न्यूमैटिक सिलिंडर नी जॉइंट के साथ, टीईएस बेल्ट, सिलिकॉन जेल लाइनर, सॉकेट लॉक, एबव नी फोम और फिनिशिंग के लिए कॉस्मेटिक स्टॉकिंग। आपूर्ति करने वाली फर्म के पास अनिवार्य रूप से प्रॉपर कोलकाता के शहर में अपना निजी गेट ट्रेनिंग सेंटर होना चाहिए; रु. 0; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 07.10.2025 को 13.30 बजे ; (18) **12251026बी**; 1 मी. लंबा फिश प्लेट टी–5916; रु.10,58,120; (19) **11252613ए**; सपोर्टिंग बॉक्स, ड्राफ्ट गियर और मैनुअल अनकपलिंग डिवाइस के लिए स्पेयर पार्ट्स के सेट का क्रय; रु. 2,41,840; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 22.09.2025 को 13.30 बजे (क्रम सं. 18 और 19 हेतु); (20) **11252617ए**; स्फेरोइलास्टिक रबर बेयरिंग; रु. 2,51,220; (21) **11251524**; 60 केवीए, 750 वी/415 वी ट्रांसफॉर्मर का क्रय आदि; रु. 6,69,480; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 19.09.2025 को 13.30 बजे (क्रम सं. 20 और 21 हेतु); (22) **20252190**; ऑटो ड्राइविंग डिवाइस के साथ 3 फेज ईएमयू पैंटोग्राफ के लिए उपयुक्त मेटलाइज्ड कार्बन स्ट्रिप; रु. 2,06,890; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 25.09.2025 को 13.30 बजे; (23) **20251148**; भेल ट्रैक्शन मोटर के लिए सभी कम्पोनेंट के साथ एक्सल लुब्रिकेटर असेंबली कम्प्लीट; रु. 4,03,670; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 24.09.2025 को 13.30 बजे; (24) **20251027** ; सेकंडरी के लिए वर्टिकल डैंपर; रु. 6,99,390; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 18.09.2025 को 13.30 बजे; (25) **08255030ए**; 132 केवी सिंगल कोर 630 वर्ग मिमी की आपूर्ति; रु. 20,00,000; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 22.09.2025 को 13.30 बजे; (26) **11255010**; एलएचबी एसी कोचों में आईपी आधारित वीडियो सर्विलेंस सिस्टम (वीएसएस) की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और आरंभ करना आदि; रु. 50,00,000; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 03.10.2025 को 13.30 बजे। **निविदा मूल्य :** रु.0 क्रम सं.1 से 26 प्रत्येक हेतु। **टिप्पणी:** उपर्युक्त सभी निविदाएँ ई–निविदाएं हैं एवं सभी निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि आईआरईपीएस की वेबसाइट **https:// www.ireps.gov.in** के माध्यम से अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। ऊपर उल्लिखित निविदाओं एवं अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में विस्तृत विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें।

STORES-32/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

स्कूल भर्ती घोटाला : तमलुक में तृणमूल पार्षद का विरोध,

कान पकड़कर उठक-बैठक कर जनता से मांगी माफी

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के तमलुक नगरपालिका के वार्ड 10 के तृणमूल पार्षद पार्थसारथी माइती का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें वे कान पकड़कर उठक-बैठक करते हुए जनता से माफी मांगते दिखाई दे रहे हैं। उनका आरोप है कि जिले के कई तृणमूल नेता पैसे लेकर अयोग्य उम्मीदवारों को शिक्षक भर्ती में शामिल किए थे लेकिन संगठन का एक वर्ग अब भी चुप्पी साधे हुए है। वीडियो में माइती ने कहा कि पूर्व मेदिनीपुर के नेता घूस लेने के बाद भी सच सामने नहीं ला रहे जिससे विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को राजनीतिक फायदा मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि 2016 में हुए फर्जी नियुक्तियों के पीछे असली मास्टरमाइंड सबको पता है मगर जिला नेतृत्व जानबूझकर उन्हें बचा रहा है इसीलिए वे जनता से क्षमा मांग रहे हैं। बता दें कि एसएससी की ओर से हाल ही में जारी अयोग्य शिक्षकों की सूची में पूर्व मेदिनीपुर के कई नाम सामने आए हैं जिससे पूरे जिले में हंगामा मच गया है। आरोप है कि सूची में सत्तारूढ़ दल के कई नेताओं के रिश्तेदार और करीबी शामिल हैं। दूसरी ओर, शुभेंदु अधिकारी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सूची में उनके किसी रिश्तेदार या करीबी का नाम नहीं है। भाजपा पार्षद शबरी चक्रवर्ती ने भी माइती के आरोपों को आत्मप्रचार की कोशिश बताया है, जबकि तृणमूल के तमलुक जिला अध्यक्ष सुजीत राय ने कहा कि माइती गैरजिम्मेद-राना बयान देकर पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

शिक्षक भर्ती घोटाला : गिरफ्तार तृणमूल विधायक से जुड़े अभ्यर्थियों को ईडी का समन

कोलकाता, समाज्ञा : शिक्षक भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच तेज हो गई है। ईडी अधिकारियों ने उन शिक्षक अभ्यर्थियों को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा है, जिन्होंने तृणमूल कांग्रेस विधायक जीवन कृष्ण साहा को नौकरी दिलाने के लिए पैसे दिये थे। सूत्रों ने बताया कि पहले चरण में 20 उम्मीदवारों को अगले सप्ताह ईडी के साल्टलेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। इस मामले में एक बिचौलिए का नाम भी सामने आया है, जिसके जरिए पैसों का लेन-देन हुआ। बताया गया कि हर उम्मीदवार से करीब सात लाख रुपये वसूले गए। ईडी के वकील ने पहले ही कोलकाता की पीएमएलए विशेष अदालत को जानकारी दी थी कि 2010 से 2015 के बीच साहा के खाते में लगभग 1.2 करोड़ जमा हुए, जिनके स्रोत को वह स्पष्ट नहीं कर पाए।

उच्च माध्यमिक की तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा आठ सितंबर से, सुरक्षा और अनुशासन पर कड़े नियम

कोलकाता, समाज्ञा : उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद ने तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह परीक्षा 8 से 22 सितंबर तक आयोजित होगी और पहली बार सेमेस्टर प्रणाली के तहत कक्षा 12वीं की परीक्षाएं हो रही हैं। मंगलवार को परिषद अध्यक्ष चिरंजीव भट्टाचार्य ने कहा कि परीक्षा अनुशासित और शांतिपूर्ण तरीके से होगी। यदि कोई परीक्षार्थी इन्विजिलेटर परीक्षक या केंद्रकर्मी से बदसलूकी करता है तो उसकी पूरी परीक्षा रद्द कर दी जाएगी। मार्च में अंग्रेजी परीक्षा के दौरान शिक्षकों पर हमले की घटना के बाद परिषद ने इस बार किसी भी तरह की रियायत नहीं देने का फैसला किया है। इस बार, कुल 6.60 लाख परीक्षार्थी शामिल होंगे जो पिछले वर्ष से डेढ़ लाख अधिक हैं। इनमें 56.3 प्रतिशत छात्राएं हैं। परीक्षा रोज सुबह 10 बजे से 11.15 बजे तक होगी। व्यावसायिक विषयों तथा संगीत और विजुअल आर्ट्स की परीक्षा सुबह 10 से 10.45 बजे तक होगी। परीक्षार्थियों को 10.30 बजे तक केंद्र में प्रवेश करना अनिवार्य होगा। परीक्षा शुरू होने के बाद कोई भी छात्र बाहर नहीं जा सकेगा। प्रश्न लीक रोकने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी अनिवार्य की गई है। 2,106 केंद्रों में से 122 को संवेदनशील घोषित किया गया है, जिनमें मालदह जिले में सबसे अधिक केंद्र हैं। इन केंद्रों में वीडियोग्राफी की व्यवस्था होगी प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट सीलबंद पॉलिपाउच और लमिनेटेड बॉक्स में रखी जाएगी। जिन्हें सुबह 9.40 बजे वेन्यू सुपरवाइज़र के सामने खोला जाएगा। कैलकुलेटर और किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पर रोक रहेगी। परिषद ने कहा है कि परीक्षार्थियों को अपनी मूल्यांकित ओएमआर शीट और उत्तर कुंजी ऑनलाइन देखने का अवसर मिलेगा। अंतिम परिणाम 31 अक्टूबर तक प्रकाशित होगा।

हाई कोर्ट ने दागी उम्मीदवारों के नाम जारी करने के खिलाफ याचिका की खारिज

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूल नौकरियों के दागी उम्मीदवारों की सूची के प्रकाशन को चुनौती देने वाली याचिकाओं को मंगलवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि चूंकि, विशेष अनुमति याचिकाएं उच्चतम न्यायालय के समक्ष विचाराधीन हैं और दागी उम्मीदवारों के नामों वाली सूची स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा 28 अगस्त के शीर्ष न्यायालय के आदेश के संबंध में प्रकाशित की गई है, इसलिए ये उपयुक्त मामले नहीं हैं जिनमें उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने याचिकाकर्ताओं के बेदाग शिक्षक होने के दावे को खारिज करते हुए याचिकाओं को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने 28 अगस्त के अपने आदेश में एसएससी के वकील की इस दलील को दर्ज किया कि जिन दागी उम्मीदवारों के चयन को अदालत ने रद्द कर दिया था, उनकी सूची सात दिन के भीतर आयोग की वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दी जाएगी। बता दें कि उच्च न्यायालय में ये याचिकाएं उन अभ्यर्थियों द्वारा दायर की गई थीं, जिनके नाम दागी अभ्यर्थियों की सूची में थे। इनमें एसएससी द्वारा 30 अगस्त को जारी ज्ञापन में ऐसे अभ्यर्थियों के नामों वाली सूची के प्रकाशन पर सवाल उठाया गया था। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने कहा कि यह सूची उच्चतम न्यायालय द्वारा विशेष अनुमति याचिका पर 28 अगस्त को पारित आदेश के अनुसार प्रकाशित की गई है।

शिक्षक भर्ती घोटाला: पार्थ चट्टोपाध्याय की जमानत याचिका खारिज

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चट्टोपाध्याय को शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में मंगलवार को भी राहत नहीं मिली। उनके वकील ने अदालत में दलील दी कि गिरफ्तारी के बाद से एक बार भी उनकी जिरह नहीं हुई, जिससे साफ है कि यह एक साज़िश के तहत किया जा रहा है। इसके बावजूद अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। अब मामले की अगली सुनवाई 4 सितंबर को होगी। अदालत में पार्थ चट्टोपाध्याय के वकील मिलन मुख-ोपाध्याय ने कहा कि 2022 में ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था। अन्य मामलों में उन्हें जमानत मिल चुकी है, लेकिन पीएमएलए मामले में अभी तक उन्हें जेल में ही रखा गया है। उनका आरोप है कि 1 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तारी के बाद केवल 15 अक्टूबर को ही पूछताछ हुई, बाकी दिनों में उन्हें सिर्फ जेल में रखा गया। वकील ने अदालत से कहा कि इस मामले में अब तक 12 में से 11 आरोपी जमानत पर बाहर हैं, लेकिन पार्थ को प्रभावशाली व्यक्ति बताकर जेल में रखा जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर अन्य आरोपियों को जमानत दी गई है तो पार्थ को क्यों नहीं। पार्थ के वकील का कहना है कि ईडी की पूरी जांच एक ही दस्तावेज़ पर आधारित है, जिसमें अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना पूछताछ किए सिर्फ जेल में रखना, दरअसल एक तरह की सज़ा देने जैसा है। अब नज़रें 4 सितंबर की सुनवाई पर हैं कि अदालत पार्थ चट्टोपाध्याय को जमानत देती है या नहीं।

डीपीएस हावड़ा ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर इंटर-हाउस टूर्नामेंट आयोजित कर खेल भावना जगाई

हावड़ा : दिल्ली पब्लिक स्कूल, हावड़ा ने राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 को बड़े उत्साह और प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ मनाया। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को समर्पित इस दिन पर विद्यालय के चार सदनों-वर्षा, ग्रीष्मा, वसंत और शिशिर, के छात्रों ने टग ऑफ वॉर, खो-खो, डॉजबॉल और छोटे बच्चों के लिए मजेदार रेस जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण और प्राचार्या सुनीता अरोड़ा के प्रेरणादायी भाषण से हुई। उन्होंने कहा, खेल जीवन में अनुशासन, धैर्य और टीम भावना का संचार करते हैं। छात्र इन मूल्यों को खेल मैदान से आगे भी अपनाएं। टग ऑफ वॉर में कक्षा 12 के शिवम मिश्रा ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सच्ची जीत तभी मिलती है जब हम सब मिलकर प्रयास करते हैं। वहीं, वर्षा हाउस की कप्तान हिमाक्षी चौधरी (कक्षा 10) ने टीमवर्क की सराहना की। खेल कप्तान रौनक जायसवाल (कक्षा 12) ने कहा कि टग ऑफ वॉर टीम भावना और एकता का प्रतीक है। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसने छात्रों के मन में यादगार अनुभव और सच्ची खेल भावना की छाप छोड़ी।

अग्रसेन ब्वॉयज स्कूल में सी.आई.एस.सी.ई. द्वारा राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता का आयोजन

हावड़ा : सी.आई.एस.सी.ई. के द्वारा लिलुआ स्थित अग्रसेन ब्वॉयज स्कूल में चार दिवसीय राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों और सदस्यों का स्वागत आरती और तिलक के द्वारा किया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि ब्रह्मकुमारी किरण देविका और ब्रह्मकुमारी पिंकी जी, गॉस्पल होम स्कूल के अधिष्ठाता जीबू सैमुएल और प्रधानाचार्य जूड डूअर्ट तथा विद्यालय के शासी सदस्य अशोक बंसल, अनिल कुमार अग्रवाल व अधिष्ठाता सरोज श्रीवास्तव उप-स्थित थे।

इस राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में 10 राज्यों से 141 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार, आंध्रप्रदेश, उत्तर-पश्चिम, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, उत्तर-भारत, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक शामिल थे। समापन समारोह का आयोजन विद्यालय सभागार में 1 सितंबर को किया गया। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में सी.आई.एस.सी.ई. के खेल प्रबंधक अरनब साव, ए.एस.आई.एस.सी. की सहायक सचिव मौसमी साहा, ग्लेनहिल स्कूल की प्रधानाचार्या शशि पांडे, ए.एस.आई.सी.पश्चिम- बंगाल और उत्तर -पूर्व क्षेत्र के संयुक्त सचिव तथा रत्नाकर नॉर्थ प्वाइंट स्कूल के प्रधानाचार्य शैलेश पांडेय, अग्रसेन ब्वॉयज स्कूल के अधिष्ठाता सरोज श्रीवास्तव, एवं एम.सी.के.वी.स्कूल के मुख्य अध्यापक उपस्थित थे।

सी.आई.एस.सी.ई. के खेल प्रबंधक अरनब साव ने पारंपरिक, कलात्मक, तालबद्ध योगासन के लिए अग्रसेन ब्वॉयज स्कूल के अभिनीत भौमिक, सागनिक बट्ब्याल, शुभम शर्मा और एस.जी.एस.आई. के लिए अभिनीत भौमिक और हिमांशु कुमार साव का चयन किया गया। विद्यालय के हिमांशु कुमार साव, सुप्रतिम साहा, आरव खेमका, अभिनीत भौमिक और सागनिक बटब्याल को सी.आई.एस.सी.ई. राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में विजेता घोषित किया गया एवं विद्यालय के योग शिक्षक सम्राट सरकार को सी.आई.एस.सी.ई. के प्रशिक्षक के लिए चयन किया गया। राष्ट्रगान के पश्चात् राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता का समापन हुआ।

वार्ड 42 में तृणमूल कांग्रेस ने निकाली विरोध रैली

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, सांसद अभिषेक बनर्जी, उत्तर कोलकाता के सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय, जोड़ासांको के विधायक विवेक गुप्ता एवं उत्तर कोलकाता तृणमूल युवा कांग्रेस के सभापति शांति रंजन कुंडू के निर्देश पर बीजेपी शासित राज्यों में बांग्लाभाषियों पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध और बीजेपी द्वारा सेना का दुरुपयोग करके गांधी मूर्ति के समीप स्टेज खोलने के विरुद्ध में मंगलवार को वार्ड 42 तृणमूल युवा कांग्रेस द्वारा प्रतिवाद रैली किया गया जिसका नेतृत्व वार्ड 42 तृणमूल युवा कांग्रेस के सभापति दीपक निगानियां सहित श्याम मिश्रा, लालू मिश्रा, अनिल मिश्रा, प्रेम दुबे, अमृत पाण्डेय, दिलीप सिंह, सुरेन्द्र सिंह, विजय शर्मा, दीपक सिंह, ओम प्रकाश शर्मा, कृष्णा श्रीवास्तव, नवल मंडल, राजू दुबे, आलोक सिंह सहित तमाम तृणमूल कर्मी शामिल हुए।

चावल चोरी के झूठे आरोप में फंसाने की धमकी

कार्यवाहक प्रधानाध्यापक ने की आत्महत्या

मुर्शिदाबाद : जिले के मालीपाड़ा में मंगलवार को एक हाई स्कूल के कार्यवाहक प्रधानाध्यापक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान उज्ज्वल सिंह रॉय (42) के रूप में की गई है। वह स्थानीय बबलाटोली खलीलुर रहमान विद्यानिकेतन के कार्यवाहक प्रधानाध्यापक थे। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। इस घटना में, मृतक की पत्नी ने स्कूल प्रबंधन समिति और कुछ शिक्षकों के खिलाफ मानसिक प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई है। मृतक की पत्नी का दावा है कि शिक्षक के खिलाफ मिड-डे मील का चावल चुराने की झूठी शिकायत की गई थी। आरोप है कि उससे 35 लाख रुपये की मांग की गई थी। पता चला है कि मंगलवार को शिक्षक घर पर छात्रों को पढ़ा रहे थे। उस समय, उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। उस कॉल को प्राप्त करने के बाद, उन्होंने छात्रों को छुट्टी दे दी। बाद में, शिक्षक का लटकता हुआ शव घर पर मिला। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है।

आस्था, भक्ति भावना, मन से कुलदेवियों की पूजा-अर्चना, आराधना करनी चाहिये - स्वामी त्रिभुवनपुरी

कोलकाता : भागवताचार्य त्रिभुवनपुरी महाराज ने कहा श्री रामेश्वरनाथ महादेव मंदिर में आस्था, भक्ति भावना से राणीसती दादी जी, ढांढण दादी, पारासारा सती, नानु सती, माना सती, डेडल सती आदि कुलदेवियों का दरबार स्थापित है। नारी भारत का गौरव, त्याग की प्रतिमूर्ति है, तपस्विनी है, पतिव्रता है। मान्यता अनुसार सती भगवान शिव की पहली पत्नी और शक्ति का एक रूप है। सती अनसूया को पतिव्रता नारी माना जाता है, आस्था, भक्ति, मन से कुलदेवियों की पूजा-अर्चना, आराधना करनी चाहिये, जिससे देवी - देवताओं की भक्तों पर कृपा रहती है। स्वामी त्रिभुवनपुरी महाराज ने कहा मन से देवी - देवताओं का स्मरण करना भक्ति है। श्रद्धालु भक्त देवी दुर्गा, देवी काली, श्याम प्रभु, बाबा रामदेवजी एवम् देवी - देवताओं की पूजा - अर्चना करने मन्दिर में आते हैं। यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता, भारतीय संस्कृति महिलाओं के प्रति श्रद्धा दर्शाती है। जिसका अर्थ है, जहां स्त्रियों का सम्मान होता है, वहां देवता निवास करते हैं। परिवार, समाज और संस्कृति में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को महत्व देते हुए नारी का सम्मान करना चाहिये। वीरांगना महिला अपने साहस, शौर्य और पराक्रम के लिए जानी जाती हैं, जिन्होंने समाज, स्वाधीनता संग्राम और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई है। मन्दिर के संचालन में समाजसेवी अरविन्द बियानी, धीरेन अग्रवाल, अनूप तोदी, सम्पत सिंघानिया, प्रेम केशान, उमा बजाज, अनिल जालान, ललित गुप्ता, लाल बहादुर पाठक एवम् कार्यकर्ता सक्रिय हैं।

मुंबई में आयोजित हॉस्पिटैलिटी होराइजन अवार्ड्स 2025 में भारत की बेकरी प्रतिभा सम्मानित

कोलकाता, समाज्ञा : मुंबई के अंधेरी ईस्ट स्थित नोवोटेल एयरपोर्ट में रिच प्रेजेंट्स हॉस्पिटैलिटी होरा-इजन बेकरी, पेस्ट्री और चॉकलेट अवार्ड्स 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह में भारत की शीर्ष 10 चेन बेकरी और शीर्ष 10 स्टैंडअलोन बेकरी को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से कोलकाता की डो एज यू लाइक ने पूर्वी क्षेत्र में पुरस्कार हासिल कर शहर का मान बढ़ाया। रिच प्रोडक्ट्स इंडिया, एमईएनए और तुर्की के प्रबंध निदेशक पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य बेकरी और पेस्ट्री उद्योग को विश्वस्तरीय सामग्री व समाधान के साथ सशक्त बनाना है और यह पुरस्कार उद्योग की प्रतिभा और जुनून का सम्मान है। इस अवसर पर शेफ अजय चोपड़ा, राखी वासवानी, संजना पटेल सहित कई नामचीन हस्तियां मौजूद रहीं। विजेताओं में पश्चिम से रिबन्स एंड बैलून्स, मेरवान्स, अतुल बेकरी, उत्तर से ब्राउन शुगर, मैक्सिम, दक्षिण से जस्ट बेक्स, स्विस कैसल और पूर्व से डैनब्रो, क्रीम्ज़ जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड शामिल रहे।

कोलकातावुड 2025: कोलकाता में लकड़ी, फर्नीचर और मैट्रेस उद्योग को नई दिशा मिली

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के बिस्वा बांग्ला मेला प्रांगण में 12 से 14 सितंबर तक कोलकातावुड 2025 का आयोजन होने जा रहा है। यह पूर्वी भारत का पहला ऐसा मंच है जो लकड़ी, फर्नीचर और मैट्रेस उद्योग को नई दिशा और गति देगा। न्यूर्नबर्गमेसे इंडिया द्वारा आयोजित यह प्रदर्शनी देश के प्रतिष्ठित इंडियावुड एक्सपो की विरासत को आगे बढ़ाएगी और पूर्वी भारत के उभरते औद्योगिक केंद्रों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से स्थापित करेगी। इस आयोजन में 150 से अधिक ब्रांड नवीनतम मशीनरी, निर्माण तकनीक और सामग्री का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही, लाइव डेमो, बी2बी मीटिंग और स्किल ट्रेनिंग जैसी गतिविधियां स्थानीय नवाचार को बढ़ावा देंगी। सोनिया प्रशार, प्रबंध निदेशक, न्यूर्नबर्गमेसे इंडिया ने कहा कि पूर्वी भारत अब राष्ट्रीय औद्योगिक मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है और कोलकातावुड 2025 इस परिवर्तन का उत्प्रेरक साबित होगा।

पूर्व रेलवे चलाएगा कोलकाता से जम्मू तवी वन-वे स्पेशल, यात्रियों को मिलेंगी 2,100 अतिरिक्त बर्थ

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने कोलकाता से जम्मू तवी के लिए वन-वे स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इस विशेष ट्रेन के संचालन से 2,100 से अधिक अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा और लचीलापन मिलेगा। 03151 कोलकाता-जम्मू तवी वन-वे स्पेशल 25 सितंबर और 6 सितंबर 2025 को रात 23:55 बजे कोलकाता से रवाना होगी और तीसरे दिन दोपहर 14:00 बजे जम्मू तवी पहुंचेगी। इस ट्रेन का मार्ग पूर्व रेलवे के कई प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगा, जिनमें बंडेल, वर्दवान, दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर और जसीडीह सहित कुल 35 स्टेशन शामिल हैं। इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास, स्लीपर क्लास और वातानुकूलित श्रेणी की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

कूचबिहार में लाखों रुपये के नकली नोटों के साथ युवक गिरफ्तार

कूचबिहार : जिले के तूफानगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार को लाखों रुपये के नकली नोटों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पता चला है कि पुलिस ने बांग्लादेश सीमावर्ती इलाके से उक्त युवक को गिरफ्तार किया। युवक के पास नकली नोट कहां से आए? पुलिस जांच कर रही है कि क्या कोई अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन है। आरोपी का नाम अवल हुसैन (32) है। वह भारत-बांग्लादेश सीमा पर चार बलभुत इलाके का निवासी है। बताया गया है कि पुलिस ने गुप्त सूचना मिलने के बाद अंदरान फुलबाड़ी 1 ग्राम पंचायत के चमता मोड़ इलाके से युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके बैग की तलाशी ली। नतीजतन, पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति के पास से 500 रुपये के 196 नकली नोट बरामद किए। युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। नकली नोटों की तस्करी के आरोप में विशेष धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बारुईपुर में स्कूल फंड के 35 लाख से विदेश यात्रा, फर्जी बिल! प्रधानाध्यापक सस्पेंड

कोलकाता : बारुईपुर के मल्लिकपुर अब्दास स्कूल हाई स्कूल के कार्यवाहक प्रधानाध्यापक अंजन दास को भारी अनियमितताओं के आरोप में दक्षिण 24 परगना स्कूल शिक्षा विभाग की अनुशासन समिति ने निलंबित कर दिया है। आरोप है कि वर्ष 2020 से अंजन दास ने स्कूल के विभिन्न फंड से लाखों रुपये का दुरुपयोग किया। रंग-रोगन, बेंच-टेबिल बनाने और यहां तक कि प्रश्नपत्र छपाई के नाम पर भी फर्जी बिल बनाकर पैसे निकाले गए। सहकर्मियों के अनुसार, लगभग 30 से 35 लाख रुपये का गबन किया गया है। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शुभाशीष साहू ने कहा, आर्थिक अनियमितताओं के कई प्रमाण मिले हैं। प्रधानाध्यापक ने स्कूल फंड का दुरुपयोग किया। जिन कामों को किया ही नहीं गया, उनके भी वाउचर बनाकर पैसे निकाले गए। लगातार गड़बड़ियों और स्कूल के माहौल में अशांति को देखते हुए अनुशासन समिति ने हस्तक्षेप कर प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया। आरोपों पर अंजन दास की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। कई बार फोन करने के बावजूद उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

आरपीएफ ने ऑपरेशन अमानत के तहत यात्रियों को 1.52 लाख का सामान लौटाया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के आरपीएफ ने ऑपरेशन अमानत के तहत 1 सितंबर को हावड़ा, सियालदह, आसनसोल और मालदह मंडलों में बड़ी सफलता हासिल की है। इस अभियान के दौरान विभिन्न ट्रेनों और स्टेशनों से यात्रियों का भूला हुआ सामान बरामद किया गया, जिसमें 3 मोबाइल फोन, 1 साइकिल, 1 पर्स और 15 बैग शामिल थे। इन बैगों से मोबाइल, चार्जर, कपड़े, दस्तावेज, पुस्तकें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, धूप का चश्मा, छाता, निजी सामान और कुल 5,787 नकद बरामद हुए। बरामद सामान की कुल कीमत लगभग 1,52,647 आंकी गई। हावड़ा, बैंची, वर्दवान, बेलूर, रामपुरहाट, नैहाटी, सियालदह, सोनारपुर, बालीगंज, लक्ष्मीकांतपुर, बनगांव, बैरकपुर, मधुपुर, भागलपुर, मालदह और सुल्तानगंज स्टेशनों से यह सामान बरामद कर विधिवत सत्यापन के बाद यात्रियों को सौंपा गया। सामान वापस पाकर यात्रियों ने रेलवे के प्रति आभार व्यक्त किया।

पूर्व रेलवे का सियालदह मंडल 5 सितंबर से दो नई एसी लोकल ट्रेन सेवाएं करेगा शुरू

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल ने यात्रियों की सुविधा के लिए 5 सितंबर 2025 से दो नई वातानुकूलित (एसी) लोकल ट्रेन सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। ये सेवाएं सियालदह-बनगांव-राणाघाट और सियालदह-कृष्णानगर रूट पर शुरू की जाएंगी। यह दोनों सेवाएं रविवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलाई जाएंगी। नई राणाघाट-बनगांव-सियालदह एसी लोकल सुबह 07:11 बजे राणाघाट से खुलेगी, 07:52 पर बनगांव पहुंचेगी और 09:37 पर सियालदह पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन, 18:14 बजे सियालदह से खुलेगी और 20:41 बजे राणाघाट पहुंचेगी। यह सेवा विशेष रूप से हवाई यात्रियों के लिए लाभकारी होगी, क्योंकि वे दमदम कैंटोनमेंट स्टेशन पर उतरकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक आसानी से पहुंच पाएंगे। इसके अलावा, सियालदह-कृष्णानगर एसी ईएमयू सेवा सुबह 09:48 बजे सियालदह से खुलेगी और 12:07 पर कृष्णानगर पहुंचेगी। वापसी यात्रा 13:30 बजे कृष्णानगर से होगी और 15:40 बजे सियालदह पहुंचेगी। यह सेवा विशेषकर मायापुर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सुविधाजनक होगी, जिससे प्रसिद्ध इस्कॉन मंदिर की यात्रा अब और अधिक आरामदायक होगी।

हावड़ा मंडल ने विशेष सफाई अभियान में प्लेटफार्मों को पूरी तरह कचरा मुक्त बनाया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने स्वच्छता अभियान के तहत मंगलवार को विशेष सफाई अभियान चलाया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य प्रमुख रेलवे स्टेशनों के सभी प्लेटफार्मों को कचरा-मुक्त और स्वच्छ बनाए रखना था। इस दौरान अजीमगंज, बोलपुर, टेन्या, बंडेल, हावड़ा, शेउराफुली, कमारकुंडु, तारकेश्वर और वर्दवान स्टेशनों पर व्यापक सफाई कार्य किए गए। प्लेटफार्मों की गहन सफाई, कचरे का समय पर निस्तारण और निर्धारित डस्टबिनों में कचरा डालने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। यह पहल हावड़ा मंडल की स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस अभियान का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर और स्वच्छ यात्रा अनुभव प्रदान करना और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

जाइडस ने फ्लू से बचाव के लिए लॉन्च किया भारत का पहला ट्राइवेलेन्ट इन्फ्लुएंज़ा वैक्सीन- वैक्सीफ्लू

कोलकाता : ग्लोबल इनोवेशन-ड्रिवन हेल्थकेयर कंपनी, ज़ाइडस लाइफसाइंसेस लिमिटेड ने आज भारत में पहली बार अपना ट्राइवेलेन्ट इन्फ्लुएंज़ा (फ्लू) वैक्सीन, वैक्सीफ्लू लॉन्च किया, जो कि डब्ल्यूएचओ की वैश्विक जरूरतों के अनुरूप है। सीज़नल इन्फ्लूएंजा के अलावा, फ्लू भी हर साल गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनी रहती है, जिससे 30-50 लाख लोग गंभीर रूप से बीमार होते हैं और लगभग 2.9 लाख से 6.5 लाख लोग श्वसन संबंधी कारणों से मौत के घाट उतर जाते हैं। यह बीमारी शिशुओं, बुज़ुर्गों और क्रॉनिक बीमारियों से जूझ रहे लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करती है। ट्राइवेलेन्ट वैक्सीन के बारे में बात करते हुए, डॉ. परवेज़ कौल, एफआरसीपी (पल्मोनरी मेडिसिन) (रॉयल कॉलेज ऑफ फिज़िशियंस, लंदन) और एफईआरएस (यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसाइटी) ने कहा, इन्फ्लुएंज़ा वैक्सीन अब भी सीज़नल फ्लू और उससे होने वाली जटिलताओं से बचाव का सबसे असरदार तरीका है। दुनिया में फ्लू वैक्सीन क्वाड्रावेलेन्ट और ट्राइवेलेन्ट दोनों रूपों में उपलब्ध है। लेकिन, मार्च 2020 से इन्फ्लुएंज़ा बी यामागाटा वायरस का कोई केस सामने नहीं आया है। इसी वजह से डब्ल्यूएचओ, सीडीसी जैसी ग्लोबल रेग्युलेटरी बॉडीज़ ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अब बी/यामागाटा को वैक्सीन की श्रेणी में शामिल करने की जरूरत नहीं है।

नेताजी सुभाष रोड सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति का खूंटीं पूजन सम्पन्न

कोलकाता, समाज्ञा : नेताजी सुभाष रोड सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति का खूंटीं पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस पूजा में वार्ड 45 के कांग्रेस पार्षद व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उप सभापति संतोष पाठक, उधोगपति प्रवीण अग्रवाल, उधोगपति सुनील चोपड़ा, अनील भांटिया उपस्थित रहे। इसके साथ ही भोला यादव, मनोज सिंह, कार्तिक सिंह, सुभाष सिंह, बिनोद दुवे, सुनील चौवे, दिनेश मिश्रा, अशोक सिंह, अजय सिंह, अमित सिंह, प्रदीप राय, सुनील साव, सचिन सिंह, सतीश सिंह, राकेश साव, ददन सिंह,रोहित राठोड़, सीएमए सौरभ सिंह, पवन सिंह, पप्पू वर्मा, राजा मिश्रा, आंसू सोनकर, अखिलेश सिंह, दिपेन पांडे, ललन यादव, बबलू मंडल, अरूण शर्मा, अंजीत सिंह, सूरज तिवारी, रौनित जैसवारा, रघु ठाकुर, अशोक राय, अनुज कोचर, किष्णेदू राऊत, प्रकाश संभल, राजेश पांडा, श्रीकांत पांडे, सन्नी चौधरी, मोहन सिंह, बबलू चौधरी, संजय सिंह, गोपाल सिंह, अनील सिंह, राजनरायन मिश्रा, अशोक दुवे, बिकाश यादव, अशोक साव एवं तमाम सारे स्थानीय लोगों का सहयोग रहा। संस्था के सचिव कालीनाथ सिंह ने बताया कि खूंटी पूजन आयोजन के उपरांत ही सारदिया उत्सव का शुरुआत हो गई।

पूजा से पहले फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने के लिए सक्रिय हुई केएमसी और पुलिस

रफी अहमद रोड पर अतिक्रमण हटाने की मुहिम को लेकर फैला तनाव

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता नगर निगम (केएमसी) और कोलकाता पुलिस पूजा से पहले अतिक्रमण हटाने के लिए सक्रिय हो गई हैं। इसी कड़ी में, मंगलवार को केएमसी ने वेलिंगटन के मुंह से आलिया विश्वविद्यालय तक रफ़ी अहमद किदवई रोड के दोनों ओर लगी झोपड़ियों और ठेलों को हटा दिया। हालांकि, इस घटना से इलाके में गहरा तनाव पैदा हो गया। स्थानीय निवासियों और फेरीवालों ने पुलिस और नगर निगम के अधिकारियों को घेर लिया और विरोध प्रदर्शन किया।

हालांकि, विरोध के बावजूद तोड़फोड़ जारी रही। नगर निगम के सूत्रों के अनुसार, रफ़ी अहमद किदवई रोड के फुटपाथ पर लंबे समय से 50 से ज़्यादा झोपड़ियां और अस्थायी दुकानें लगी हुई थीं। इससे पैदल चलना मुश्किल हो रहा था। फेरीवालों के खिलाफ कई शिकायतों के बावजूद, उन्होंने जगह नहीं छोड़ी। इस दिन, कार्रवाई में सब कुछ ध्वस्त कर दिया गया। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, जनता की आवाजाही जारी रखने का यही एकमात्र तरीका था।

❑ 'पुनर्वास के बिना बेदखली अमानवीय', पीड़ितों की गुहार

दूसरी ओर, स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने कहा कि हम वर्षों से यहां रह रहे हैं। वे बिना किसी सूचना के अचानक आए और सब कुछ ध्वस्त कर दिया। उनका आरोप है कि पुनर्वास के किसी प्रावधान के बिना यह बेदखली अमानवीय है। इस फुटपाथ पर कई घर और दुकानें थीं, जो पल भर में ही मिट गईं। नगर निगम ने बताया है कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। आने वाले दिनों में कुछ और अवैध अतिक्रमण हटाए जाएंगे। हालांकि, पुनर्वास के संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

कोलकाता मेट्रो बनी शहर की धड़कन, एक दिन में आठ लाख मुसाफिर सवार

कोलकाता, समाज्ञा : शहर की धड़कन कही जाने वाली कोलकाता मेट्रो ने 1 सितंबर को एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जिसने राजधानी के हर कोने में चर्चा छेड़ दी। सिर्फ 24 घंटों में 8.07 लाख यात्रियों ने मेट्रो की यात्रा की। व्यस्त सड़कों और जाम से जूझते शहरवासियों के लिए मेट्रो ने एक बार फिर खुद को सबसे भरोसेमंद और तेज परिवहन साधन साबित किया।

सबसे ज़्यादा भीड़ रही ब्लू लाइन में, जहां अकेले 5.84 लाख यात्री सफर करते दिखे। दमदम स्टेशन पर मानो इंसानों का सैलाब उमड़ पड़ा – यहां 66 हजार से अधिक यात्रियों ने यात्रा की। एस्प्लेनेड स्टेशन ने 57 हजार और रवींद्र सदन ने 41 हजार से अधिक यात्रियों को संभाला।

वहीं, ग्रीन लाइन (सॉल्ट लेक सेक्टर पांच-हावड़ा मैदान) भी पीछे नहीं रही। यहां 2.04 लाख मुसाफिरों ने सफर किया। सियालदह स्टेशन ने सबसे अधिक 49 हजार यात्रियों का रिकॉर्ड बनाया, जबकि हावड़ा पर 48,700 और हावड़ा मैदान पर 25,500 लोगों ने सफर किया। येलो, ऑरेंज और पर्पल लाइनों ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। क्रमशः 7,000, 5,500 और 6,700 यात्री इन रूटों पर सवार हुए।

लेकिन असली बदलाव की तस्वीर भीड़ नहीं, बल्कि डिजिटल सफर की ओर बढ़ते कदम हैं। मेट्रो प्रशासन यात्रियों को लंबी कतारों से छुटकारा दिलाने के लिए लगातार मोबाइल क्यूआर टिकटिंग को बढ़ावा दे रहा है। पूर्व रेलवे के भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के कैडेट्स यात्रियों को जागरूक कर रहे हैं। इस पहल का नतीजा है कि, सिर्फ एक दिन में ही 31 हजार से ज्यादा मोबाइल क्यूआर टिकट बुक किए गए। इनमें ब्लू लाइन पर 15,586 और ग्रीन लाइन पर 15,453 टिकट शामिल रहे।

हाइसेंस इंडिया ने अपने रिटेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए ग्रेट ईस्टर्न रिटेल के साथ किया साझेदारी

कोलकाता : उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज़ की अग्रणी वैश्विक ब्रांड हाइसेंस ने भारत की मल्टी-स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन ग्रेट ईस्टर्न रिटेल्स के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत, हाइसेंस इंडिया के सभी प्रोडक्ट्स, जिनमें टेलीविज़न और अन्य होम अप्लायंसेज़ शामिल हैं, अब ग्रेट ईस्टर्न रिटेल्स की 90 से अधिक स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे। ये स्टोर्स देश के प्रमुख राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में फैली हुई हैं। इसके साथ ही, ये प्रोडक्ट्स ग्रेट ईस्टर्न के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध रहेंगे। ग्रेट ईस्टर्न रिटेल के निदेशक पुलकित बैद ने कहा, शुरुआत से ही ग्रेट ईस्टर्न रिटेल अपने ग्राहकों तक उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स की नई-नई तकनीक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

जनहित याचिकाओं का राजनीतिक दुरुपयोग नहीं होना चाहिए : कलकत्ता हाईकोर्ट

कोलकाता : कलकत्ता हाईकोर्ट ने मतुआ समुदाय से जुड़े जातिगत प्रमाणपत्र मामले की सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि जनहित याचिकाओं का राजनीतिक उद्देश्य से उपयोग नहीं होना चाहिए। न्यायमूर्ति सुजॉय पाल ने स्पष्ट कहा, जनहित याचिका गरीब और वंचित लोगों की मदद के लिए बनाई गई थी। यदि इसका इस्तेमाल राजनीतिक हित साधने में होगा, तो इसका मूल उद्देश्य नष्ट हो जाएगा। यह मामला 'ऑल इंडिया मतुआ महासंघ' की ओर से दायर जनहित याचिका से संबंधित था। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि पिछले 15 वर्षों से कई लोगों को अवैध रूप से नकली अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति प्रमाणपत्र दिए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की थी कि

इन फर्जी प्रमाणपत्रों को रद्द किया जाए और इस पूरे मामले की सीबीआई जांच हो। हालांकि, हाईकोर्ट की खंडपीठ ने यह याचिका खारिज कर दी। अदालत का कहना था कि याचिकाकर्ताओं में कुछ लोग राजनीतिक दलों से जुड़े हुए हैं, इसलिए याचिका की गंभीरता और स्वीकार्यता पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। न्यायमूर्ति पाल ने यह भी कहा कि इस मामले में कार्रवाई निर्धारित कानूनों के तहत ही की जाएगी।

'छात्र वोट नहीं होने के जिम्मेदार कौन?'

हाई कोर्ट ने राज्य के प्रतिवाद पर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से किया जवाब तलब

कोलकाता, समाज्ञा : कॉलेजों में छात्र वोद बंद है, छात्र संसद कक्ष में ताला लगा है। राज्य सरकार इस संबंध में पहले ही कह चुकी है कि उन्होंने कभी मतदान में बाधा नहीं डाली है। निर्देश जारी करने के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ, कॉलेज-विश्वविद्यालय प्रशासन ने उत्साह नहीं दिखाया। इस बार, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस मांग को लेकर एक बड़ा आदेश जारी किया है। न्यायमूर्ति सुजॉय पाल और न्यायमूर्ति स्मिता दास दे की खंडपीठ का सख्त आदेश है कि अगर राज्य का बयान सच है, तो उसे दस्तावेजों के साथ साबित करना होगा। पिछले छात्र मतदान के बाद से जमा किए गए सभी प्रतिवेदनों को शिक्षा विभाग को

भेजना होगा। उसके आधार पर, राज्य के जवाब की एक प्रति अदालत में जमा करनी होगी। उच्च न्यायालय का माननाहै कि अगर मतदान नहीं होता है, तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। राज्य के वकील कल्याण बनर्जी ने अदालत को बताया कि हमने मतदान का आदेश दिया था। लेकिन कॉलेजों ने मतदान नहीं कराया। इसके जवाब में, वादी के वकील विकास रंजन भट्टाचार्य ने कहा कि अगर राज्य कहता है कि कॉलेज मतदान में रुचि नहीं रखते हैं, तो उसे स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि कौन से कॉलेज मतदान नहीं कर रहे हैं? बल्कि, हकीकत तो यह है कि राज्य ने छात्र परिषद चुनाव रोक दिए हैं। जिम्मेदारी उन्हीं की है। इन परस्पर विरोधी मांगों के बीच, अदालत ने आदेश दिया कि राज्य के अंतर्गत आने वाले 365 कॉलेजों और 10 विश्वविद्यालयों को मामले में पक्षकार बनाया जाए। हम पूछें कि उनका क्या कहना है? उनके मतदान न करने की असली वजह क्या है?

बिहार चुनाव के बाद भाजपा की नजर बंगाल पर, जल्द शुरू होगा मैराथन अभियान

कोलकाता, समाज्ञा

आगामी वर्ष बंगाल में विधानसभा चुनाव होना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उससे पहले ही बंगाल में सभाएं शुरू हो चुकी हैं। मई से लेकर 22 अगस्त में तक में तीन रैलियां प्रधानमंत्री मोदी की प्रदेश में हो चुकी हैं। राज्य भाजपा के नेताओं को आगामी विधानसभा चुनाव में पीएम मोदी के प्रचार पर अधिक भरोसा है। इसीलिए, आगामी वर्ष विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी की करीब 30 रैलियां कराने की योजना बन रही है। बता दें कि पिछले वर्ष लोकसभा के चुनाव में प्रधानमंत्री ने बंगाल में कुल 23 जनसभाएं कीं थीं। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी पीएम मोदी ने ही प्रचार का पूरा कमान संभला था, लेकिन आखिरी के दो चरणों मे कोरोना महामारी के फैलने की वजह से उनकी कई जनसभाएं व रोड शो रद्द हो गया था जिसका भाजपा को नुकसान भी हुआ। परंतु, आगामी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बंगाल भाजपा के नेता फिर से पीएम मोदी पर ही उम्मीद लगा रहे हैं। प्रदेश भाजपा के एक नेता ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत केंद्रीय नेतृत्व का बंगाल में मैराथन अभियान शुरू हो जाएगा। इस माह फिर उनकी सभा होनी है। साथ ही, कोलकाता में प्रस्तावित सेना की एक बड़ी बैठक में भी उनके शामिल होने की खबर है।

दिव्यांग युवती से दुष्कर्म के दोषी युवक को 10 साल की सश्रम सजा

❑ बारासात अदालत ने दोषी पर लगाया एक लाख का जुर्माना भी

कोलकाता, समाज्ञा : एक युवक को दिव्यांग युवती से कई बार दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने आरोपी युवक को दोषी पाया और उसे सजा सुनाई। मंगलवार को बारासात अदालत ने 10 साल के कठोर कारावास का आदेश दिया। दोषी युवक का नाम मुर्शरफ हुसैन उर्फ मूसा है। वह उत्तर 24 परगना के दत्तापुकुर थाना अंतर्गत फलती गांव में रहता है। घटना 2021 की बताई जा रही है। युवक और दिव्यांग युवती एक ही इलाके के रहने वाले हैं। नतीजतन, दोनों परिचित थे। आरोपी युवती को खाने का लालच देकर सुनसान जगह पर ले गया। वहां कथित तौर पर उसके साथ कई बार

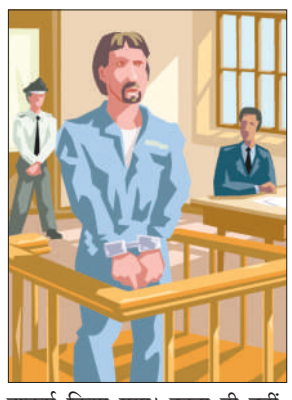

दुष्कर्म किया गया। इतना ही नहीं, अगर उसने किसी को कुछ बताया तो उसे जान से मार दिया जाएगा। युवती को धारदार हथियार से धमकाया गया। डर के मारे युवती ने घर आकर किसी को कुछ नहीं बताया। इस बीच, कई महीनों बाद, युवती के शारीरिक परिवर्तन देखे गए। परिवार वालों को शक हुआ। बाद में, पता चला कि युवती सात महीने की गर्भवती है। युवती ने दबाव में आकर अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। उसी वर्ष 7 अगस्त को दत्तपुकुर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। बारासात अदालत में मामला चला। पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया। कुल 20 गवाहों और सबूतों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी पाया। तृतीय फास्ट ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश शुभंकर विश्वास ने 10 साल की सजा सुनाई। दोषी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न चुकाने पर एक साल के अतिरिक्त कठोर कारावास का आदेश दिया गया है।

खून से सना स्कूटर, गला कटा शव: हुगली के हाटपुकुर इलाके में मचा हड़कंप

हुगली : चंडीतला थाना क्षेत्र के हाटपुकुर इलाके में सोमवार रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। रात करीब 10 बजे स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे खून से सना एक पीले रंग का स्कूटर देखा। स्कूटर चालू अवस्था में था और वहां से खून की बूंदें पास के जलाशय तक जाती हुई दिखाई दीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया। रात करीब 11 बजे जलाशय से एक युवक का गला कटा रक्तरंजित शव बरामद किया गया। मृतक की श्रीमंत कोड़ा (49) के रूप में हुई, जो हुगली के पांडुआ के चांदपुर का निवासी और पेशे से राजमिस्त्री था। श्रीमंत अपनी पत्नी टुम्पा क्षेत्रपाल के साथ पिछले तीन वर्षों से चंडीतला थाना क्षेत्र के कुमिरमोड़ा गांव में रह रहे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए श्रीरामपुर वॉल्श अस्पताल भेज दिया है। घटनास्थल से एक टूटी हुई एसिड की बोतल, हेडफोन, खून से सनी चप्पल और स्कूटर जब्त किए गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई है कि श्रीमंत और उनकी पत्नी टुम्पा का यह दूसरा विवाह था और दोनों के ही पिछले रिश्तों से दो-दो संतानें हैं। पुलिस की आशंका है कि मामला विवाहेतर संबंध या पारिवारिक विवाद से जुड़ा हो सकता है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस वारदात में श्रीमंत की पत्नी की संलिप्तता है और क्या किसी तीसरे व्यक्ति को इस हत्या के लिए शामिल किया गया था। फिलहाल, पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और हर पहलू से जांच जारी है।

हुगली ग्रामीण पुलिस ने साइबर क्राइम थाना की कार्रवाई से फर्जी सिम कार्ड गिरोह पकड़ा

हुगली : हुगली ग्रामीण जिला पुलिस की साइबर क्राइम थाना ने फर्जी सिम कार्ड गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी कौशिक सरकार को नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल से मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए तारकेश्वर थानांतर्गत ज्योत्संभु इलाके में सक्रिय संगठित गिरोह का खुलासा किया गया। जांच में सामने आया कि एक स्थानीय पॉइंट ऑफ सेल रिटेलर के जरिए भारी संख्या में फर्जी सिम कार्ड बनाए जा रहे थे और इनका उपयोग कर देशभर में वित्तीय धोखाधड़ी की जा रही थी। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी बापन दुलुई मोबाइल के जरिए योजनाबद्ध तरीके से इस ठगी को अंजाम दे रहा था। अब तक इन फर्जी सिम कार्डों के जरिए

60,98,604 रुपये की ठगी की जा चुकी है।

साइबर क्राइम थाना में मामला दर्ज कर एलएसआई मंदिरा साहा को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 1 सितंबर की सुबह धनियाखाली के मदन मोहनतला से आरोपी को गिरफ्तार किया। बाद में उसे चंदननगर एसीजेएम कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा। हुगली ग्रामीण जिला पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है, जिससे भविष्य में कई लोग संभावित आर्थिक नुकसान से बच पाएंगे।

मूचीपाड़ा में गोलीकांड, बाबूघाट बस स्टैंड से हथियारों सहित दो गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : मूचीपाड़ा इलाके में शनिवार की रात सड़क दुर्घटना को लेकर हुए विवाद के दौरान दुष्कर्मियों ने हवा में गोलीबारी कर सनसनी फैला दी थी। इस मामले की जांच करते हुए पुलिस ने बाबूघाट बस स्टैंड से दो आरोपितों को हथियारों सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से देशी पिस्तौल और ताजा कारतूस बरामद किए हैं। जांचकर्ताओं का प्राथमिक अनुमान है कि आने वाले पर्व-त्योहारों के मौसम में शहर में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश रची जा रही थी। सूत्रों के अनुसार, सोमवार की देर रात 12.30 बजे गोपनीय सूचना के आधार पर मैदान थाने की पुलिस ने बाबूघाट बस स्टैंड पर छापेमारी की। इसी दौरान आयुष झा और पीयूष गुप्ता नामक दो आरोपितों को

हथियारों के साथ पकड़ लिया गया है। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वे देशी हथियार बनाकर उसकी तस्करी के इरादे से कोलकाता आए थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि शनिवार की रात मूचीपाड़ा इलाके में हुई गोलीबारी में इन दोनों के शामिल होने के आशंका जताई गई है। इसके बाद, दोनों को आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। मूचीपाड़ा और मैदान थाने की पुलिस इस मामले में संयुक्त जांच कर रही है।

कैनिंग में चोर होने के संदेह में व्यक्ति की पीटकर हत्या, घटना सीसीटीवी में कैद

पुलिस ने मामले में एक व्यक्ति को लिया हिरासत में

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिला के कैनिंग थाना अंतर्गत तालदी राजापुर गांव में मंगलवार को चोर होने के संदेह में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। यह दृश्य सीसीटीवी में कैद हो गया। मृतक की पहचान शेख जमीर उद्दीन (28) के रूप में की गई है। घटना की खबर मिलते ही पुलिस इलाके में पहुंची। घटना कैसे हुई इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने घटना में शामिल होने के संदेह में एक व्यक्ति को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही, घटना के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की

जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह में स्थानीय लोगों ने सड़क पर शेख जमीर उद्दीन का खून से लथपथ शव देखा। इसके बाद, पुलिस को तुरंत सूचित किया गया। शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक युवक का घर जीबनतला थाना अंतर्गत घुटियारी शरीफ में है। लेकिन, पुलिस को अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि वह कैनिंग में क्या करने गया था। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज पहले ही जारी किया जा चुका है। इसमें कई युवकों को शव के एक पैर में रस्सी बांधते और उसे घसीटते हुए दिखाया गया है। इतना ही नहीं, यह भी आरोप है कि इससे पहले उसे एक खंभे से बांधकर पीटा गया था। इतना ही नहीं, उसे बांस के डंडों से भी पीटा गया था। घटना के बाद, इलाके के लोगों ने इलाके में पर्याप्त पुलिस निगरानी की मांग की है।

गलसी में मनसा पूजा देखने निकले दो भाइयों की सड़क दुर्घटना में मौत, दो अन्य घायल

पूर्व बर्दवान : जिले के गलसी थाना अंतर्गत बड़मुड़िया इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर सोमवार की देर रात सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि उनके दो मित्र गंभीर रूप से घायल हो गए है। मृतकों के नाम जयदेव हेम्ब्रम (27) और महादेव हेम्ब्रम (22)। दोनों अपने दोस्तों के साथ बाइक पर सवार होकर गांगपुर इलाके में मनसा पूजा देखने जा रहे थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, रात में गश्त के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर चारों युवकों को रक्तरंजित हालत में पाया गया। उन्हें अस्प-ताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जयदेव और महादेव को मृत घोषित कर दिया। उनके दो अन्य मित्रों को गंभीर स्थिति में बर्दवान के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि बाइक को किसी तेज रफ्तार भारी वाहन ने टक्कर मारी और वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की पुष्टि और आरोपित वाहन की पहचान के लिए पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि कुछ सुराग मिल सके।

पुलिस ने यह भी बताया कि बाइक पर सवार किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था और एक ही बाइक पर चार लोगों का सवार होना सुरक्षित यातायात नियमों का खुला उल्लंघन है। प्रशासन के द्वारा बार-बार जागरूकता अभियान चलाने के बावजूद लोग अब भी सड़क सुरक्षा नियमों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

नामखाना में जहरीला प्रसाद खाने से 40 लोग पड़े बीमार

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिला के नामखना के नारायणपुर ग्राम पंचायत के गणेशनगर इलाके में जहरीला प्रसाद खाने से 40 लोग बीमार पड़ गए। इनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरी घटना से नामखाना में दहशत का माहौल है। पता चला है कि गत सोमवार को ग्रामीणों ने एक पड़ोसी के घर पर राधाष्टमी पूजा के अवसर पर प्रसाद खाया था। मंगलवार की दोपहर से एक-एक करके कई लोग बीमार पड़ने लगे। उनमें से कुछ को पेट दर्द होने लगा। उन्हें उल्टी भी होने लगी। रात तक गांव के करीब 40 लोग एक-एक करके बीमार पड़ गए। बताया जा रहा है कि उन्हें काकद्वीप और द्वारिकानगर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सक्रिय रूप से बीमारों के इलाज की व्यवस्था कर रहा है। स्थानीय प्रशासन पूरे मामले पर नजर रखे हुए है।

कल्याणी में राशन के चावल की तस्करी का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

पुलिस ने 140 बोरी चावल एक लॉरी से की बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिला के कल्याणी थाना इलाके में पुलिस ने राशन के चावल की कथित तस्करी का भंडाफोड़ किया है। साथ ही, दो लोगों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने राशन के चावल से भरी एक लॉरी जब्त की और उसमें से कुल 140 बोरी चावल बरामद किए गए। चावल की तस्करी कहां से की जा रही थी? क्या इसे दूसरे राज्यों में तस्करी किया जा रहा था? पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, गत सोमवार की शाम कल्याणी थाना अंतर्गत बुद्ध पार्क इलाके में एक

लॉरी को देखकर पुलिस को शक हुआ। लॉरी पर दूसरे राज्य की नंबर प्लेट लगी थी। लॉरी को रोका गया और चालक व खलासी से शुरुआती पूछताछ की गई। जब वाहन की तलाशी ली गई तो चावल की बोरियां रखी हुई मिलीं। चालक व खलासी से पूछताछ के दौरान पता चला कि बोरियों में राशन का चावल था। करीब 140 बोरी चावल ले जाया जा रहा था। कोई दस्तावेज नहीं मिलने पर पुलिस ने चावल से लदे लॉरी को जब्त कर लिया। चालक व खलासी को गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन, चावल कहां से लाया जा रहा था? इस राशन के चावल की तस्करी कहां की जा रही थी? इस गिरोह में कौन-कौन शामिल है? पुलिस ने यह जानकारी हासिल करने के लिए दोनों लोगों से पूछताछ की। गिरफ्तार लोगों को मंगलवार को कल्याणी उपजिला न्यायालय में पेश किया गया।

हरिणघाटा में तालाब में नहाने गए किशोर छात्र की डूबने से मौत

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिला के हरिणघाटा थाना इलाके में मंगलवार को स्कूल जाने से पहले अपने घर के बगल के तालाब में नहाने गए एक किशोर छात्र की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पल्लब सरकार (11) के रूप में की गई है। बताया गया है कि वह चौथी कक्षा का छात्र का छात्र था। वह हर दिन अपने दोस्तों के साथ तालाब में नहाने जाता था। जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह करीब 10 बजे पल्लब स्कूल जाने से पहले अपने दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गया था। पानी में जाने के कुछ समय बाद, पल्लब तालाब में डूब गया। दोस्तों ने तुरंत स्थानीय लोगों को सूचित किया। स्थानीय लोग तालाब में उतरे और कुछ समय बाद लड़के को बहार निकाला और आनन-फानन में उसे हरिणघाटा ग्रामीण अस्पताल ले

जाया गया। वहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने स्कूली छात्र को मृत घोषित कर दिया। खबर मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस घटना की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पता चला है कि छात्र तैरना जानता था। वह नियमित रूप से तालाब में जाता था। यह दुखद घटना कैसे घटी? क्या पानी में जाने के बाद उसके शरीर के किसी हिस्से में चोट लगी थी? इसी वजह से यह घटना घटी? ये सवाल भी उठ रहे हैं।

हरिदेवपुर में बांग्लादेशी घुसपैठिया गिरफ्तार

❑ सात महीने पहले रुपये देकर बनगांव सीमा के रास्ते बिना पहचान पत्र के भारत में घुसा था

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण कोलकाता के हरिदेवपुर थाना अंतर्गत वार्ड 124 के बड़ बागान इलाके में एक बांग्लादेशी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया गया है। उसका नाम दाउद दारिया है। बताया गया है कि उक्त इलाके में एक अज्ञात व्यक्ति साइकिल पर छाते की मरम्मत कर रहा था। उसी समय छाते की मरम्मत को लेकर उसका एक स्थानीय व्यक्ति से विवाद हो गया। तभी, स्थानीय लोगों को शक हुआ। उसके बाद, एक व्यक्ति ने छाता मरम्मत कर रहे व्यक्ति से पूछा, तुम कहां से आए हो। जवाब में उसने कहा कि मैं बांग्लादेश से आया हूं।

इसके बाद, उसे हिरासत में लिया गया और लालबाजार की 100 डायल को सूचना दी गई। सूचना

मिलने के बाद हरिदेवपुर थाने की पुलिस मौके पर आई। बांग्लादेशी घुसपैठिए को गिरफ्तार कर लिया गया।

उसके अनुसार, 7 महीने पहले, वह 10,000 रुपये देकर बनगांव सीमा के रास्ते भारत में बिना पहचान पत्र के घुसा था। तब से, वह 7 महीने से भारत में छाता मरम्मत का काम कर रहा है। उसका असली घर बांग्लादेश के गोपालगंज के कोटालीपाड़ा में है। यहां, वह ठाकुरपुकुर की पांच मस्जिदों के पास तीन लोगों के साथ 600 रुपये में एक घर किराए पर लेकर रहता है। बाकी सभी बांग्लादेशी भी हैं।

हालांकि, उनमें से 2 अब बांग्लादेश लौट चुके हैं। वह यहां अकेला है। स्थानीय लोगों द्वारा हरिदेवपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

धर्मांतरण के लिए धन जुटाने में इस्तेमाल किया गया बरेली का मदरसा जांच के दौरान गैर पंजीकृत मिला

बरेली (उप्र): बरेली में कथित धर्मांतरण गिरोह जिस मदरसे के नाम पर आर्थिक मदद ले रहा था वह अवैध निकला और पुलिस की जांच में उसका पंजीकरण नहीं पाया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस को संदेह है कि इसका इस्तेमाल केवल धन जुटाने के लिए किया जाता था। पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अंशिका वर्मा ने कहा कि संस्था एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत थी, लेकिन उसका नवीनीकरण पूरा नहीं हुआ था। उन्होंने कहा, हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि वैध पंजीकरण न होने के बावजूद इसे मदरसे के रूप में कैसे चलाया जा रहा था। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि इसका इस्तेमाल केवल फंडिंग के लिए किया जाता था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मदरसे की इमारत को गिराने की औपचारिकता भी जारी है।

गोरखपुर में मंदिर में आरती के दौरान महिलाओं पर मांस फेंका, आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर (उप्र) : गोरखपुर के पिपराइच इलाके में संकट मोचन हनुमान मंदिर में आरती के दौरान एक व्यक्ति ने महिलाओं पर मांस के टुकड़े फेंके। घटना के बाद लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और पिटाई करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सोमवार की शाम को पिपराइच रेलवे स्टेशन के पास स्थित संकट मोचन मंदिर में आरती के दौरान एक व्यक्ति ने महिलाओं पर मांस के टुकड़े फेंक दिए। महिलाओं के चीखने-चिल्लाने पर अफरा तफरी मच गई। उन्होंने बताया कि मंदिर के बाहर मौजूद स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और उसकी पिटाई की। इसी बीच सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और लोगों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। सूत्रों ने बताया कि आरोपी की पहचान उमेश यादव (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी नशे में लग रहा था। मौके पर पहुंचे चौरी-चौरा पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुराग सिंह ने कहा, ''उमेश अपना बयान बदल रहा है। एक बार उसने दावा किया कि एक स्थानीय मांस विक्रेता ने उसे ऐसा करने के लिए कहा था।'

प्रधानमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी बिहार की महिलाओं के लिए सहकारिता संस्था का उद्घाटन किया

पटना : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सस्ती ब्याज दरों पर धन उपलब्ध कराने के लिए 'बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड' का मंगलवार को डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। मोदी ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संस्था के बैंक खाते में 105 करोड़ रुपये भी हस्तांतरित किए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा तथा राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी पटना से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इस कार्यक्रम में शामिल हुए। मोदी ने कहा कि यह नयी सहकारी संस्था बिहार में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं के उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार ने हमेशा महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम किया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, ''इस सहकारी संस्था की स्थापना का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को किफायती ब्याज दरों पर आसानी से ऋण उपलब्ध कराना है। जीविका के सभी पंजीकृत क्लस्टर-स्तरीय संघ इस संस्था के सदस्य बनेंगे। बिहार सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार भी संस्था के संचालन के लिए धनराशि में योगदान करेगी।'' इसमें कहा गया कि पिछले कुछ वर्षों में जीविका के स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं में उद्यमिता का विकास हुआ है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कई लघु उद्यमों और उत्पादक कंपनियों की स्थापना हुई है। बयान में कहा गया, 'महिला उद्यमियों को हालांकि अक्सर 18 प्रतिशत से 24 प्रतिशत तक की ऊंची ब्याज दरें वसूलने वाले सूक्ष्म वित्त संस्थानों पर निर्भर रहना पड़ता है। जीविका निधि को सूक्ष्म वित्त संस्थानों पर निर्भरता कम करने और कम ब्याज दरों पर समय पर बड़ी ऋण राशि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक वैकल्पिक वित्तीय प्रणाली के रूप में बनाया गया है।'

झांसी में पिता की बात से नाराज होकर बेतवा नदी में कूदे युवक का शव बरामद

झांसी (उप्र) : झांसी जिले के पूंछ थाना क्षेत्र में बेतवा नदी में कूदे एक युवक का शव चार दिन बाद मंगलवार को लगभग दो किलोमीटर दूर बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पूंछ थाना प्रभारी जेपी पाल ने बताया कि क्षेत्र के भदरवारा गांव के निवासी बृजबिहारी का बेटा अनिकेत (21) शुक्रवार सुबह किसी बात पर अपने पिता की डांट से नाराज होकर घर से निकल गया था। उन्होंने बताया कि दोपहर में गांव के कुछ लोगों ने उसे एरच पुल से बेतवा नदी में कूदते देखा और परिवार को सूचना दी। पाल ने बताया कि शुक्रवार शाम से गोताखोरों द्वारा लगातार खोजबीन के बाद एसडीआरएफ की भी मदद ली गई और मंगलवार को युवक का शव एरच पुल से लगभग दो किलोमीटर दूर धमदौली गांव के पास बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए, छात्रों को सम्मानित किया

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को नवनियुक्त पीजीटी (स्नातकोत्तर अध्यापक) शिक्षकों, सहायक प्रोफेसर (गणित और विज्ञान) और प्रयोगशाला सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इसके अलावा सोरेन ने 10वीं और 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया। नियुक्ति पत्र वितरण एवं मेधा पुरस्कार समारोह का आयोजन प्रोजेक्ट भवन में किया गया। मुख्यमंत्री ने जेएटी, सीबीएसई, आईसीएसई और सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस परीक्षाओं के टॉपर्स के साथ-साथ राज्य द्वारा संचालित 'आकांक्षा' कोचिंग कार्यक्रम के सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। प्रत्येक छात्र को एक लैपटॉप, प्रमाण पत्र, मोबाइल फोन और तीन लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारी सरकार झारखंड को देश के सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल कराने के लिए प्रयासरत है। हमने राज्य में शिक्षा क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। हमने छात्रों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाने के लिए उन्हें लैपटॉप, टैबलेट और साइकिल वितरित की हैं।' उन्होंने कहा, 'ने-तरहाट स्कूल की तर्ज पर तीन और स्कूल स्थापित किए जाएंगे। इन स्कूलों में छात्राओं को भी शिक्षा प्रदान की जाएगी।' मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड देश का पहला राज्य है जो गरीब और वंचित छात्रों को विदेश में पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की राजनीति निम्न स्तर पर पहुंच गई है : बेबी रानी मौर्य

लखनऊ (उप्र) : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता और प्रदेश की बाल विकास पुष्टाहार एवं महिला कल्याण मंत्री बेबीरानी मौर्य ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की राजनीति अपने निम्न स्तर पर पहुंच गई है। मौर्य ने मंगलवार भाजपा के राज्य मुख्यालय से जारी एक बयान में कहा, कांग्रेस की तथाकथित वोटर अधिकार यात्रा के दौरान बिहार के दरभंगा में कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल के मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां के बारे में अपशब्द कहा जाना घोर निंदनीय और भर्त्सनीय है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की राजनीति अपने निम्न स्तर पर पहुंच गई है।

'ऑपरेशन कायाकल्प' और 'प्रोजेक्ट अलंकार' ने सरकारी स्कूलों को आधुनिक केंद्र में बदल दिया: यूपी सरकार

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'ऑपरेशन कायाकल्प' और 'प्रोजेक्ट अलंकार' ने राज्य भर के परिषदीय और माध्यमिक विद्यालयों का कायाकल्प करके उन्हें नई पहचान दी है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। वर्ष 2018 में शुरू किए गए 'ऑपरेशन कायाकल्प' का उद्देश्य परिषदीय विद्यालयों को आधुनिक, सुरक्षित और पूरी तरह से सुसज्जित बनाना है। इस अभियान के तहत, स्कूलों में 97 प्रतिशत बुनियादी सुविधाओं का विकास किया गया है। बयान में कहा गया है कि पहले कई स्कूलों में शौचालय, पानी, बिजली और फर्नीचर की कमी थी, लेकिन अब उन्हें फाटक वाली चहारदीवारी, टाइल वाले शौचालय, रंग-बिरंगे परिसर और सौर प्रकाश व्यवस्था वाले आधुनिक संस्थानों में बदल दिया गया है। नीति आयोग ने 'ऑपरेशन कायाकल्प' को पूरे देश के लिए एक आदर्श पहल के रूप में मान्यता दी है। इसी प्रकार, माध्यमिक शिक्षा विभाग ने प्रोजेक्ट अलंकार शुरू किया, जिसके तहत 27 मानकों के आधार पर 2,295 स्कूलों का मानचित्रण किया गया ताकि उनके बुनियादी ढांचे में सुधार हो सके। बयान में कहा गया है कि माध्यमिक शिक्षा को मजबूत करने के लिए इन स्कूलों को स्मार्ट कक्षाओं, कंप्यूटर लैब, वाई-फाई, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और आधुनिक फर्नीचर से सुसज्जित किया गया है। शिक्षा के अलावा, छात्रों को खेल के मैदान, ओपन जिम, बहुउद्देशीय हॉल, कला एवं शिल्प कक्षों और व्यावसायिक प्रशिक्षण सुविधाओं का भी लाभ मिलता है।

उत्तर प्रदेश: वर्ष 2023 में मृत घोषित किए गए व्यक्ति की वृद्धावस्था पेंशन बहाल करने का निर्देश

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में वर्ष 2023 में मृत घोषित किए जाने के कारण वृद्धावस्था पेंशन से वंचित हुए 70 वर्षीय की पेंशन तत्काल बहाल करने का निर्देश दिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट मनीष कुमार वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सोमवार को जनता दर्शन के दौरान लोगों की शिकायतें सुनने के दौरान उनकी नजर 70 वर्षीय सुकुरू नामक व्यक्ति पर पड़ी जिन्हें 2023 में ग्राम पंचायत अधिकारी ने मृत घोषित कर दिया था। उन्होंने कहा, करनपुर गांव के निवासी सुकुरू ने बताया कि उन्हें मृत घोषित करके एक गलत रिपोर्ट आगे भेज दी गई, जिसके कारण उनकी वृद्धावस्था पेंशन बंद हो गई। वर्मा ने कहा, आर्थिक रूप से बेहद कमजोर सुकुरू को पेंशन बंद होने और वृद्धावस्था के कारण जीविकोपार्जन में अत्यधिक परेशानी आ रही थी। हमने मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह को इस प्रकरण की जांच कराने का निर्देश दिया। जांच में पाया गया कि सुकुरू जीवित हैं और उनकी शिकायत सही है। जांच में पाया गया कि तत्कालीन ग्राम पंचायत अधिकारी रंजना यादव ने वृद्धावस्था पेंशन सत्यापन रिपोर्ट में सुकुरू को मृत दर्शाया था जिसके कारण उनकी वृद्धावस्था पेंशन बंद हो गयी थी।

न्यूज अपडेट

डीआरआई ने सोना तस्करी मामले में कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव पर 102 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया

बेंगलुरु : राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने सोने की तस्करी के एक मामले में कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव पर 102 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। डीआरआई सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रान्या राव के साथ ही डीआरआई ने होटल व्यवसायी तरुण कोंडाराजू पर 63 करोड़ रुपये और आभूषण कारोबारियों साहिल सकारिया जैन और भरत कुमार जैन पर 56-56 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। मंगलवार को डीआरआई अधिकारी बेंगलुरु सेंट्रल जेल पहुंचे और उनमें से प्रत्येक को 250-पृष्ठ का नोटिस और 2,500-पृष्ठ का अनुलग्नक सौंपा। डीआरआई के एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, सहायक दस्तावेजों के साथ विस्तृत नोटिस तैयार करना एक कठिन काम था। आज हमने आरोपियों को 11,000 पृष्ठों के दस्तावेज सौंपे। डीआरआई सूत्रों के अनुसार, अभिनेत्री को तीन मार्च को दुबई से आने पर बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 14.8 किलोग्राम सोने के साथ पकड़ा गया था। रान्या राव पुलिस महानिदेशक रैंक के अधिकारी के रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। अभिनेत्री को इस वर्ष जुलाई में सोने की तस्करी के मामले में विदेशी मुद्रा संरक्षण एवं तस्करी रोकथाम अधिनियम के तहत एक वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई थी। डीआरआई सूत्रों ने बताया कि इस अधिनियम से संबंधित मामला मंगलवार को उच्च न्यायालय में आया, जिसने इसे 11 सितंबर के लिए सूचीबद्ध किया।

बिहार कैबिनेट ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मासिक छात्रवृत्ति में 7,000 रुपये की बढ़ोतरी को मंजूरी दी

पटना : बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के मंत्रिमंडल ने मंगलवार को सरकारी मेडिकल व डेंटल कॉलेजों और आयुर्वेदिक, यूनानी व होम्योपैथी संस्थानों के छात्रों के लिए मासिक छात्रवृत्ति राशि में 7,000 रुपये की वृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में राज्य में सात नए मेडिकल कॉलेज खोलने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई। बैठक के बाद, कैबिनेट सचिवालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) अरविंद कुमार चौधरी ने कहा, राज्य के सरकारी मेडिकल, डेंटल, आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथी कॉलेजों में मासिक छात्रवृत्ति राशि में वृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा, अब, मेडिकल और डेंटल कॉलेजों, आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथी कॉलेजों और विदेशी मेडिकल स्नातकों के इंटर्न को 20,000 रुपये से बढ़ाकर 27,000 रुपये मासिक छात्रवृत्ति मिलेगी। फिजियोथेरेपी और एक्यूप्रेशर के प्रशिक्षुओं को मौजूदा 15,000 रुपये की मासिक छात्रवृत्ति के बजाय 20,000 रुपये का मासिक वजीफा मिलेगा। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने किशनगंज, कटिहार, रोहतास, शिवहर, लखीसराय, अरवल और शेखपुरा जिलों में सात नए मेडिकल कॉलेज खोलने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। बिहार विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने हैं।

आउटसोर्स कर्मचारियों को 16 से 20 हजार रुपये मासिक वेतन देने के प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने विभिन्न विभागों और संस्थानों में आउटसोर्स कर्मचारियों को 16,000 से 20,000 रुपये मासिक मानदेय देने के प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल ने आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा शर्तों में सुधार और ऐसी नियुक्तियों में आरक्षण बढ़ाने को भी मंजूरी दी। सरकारी विभागों और संस्थानों के लिए आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाओं का प्रबंधन उत्तर प्रदेश आउटसोर्सिंग सेवा निगम के माध्यम से किया जाता है। उत्तर प्रदेश आउटसोर्सिंग सेवा निगम कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 8 के तहत गठित एक गैर-वित्तीय, गैर-लाभकारी सार्वजनिक कंपनी है। राज्य के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए पत्रकारों को बताया कि आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा शर्तों में सुधार के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि निगम सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल के माध्यम से सेवा प्रदाताओं का चयन करेगा। उन्होंने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों को प्रति माह 26 कार्य दिवसों के लिए नियुक्त किया जाएगा, उन्हें प्रत्येक माह की एक और पांच तारीख के बीच मानदेय मिलेगा और उनकी नियुक्ति अवधि तीन साल की होगी। खन्ना ने कहा कि सेवा के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के खर्च के लिए

गीता का ज्ञान

परशुराम संबल

राजा भोज एक कुशल प्रशासक तो थे ही, वे एक विद्वान व्यक्ति भी थे। उन्हें धर्मग्रन्थों का ज्ञान था। वे दरबार में आये पंडितों व कलाकारों का बड़ा सम्मान करते थे। प्रोत्साहित करने के लिये वे उन्हें सम्मानित और पुरस्कृत करते रहते थे।

एक बार उनके दरबार में गणेशदत्त नाम के ब्राह्मण पधारे। वे कुछ लालची और लोभी प्रवृत्ति के थे। दरबार में पधारने का उनका मुख्य उद्देश्य पुरस्कार रूप में अच्छी खासी धनराशि प्राप्त करना था। उन्होने राजा भोज से कहा - 'राजन्, मैने भागवत् गीता का वर्षो तक निरन्तर गहन अध्ययन और मनन किया है। एक एक श्लोक को अनेक बार पढ़ा और समझा है। मुझे गीता का पूर्ण ज्ञान है। मेरी इच्छा है कि आपको गीता की कथा सुनाऊं तथा उसके गूढ़ अर्थो को स्पष्ट करूं। इसी आशय को लेकर मैं दरबार में उपस्थित हुआ हूं।'

ब्राह्मण की बात सुनकर राजा भोज मुस्कराये। वे ब्राह्मण के कथन को सुनकर उसके पीछे छिपी वास्तविकता को जान गये थे, इसलिये उन्होंने ब्राह्मण से कहा - 'विप्रदेव आप धन्य हैं कि आपने गीता का गहन अध्ययन करके श्रेष्ठ ज्ञान की प्राप्ति की है किन्तु मेरा आपसे निवेदन है कि अभी आप कुछ और समय गीता का अध्ययन करें जिससे आप उसमें पूर्ण रूप से पारंगत हो जायें।'

भरे दरबार में राजा का ऐसा कथन ब्राह्मण देवता को बड़ा अपमानजनक लगा। उनकी विद्वता पर इस तरह आक्रमण करने का सीधा अर्थ था कि उनके गीता का ज्ञान अभी अधकचरा है। उन्होंने राजा की बात पर कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की। बस मन ही मन राजा की अज्ञानता को कोसा और चुपचाप वहां से लौट पड़े लेकिन उनके मन में अर्थ प्राप्ति का लोभ अभी भी पहले की तरह विद्यमान था।

कुछ समय के पश्चात् लोभ की प्रवृत्ति के कारण ब्राह्मण एक दिन फिर दरबार में जा पहुंचे और राजा से बोले - 'महाराज, आपके परामर्शानुसार मैंने गीता का अध्ययन दोबारा किया है। इस बार मैं पूर्ण पारंगत होकर आपके सम्मुख उपस्थित हुआ हूं। आप मुझे उचित समय और स्थान बतायें जहां मैं गीता की कथा आरम्भ करूं'।

राजा भोज गीता ज्ञान के पीछे छिपी हुई ब्राह्मण की लालची नीयत को अच्छी तरह समझ गये थे, इसलिये उन्होंने ब्राह्मण से कहा - 'सच बात तो यह है विप्रदेव कि आपका भागवत् ज्ञान अभी भी पूरा नहीं है। यदि आप अधूरा ज्ञान रहते मुझे कथा सुनाएंगे तो मेरा ज्ञान भी आधा अधूरा ही रहेगा। इसलिए मेरा निवेदन है कि आप गीता का अध्ययन पूरी तरह मन रमा कर करें। ऐसा करने से आपको विषय की पूर्णता प्राप्त होगी। उसके बाद आप मुझे गीता की कथा सुनायें।'

ब्राह्मण गणेशदत्त को भरे दरबार में फिर से अपमान के ज़हर का घूंट पीना पड़ा। भीतर ही भीतर ब्राह्मण देवता में क्रोध उबल रहा था। उनके दिमाग में 'अपमान, घोर अपमान' शब्द बार बार गूंज रहे थे। वे वहां अधिक देर नहीं टिके और राजा को मन ही मन 'मूर्ख' कहकर घर की तरफ चल पड़े। उन्होंने निश्चय कर लिया था कि अब जो भूल हो गई, सो हो गई। आगे से वे कभी भी दरबार में नहीं आयेंगे।

घर पहुंचते उनका क्रोध शान्त हो गया था। शान्त मन से उन्होंने सोचा तो अंतर्मन से आवाज़ आई - 'तुम लोभवश राजदरबार में गये, इसलिए तो तुम्हारा अपमान हुआ।'

ब्राह्मण की समझ में बात आ गई। उन्होंने सोचा कि राजा के स्थान पर अगर भगवान श्री कृष्ण का आसरा लिया होता तो मन यों अशान्त न होता और मन में इस तरह के विकार न पनपते। मन से लोभ और लालच को निकाल फेंकने में ही कल्याण निहित है।

फिर वह राजा के पास नहीं गये और सब कुछ भूलकर पूर्ववत् अपने कार्यों में लग गये।

काफी समय बीत जाने के पश्चात् जब ब्राह्मण राजदरबार में नहीं आये तो एक दिन राजा भोज ने उन्हें बुलाने के लिये अपना दूत भेजा लेकिन ब्राह्मण गणेशदत्त ने दूत को राजदरबार में जाने के लिये मना कर दिया, कहा - '

राजा से कहना कि जिस लोभवश मैं राजदरबार में जाता था, मैंने उसे मार दिया है।

राजा भोज स्वयं ही ब्राह्मण के द्वार पर आये और कहा ''विप्रदेव, श्री भागवत गीता का ज्ञान आपने अब पूरा किया है। तब आप में लोभ समाया हुआ था जिस कारण आप दरबार में आते थे। अब आप लोभ को समाप्त करके निर्लोभी हो गये हैं, इसीलिये मैं आपके स्वयं पास आया हूं।

ब्राह्मण गणेशदत्त ने अपनी भूल पर पश्चाताप् करते हुए इतना ही कहा - 'आप ठीक कहते हैं राजन्।' (उर्वशी)

गरीब की मदद

शहर के एक कोने में राजू नाम का लड़का रहता था। वो मेहनत-मज़दूरी करता था और जो थोड़े-बहुत पैसे कमाता, उससे अपने परिवार का खर्च चलाता था। एक सर्द रात को वो काम से लौट रहा था। रास्ते में उसने देखा कि एक बूढ़ा आदमी सड़क किनारे ठंड से काँप रहा है। उसके पास न गर्म कपड़े थे, न कंबल। राजू का दिल पसीज गया। उसकी जेब में सिर्फ 100 रुपये थे, जो उसने दिनभर की मेहनत से कमाए थे। उसने सोचा, अगर मैं इसे खाना खिला दूँ तो ये बूढ़ा ठंड में मर जाएगा।

राजू बाज़ार गया और अपने सारे पैसे से एक मोटा कंबल खरीदा। वो बूढ़े के पास लौटा और कंबल उसे दे दिया। बूढ़ा बहुत खुश हुआ। उसने कंबल ओढ़ा और कहा, बेटा, तूने मेरी जान बचाई। भगवान तुझे बहुत सुख दे। राजू मुस्कुराया और घर चला गया। उस रात उसे भूखा सोना पड़ा, लेकिन उसे सुकून था कि उसने किसी की मदद की। कुछ दिन बाद गाँव में हलचल हुई। पता चला कि वो बूढ़ा कोई साधारण इंसान नहीं, बल्कि एक अमीर ज़मींदार था। वो अपनी असली हालत देखने के लिए गरीब बनकर घूम रहा था।

ज़मींदार ने राजू को ढूँढा और अपने पास बुलाया। उसने कहा, तूने बिना कुछ जाने मेरी मदद की। अब मैं तेरी मदद करूँगा। उसने राजू को अपने खेतों में नौकरी दे दी। राजू की मेहनत से वो अच्छा पैसा कमाने लगा और अपने परिवार की सारी परेशानियाँ दूर कर दीं। उसने अपने पैसों से अपने छोटे भाई-बहनों को स्कूल भेजा। गाँव वाले उसकी तारीफ करते थे और कहते, राजू ने साबित कर दिया कि अच्छाई कभी बेकार नहीं जाती।

कहानी से सीख

ये कहानी सिखाती है कि दूसरों की मदद करने से जिंदगी में सच्ची खुशी मिलती है।

नरेंद्र देवांगन

चालाक नौकर

ईरान के एक गांव में एक जमींदार रहता था। उसने अपने पास एक आदमी नौकर रखा था। वह बहुत चालाक और होशियार था।

एक दिन जमींदार के खेतों में काम करने वाले कुछ किसान, उसके लिए एक भुना हुआ मुर्गा तथा एक बोतल फलों का रस ले कर आए। जमींदार ने थाली में रखे भुने मुर्गे को कपड़े से ढक नौकर को बुला कर थाली व फलों के रस की बोतल को घर ले जाने को कहा।

जमींदार को पता था कि नौकर बहुत चालाक और शैतान है। कहीं वह रास्ते में मुर्गा चट न कर जाए, इसलिए उसने नौकर को हिदायत दी, 'देखो, इस थाली में कपड़े से जिंदा चिड़िया ढकी हुई है और बोतल में जहर है। खबरदार, रास्ते में इस कपड़े को हटाया वरना चिड़िया उड़ जाएगी। साथ ही बोतल का ढक्कन खोल कर सूंघने की भी कोशिश न करना वरना जहर को सूंघते ही तुम मर जाओगे। जाओ, दोनों चीजों को सावधानी से घर पहुंचा आओ।'

नौकर होशियार था। वह फौरन समझ गया कि मालिक उसे बहका रहे हैं। खेत से थोड़ी दूर जाने के बाद एक सुनसान जगह देख कर वह वहीं बैठ गया। पहले उसने स्वाद ले-ले कर थाली में रखा भुना मुर्गा खाया, फिर बोतल में रखा सारा रस भी पी लिया। उधर दोपहर को जमींदार ने घर पहुंच पत्नी से फटाफट भोजन परोस देने को कहा।

पत्नी ने चूल्हे पर चावल चढ़ा रखे थे, जो अभी पूरी तरह पके नहीं थे, इसलिए बोली, 'अभी खाना तैयार नहीं हुआ है। आपको थोड़ी देर इंतजार करना पड़ेगा।'

'कोई बात नहीं, मैंने जो भुना मुर्गा और रस की बोतल नौकर के हाथ भेजी थी, तुम वही दे दो।' जमींदार ने कहा।

हैरान-परेशान पत्नी ने जब बताया कि नौकर तो यहां आया ही नहीं तो जमींदार गुस्से से आग-बबूला हो उठा। उलटे पांव खेत की तरफ चल दिया।

खेत में पहुंच जमींदार ने देखा कि नौकर मजे से सो रहा है। जमींदार ने उसे जगाते हुए मुर्गे और रस के बारे में पूछा तो नौकर ने बेहद मायूसी के साथ जवाब दिया, 'मालिक, जब मैं घर जा रहा था, तब रास्ते में इतनी जोर की हवा चली कि थाल पर ढका कपड़ा उड़ गया।'

नौकर ने जम्हाई लेते हुए आगे कहा, 'जैसा कि आपने पहले ही कहा था, उसके अंदर ढकी जिंदा चिड़िया यानी मुर्गा उड़ गया। अब मैं घबरा गया कि आप मुझे इसकी कड़ी सजा देंगे, इसलिए मैंने बोतल में रखा सारा जहर पी लिया। अब मैं यहां लेटा-लेटा मौत का इंतजार कर रहा हूं।'

अब जमींदार भला क्या कर सकता था। वह नौकर की चालाकी के आगे अपना सिर पीट कर रह गया। (उर्वशी)

सपनों का पीछा

एक छोटे गाँव में मोहन नाम का लड़का रहता था। उसके माता-पिता गरीब थे और खेतों में मज़दूरी करते थे। मोहन को पढ़ने का बहुत शौक था। वो सोचता, अगर मैं पढ़ लूँ तो अपने परिवार को गरीबी से निकाल सकता हूँ। लेकिन गाँव में स्कूल दूर था और उसके पास किताबें खरीदने के पैसे नहीं थे। फिर भी उसने हार नहीं मानी। वो दिन में खेतों में अपने पिता की मदद करता और रात में लालटेन की रोशनी में पढ़ता। गाँव वाले उसका मज़ाक उड़ाते थे। वो कहते, ये क्या करेगा? गरीब का बेटा बड़ा अफसर नहीं बन सकता।

मोहन उनकी बातें सुनता, लेकिन चुप रहता। उसने अपने स्कूल के मास्टर से किताबें उधार माँगी और रात-दिन मेहनत की। कई बार उसे भूखा रहना पड़ता था, लेकिन वो पढ़ाई नहीं छोड़ता था। सालों की मेहनत के बाद उसने एक बड़ी परीक्षा पास की और शहर में अफसर की नौकरी पा ली। जब वो गाँव लौटा, तो सब हैरान रह गए। उसने अपने पैसों से गाँव में एक स्कूल बनवाया ताकि गाँव के बच्चे भी पढ़ सकें। उसकी माँ ने कहा, बेटा, तूने मेरे सपने सच कर दिए।

मोहन ने गाँव वालों को बुलाया और कहा, सपने बड़े हों या छोटे, मेहनत से सब सच हो सकते हैं। उसकी मेहनत और लगन ने गाँव के कई बच्चों को प्रेरणा दी। आज मोहन एक बड़ा नाम है और उसका गाँव भी तरक्की कर रहा है। उसने अपने परिवार को गरीबी से निकाला और गाँव की तस्वीर बदल दी।

कहानी से सीख

इस कहानी से हमें सीख मिलती है कि मेहनत और हिम्मत से हर सपना सच हो सकता है।

न्यूज इन ब्रीफ

मैं लोगों की सेवा के लिए 30 गुना अधिक संकल्पित हूं: चंद्रबाबू नायडू

अमरावती : पहली बार मुख्यमंत्री बनने के 30 वर्ष पूरे होने पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि वह लोगों की सेवा के लिए अब 30 गुना अधिक संकल्पित हैं। नायडू पहली बार एक सितंबर 1995 को अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। वह 1995 से 2004 तक लगातार मुख्यमंत्री रहे। इसके बाद वह 2014 में फिर से मुख्यमंत्री बने और 2024 में एक बार फिर इस पद पर आए। इस तरह वह अब तक कुल चार बार मुख्यमंत्री बन चुके हैं। इस अवसर पर उन्होंने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''तीस साल बाद, मैं अपने लोगों की सेवा के लिए तीस गुना अधिक संकल्पित हूं। मैं माननीय राज्यपाल अब्दुल नजीर गारु, माननीय उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण गारु और सभी शुभकामनाएं देने वालों के प्रति दिल से आभार व्यक्त करता हूं। नायडू ने कहा, मैं यह उपलब्धि अपने राज्य के लोगों को समर्पित करता हूं, जो इस पूरे सफर में मेरे साथ कदम से कदम मिलाकर चले। एक स्वर्णिम आंध्र प्रदेश के निर्माण में उनके जोश और उत्साह से मुझे लगातार प्रेरणा मिलती रही।''

जम्मू मंडल ने वंदे भारत ट्रेन के 'डिस्प्ले बोर्ड' नीलाम कर 7.8 करोड़ रुपये कमाए

नयी दिल्ली : रेलवे के जम्मू मंडल ने चार वंदे भारत ट्रेन के डिजिटल ''डिस्प्ले बोर्ड'' की नीलामी से पांच वर्ष में 7.8 करोड़ रुपये कमाए हैं। ये ट्रेन दिल्ली-कटरा, अमृतसर-कटरा और कटरा-श्रीनगर जैसे गंतव्यों के बीच प्रतिदिन आठ फेरे लगाती हैं। वंदे भारत ट्रेन के कोच में डिजिटल ''डिस्प्ले बोर्ड'' लगाए गए हैं, जिस पर यात्रियों को ट्रेन की रफ्तार, आने वाले स्टेशन आदि जैसी उपयोगी जानकारी दी जाती है। उत्तर रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, ''एक नीति लागू की गई है जिसके तहत यात्री-केंद्रित जानकारी के साथ-साथ व्यावसायिक विज्ञापन भी दिखाए जाते हैं, ताकि यात्रा को अधिक रोचक बनाया जा सके और रेलवे को किराए से इतर अतिरिक्त आय प्राप्त हो सके। इन वंदे भारत ट्रेन के डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड की नीलामी राजस्व सृजन के साथ-साथ यात्री अनुभव को बेहतर बनाने की नीति के तहत की गई थी। एक सितंबर 2025 को अमृतसर-कटरा के बीच हाल ही में शुरू की गई वंदे भारत ट्रेन के डिजिटल ''डिस्प्ले बोर्ड'' की पांच वर्षों के लिए 1.3 करोड़ रुपये में नीलामी की गई। दिल्ली-कटरा और कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन के डिजिटल ''डिस्प्ले बोर्ड'' की नीलामी चार महीने पहले पांच साल के लिए की गई थी, जिससे कुल 6.5 करोड़ की आय हुई।

वैष्णो देवी यात्रा आठवें दिन भी स्थगित, कटरा में फिर से बारिश

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित श्री माता वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा मंगलवार को लगातार आठवें दिन भी स्थगित रही, जिससे कटरा आधार शिविर और गुफा मंदिर तक का मार्ग पूरी तरह सूना दिखाई दिया। अधिकारियों ने बताया कि त्रिकुटा पहाड़ियों और कटरा में मंगलवार को फिर से बारिश हुई। उनके अनुसार, खराब मौसम को देखते हुए एहतियातन यात्रा को स्थगित रखा गया है, और सभी मार्गों को आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। हालांकि मार्ग की आवश्यक मरम्मत पूरी कर ली गई है, लेकिन यात्रा को फिर से शुरू करने का निर्णय मौसम में सुधार और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। कटरा के स्थानीय व्यापारी अरविंद कुमार ने कहा, यात्रा के स्थगित होने से आधार शिविर और आसपास के इलाके वीरान हो गए हैं। होटल खाली पड़े हैं, रेस्टोरेंट में कोई ग्राहक नहीं है और परिवहन सेवा भी ठप पड़ी है। अगस्त 2023 और 2024 में क्रमशः 7,10,914 और 7,48,030 तीर्थयात्रियों ने माता वैष्णोदेवी के दर्शन किए थे, लेकिन इस वर्ष 26 अगस्त को बादल फटने की घटना के चलते उनकी संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई। गत जुलाई में 6,77,652 श्रद्धालु गुफा मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे थे। अधिकारियों ने बताया कि रियासी जिला प्रशासन और श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं, और मार्ग तथा सड़कों की मरम्मत का कार्य जारी है।

राष्ट्रपति को विधेयक भेजे जाने के मामले में केवल संविधान के प्रावधानों की व्याख्या करेंगे : न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि न्यायिक समीक्षा का अधिकार संविधान की मूल संरचना का अभिन्न हिस्सा है और न्यायालय संविधान संबंधी प्रश्नों का उत्तर देने से इनकार नहीं कर सकते, भले ही विवाद राजनीतिक प्रकृति का क्यों न हो। शीर्ष अदालत ने, हालांकि कहा कि वह राष्ट्रपति के संदर्भ पर विचार करते वक्त केवल संविधान की व्याख्या करेगी। राष्ट्रपति के संदर्भ में यह पूछा गया है कि क्या न्यायालय राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों से निपटने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समयसीमा निर्धारित कर सकता है। राष्ट्रपति के संदर्भ पर छठे दिन सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष केंद्र की उस दलील का विरोध किया, जिसमें इसने कहा था कि राज्यपालों एवं राष्ट्रपति के फैसलों की न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, ''केंद्र ने दलील दी कि किसी भी न्यायिक हस्तक्षेप से संवैधानिक संतुलन अस्थिर हो जाएगा और यह शक्तियों के पृथक्करण की अवधारणा के विपरीत होगा।'' 'मिनर्वा मिल्स' फैसले का हवाला देते हुए पीठ ने कहा, ''इस फैसले में इस बात पर जोर दिया गया है कि न्यायिक समीक्षा मूल ढांचे का हिस्सा है... विवाद राजनीतिक प्रकृति का हो सकता है, लेकिन जब तक यह एक संवैधानिक प्रश्न उठाता है, अदालत इसका जवाब देने से इनकार नहीं कर सकती।'' संविधान पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं। संविधान पीठ ने पूछा, ''सवाल है कि क्या संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए सामान्यतया समयावधि निर्धारित की जा सकती है?'' संविधान का अनुच्छेद 142 शीर्ष अदालत को अपने समक्ष किसी भी मामले में पूर्ण न्याय प्राप्त करने के लिए आवश्यक कोई भी आदेश पारित करने की असाधारण शक्ति प्रदान करता है, भले ही इसमें मौजूदा कानूनों को रद्द करना या उनकी खामियों को पाटना शामिल हो। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सिंघवी द्वारा आंध्र प्रदेश सहित राज्य-विशिष्ट उदाहरणों पर भरोसा करने पर आपत्ति जताई।

घबराने की जरूरत नहीं है, सरकार चौबीसों घंटे नजर बनाये हुए है: रेखा गुप्ता ने यमुना जलस्तर पर कहा

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को शहर में बाढ़ की तैयारियों का जायजा लिया और लोगों को आश्वस्त किया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि, उफनती यमुना का पानी नदी तट से सटे निचले इलाकों में घुस गया है, जिससे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। हिमालय में लगातार बारिश के बाद वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण इस वर्ष पहली बार दिल्ली में नदी निकासी के स्तर को पार कर गई। गुप्ता ने यमुना के जलस्तर और प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लेने के लिए गीता कॉलोनी फ्लाईओवर और पुराने लोहे के पुल के पास बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने राहत शिविरों में रह रहे परिवारों से मुलाकात की, उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार चौबीसों घंटे निगरानी बनाए हुए है और संबंधित विभाग इसके प्रभाव को कम करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। गुप्ता ने प्रभावित इलाकों में काफी समय बिताया और अधिकारियों ने उन्हें विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने राहत कार्यों में लगे अधिकारियों को स्वच्छ पेयजल, भोजन, चिकित्सा सहायता और सुरक्षित आवास जैसी आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में रहने वालों की सुरक्षा और खुशहाली उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बीआरएस ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए विधान परिषद सदस्य के. कविता को निलंबित किया

हैदराबाद : भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने विधान परिषद सदस्य के. कविता को कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण मंगलवार को पार्टी से निलंबित कर दिया। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब एक दिन पहले ही कविता ने अपने चचेरे भाइयों एवं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं टी हरीश राव और जे संतोष कुमार पर कालेश्वरम परियोजना को लेकर अपने पिता के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की छवि खराब करने का आरोप लगाकर पार्टी में तूफान खड़ा कर दिया था। पार्टी महासचिव टी. रवींद्र राव और एक अन्य महासचिव (अनुशासनात्मक मामलों के प्रभारी) सोमा भरत कुमार ने मीडिया में जारी एक बयान में बताया कि कविता के पिता एवं बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने उन्हें (कविता को) तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है। इसमें कहा गया कि कविता का हालिया व्यवहार और उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियां बीआरएस को नुकसान पहुंचा रही हैं तथा पार्टी नेतृत्व ने इसे गंभीरता से लिया है।

मेघालय: भारत और थाईलैंड के सैनिकों ने संयुक्त आतंकवाद-रोधी अभ्यास शुरू किया

उमरोई : भारत और थाईलैंड के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री-एक्सआईवी का 14वां संस्करण मंगलावर को यहां उमरोई स्थित 'जॉइंट ट्रेनिंग नोड' (जेटीएन) में शुरू हुआ। भारतीय सेना की टुकड़ी में 120 सैन्य कर्मी शामिल हैं, जिसका प्रतिनिधित्व मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन कर रही है। वहीं रॉयल थाई आर्मी की 53 कर्मियों वाली टुकड़ी का प्रतिनिधित्व प्रथम इन्फैंट्री बटालियन, 14वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड द्वारा किया जा रहा है। एक से 14 सितंबर तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य भारतीय सेना और रॉयल थाई सेना के बीच सहयोग, संयुक्त सहभागिता और आपसी समझ को विस्तार देना है। इससे पहले इस अभ्यास का 13वां संस्करण थाईलैंड के टाक प्रांत के फोर्ट वाचिराप्राकन में आयोजित किया गया। दोनों देशों के बीच होने वाला यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय सात के अंतर्गत अर्ध-शहरी इलाकों में कंपनी स्तर के आतंकवाद-रोधी अभियानों पर केंद्रित होगा। दो सप्ताह के इस आयोजन में सामरिक अभ्यास, संयुक्त कार्य योजना, विशेष हथियार कौशल, शारीरिक क्षमता निर्माण और छापामार कार्रवाई शामिल हैं। यह अभ्यास 48 घंटे के प्रमाणीकरण अभ्यास के साथ समाप्त होगा, जिसमें यथार्थवादी अभियानगत परिदृश्यों का अनुकरण किया जाएगा।

वोंग की यात्रा के दौरान पांच समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे भारत, सिंगापुर

नयी दिल्ली : सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की मंगलवार से शुरू हो रही नयी दिल्ली की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान भारत और सिंगापुर के बीच नौवहन, नागरिक उड्डयन और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री के रूप में वोंग की पहली भारत यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की संभावनाएं तलाशना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वोंग बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र में एक कंटेनर टर्मिनल का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन करेंगे। 'पोर्ट ऑफ सिंगापुर अथॉरिटी' (पीएसए इंटरनेशनल) ने इस परियोजना में एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है। दोनों नेताओं द्वारा व्यापक बातचीत के बाद बंदरगाह परियोजना को समर्पित किये जाने की उम्मीद है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सिंगापुर भारत में निवेश का एक प्रमुख स्रोत है, जिसका 2014 से संचयी निवेश 175 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, जिसमें कोविड-19 के बाद की अवधि में 60 अरब अमेरिकी डॉलर शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को वोंग की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा, ''सिंगापुर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार है, जिसमें हमारी 'एक्ट ईस्ट' नीति भी शामिल है।'' उसने कहा कि भारत-सिंगापुर राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही वोंग की यात्रा दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की निरंतर प्रतिबद्धता की ''पुष्टि'' करती है। उसने कहा, ''यह यात्रा दोनों प्रधानमंत्रियों को हमारे मजबूत और बहुआयामी सहयोग की समीक्षा करने और भविष्य के सहयोग का मार्ग निर्धारित करने का अवसर प्रदान करेगी।''

पंजाब: बलात्कार मामले में आरोपी आप विधायक गोलियों की बौछार की आड़ में पुलिस हिरासत से बच निकले

पटियाला : आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा को मंगलवार को उनके खिलाफ बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन वह अपने समर्थकों की ओर से की गई कथित गोलीबारी और पथराव की आड़ में पुलिस हिरासत से बच निकले। पुलिस ने यह जानकारी दी। पठानमाजरा हरियाणा के करनाल जिले के डाबरी गांव में थे जहां पुलिस दल उन्हें गिरफ्तार करने पहुंचा था। पटियाला अपराध जांच एजेंसी (सीआईए) के प्रभारी ने कहा, ''हमने हरियाणा में पठानमाजरा के आवास पर छापा मारा। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन ग्रामीणों के एक समूह और कुछ शरारती तत्वों ने पुलिस टीम पर पथराव किया और गोलियां चलाईं।'' उन्होंने बताया कि सनौर के विधायक पठानमाजरा गोलियों और पथराव की आड़ में बच निकले। अधिकारी ने बताया कि विधायक के साथी बलविंदर सिंह को तीन हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि उसके पास से एक टोयोटा फॉर्च्यूनर भी जब्त की गई है। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार पठानमाजरा पर बलात्कार, धोखाधड़ी और आपराधिक रूप से डराने धमकाने के आरोप दर्ज किए गए हैं।

सजा में छूट न केवल संवैधानिक, बल्कि वैधानिक अधिकार भी है: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने नाबालिगों से सामूहिक बलात्कार के मामलों में शेष जीवन के लिये आजीवन कारावास की सजा पाए दोषियों के सजा में छूट मांगने के अधिकार को मंगलवार को रेखांकित करते हुए कहा कि यह न केवल संवैधानिक, बल्कि वैधानिक अधिकार भी है। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ तत्कालीन भारतीय दंड संहिता की धारा 376डीए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। धारा 376डीए 16 वर्ष से कम उम्र की नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की सजा से संबंधित है। मामले में पक्षकार बनाए जाने का अनुरोध कर रहे एक याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि धारा 376डीए के अनुसार सत्र अदालत के पास आजीवन कारावास देने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है, जिसका अर्थ है कि उस व्यक्ति के शेष जीवन के लिए जेल की सजा। पीठ ने दो पहलुओं पर गौर किया, जिनमें से पहला प्रावधान के तहत निर्धारित दंड पर था, जिसे सत्र अदालत में मुकदमा चलाए जाने के बाद लागू किया जाना था और जिसे उच्च न्यायालय तथा उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। पीठ ने कहा, मामले का दूसरा पहलू यह है कि यदि किसी दोषी को ऐसी सजा दी भी जाती है, तो उसे भारत के संविधान के अनुच्छेद 72 या अनुच्छेद 161 के अनुसार राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के समक्ष सजा माफी के लिए आवेदन करके सजा में छूट मांगने का अधिकार है।

उत्तराखंड में बारिश का कहर जारी, चारधाम यात्रा स्थगित, नदियां उफान पर

देहरादून : उत्तराखंड में मंगलवार को भी मूसलाधार बारिश का सिलसिला जारी रहा, जिससे राज्य के विभिन्न हिस्सों में जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने देहरादून, चंपावत, नैनीताल और ऊधम सिंह नगर जिलों में तीव्रत से अति तीव्र स्तर की वर्षा होने की चेतावनी जारी की है। इन जिलों में पिछले कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है। राज्य में अधिकांश नदियां उफान पर हैं। गंगा और उसकी सहायक नदियां जैसे मंदाकिनी और अलकनंदा समेत कई नदियों का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर चला गया है। देहरादून समेत विभिन्न जिलों में पहली से 12वीं कक्षा तक के स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र मंगलवार को बंद रखे गए। चारधाम यात्रा को भी पांच सितंबर तक स्थगित कर दिया गया है, क्योंकि आगामी दिनों में भी इसी तरह का मौसम रहने का पूर्वानुमान जताया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे में नैनीताल जिले में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई। जिले के हल्द्वानी में 116.6 मिलीमीटर, छोरगलिया में 118 मिलीमीटर, नैनीताल शहर में 114 मिलीमीटर, मुक्तेश्वर में 98.4 मिलीमीटर, ऊधम सिंह नगर के खटीमा में 92.5 मिलीमीटर, बेतालघाट में 85 मिलीमीटर, मुनस्यारी में 82.4 मिलीमीटर और पिथौरागढ़ में 74.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

भारत ने भारी बारिश के बीच सतलुज नदी में बाढ़ आने को लेकर पाकिस्तान को चेताया: सूत्र

नयी दिल्ली : भारत ने सतलुज नदी में बुधवार को बाढ़ आने की 'अधिक आशंका' को लेकर पाकिस्तान को आगाह किया है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उत्तरी राज्यों में लगातार बारिश के कारण प्रमुख बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़ना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि ये अलर्ट 'मानवीय आधार' पर विदेश मंत्रालय के माध्यम से इस्लामाबाद को भेजे गए हैं। भारत ने पिछले सप्ताह तवी नदी में संभावित बाढ़ के लिए तीन अलर्ट जारी किए थे। सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को जारी की गई चेतावनी बुधवार को सतलुज नदी में आने वाली संभावित बाढ़ को लेकर थी। पंजाब में सतलुज, व्यास और रावी नदियां और छोटी मौसमी नदियां अपने जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण उफान पर हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे, के मारे जाने के बाद भारत ने सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के साथ जल विज्ञान संबंधी आंकड़ों के नियमित आदान-प्रदान को स्थगित कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि निलंबन के बावजूद, जान-माल की हानि को रोकने के लिए विशुद्ध रूप से मानवीय आधार पर पाकिस्तान को बाढ़ की ताजा चेतावनी से अवगत कराया गया।

भारत और अमेरिका की कंपनियों के बीच हुआ समझौता, देश में आएगी परमाणु शीतलक पंप तकनीक

नयी दिल्ली : अमेरिका की फ्लोसर्व कॉरपोरेशन और भारत की कोर एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत 'प्राइमरी कूलेंट पंप' (मुख्य शीतलक पंप) तकनीक भारत लाई जाएगी। इस समझौते से भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को नयी गति मिलने की उम्मीद है। इस मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने यह जानकारी दी है। यह समझौता वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी ऊर्जा विभाग और भारतीय दूतावास के अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इसे अमेरिकी ऊर्जा विभाग और भारतीय परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) दोनों की मंजूरी प्राप्त है। कोर एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नागेश बसरकर ने 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में कहा, ''हमने 2047 तक 100 गीगावाट की परमाणु क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जबकि अभी हम लगभग 8.2 गीगावाट के आसपास हैं।'' उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण बात आपूर्ति शृंखला होती है, जिसमें सबसे आवश्यक उपकरण रिएक्टर होता है और उसके बाद प्राइमरी कूलेंट पंप। बसरकर ने बताया कि भारत में इस तकनीक को बनाने वाले विक्रेताओं की संख्या बेहद सीमित है। उन्होंने कहा, ''देश में केवल एक ही विक्रेता है जो यह पंप बनाता है। ऐसे में इस क्षेत्र में विश्व की अग्रणी कंपनी फ्लोसर्व के साथ यह समझौता करना बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है।'' उन्होंने बताया कि इस तकनीक को भारत में लाने में कई भूराजनीतिक और कानूनी अड़चनें थीं। यह पहली बार है जब भारत-अमेरिका सहयोग के तहत इतनी अहम तकनीक का हस्तांतरण संभव हो पाया है। भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग ने नवंबर 2024 में कोर एनर्जी को फ्लोसर्व के साथ साझेदारी की अनुमति दी थी और अमेरिका को आश्वस्त किया था कि यह तकनीक केवल शांतिपूर्ण नागरिक परमाणु उद्देश्यों के लिए ही इस्तेमाल की जाएगी।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण जनजीवन ठप

शिमला : हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। वर्षा के चलते रेल सेवा स्थगित कर दी गई, छह राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 1,311 सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गईं और स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी गई। स्थानीय मौसम विभाग ने आज के लिए राज्य के कुछ इलाकों में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी देते हुए 'रेड अलर्ट' जारी किया है और अगले दिन भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी देते हुए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। राज्य के मंडी में 289 सड़कें, शिमला में 241, चंबा में 239, कुल्लू में 169 और सिरमौर जिले में 127 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 3 (मंडी-धरमपुर रोड), एनएच 305 (औट-सैंज), एनएच 5 (ओल्ड हिंदुस्तान-तिब्बत रोड), एनएच 21 (चंडीगढ़-मनाली रोड), एनएच 505 (खाब से ग्रामफू रोड) और एनएच 707 (हाटकोटी से पोंटा) अवरुद्ध हो गए हैं। शिमला-कालका राष्ट्रीय राजमार्ग 5 सोलन जिले के सनवारा में भूस्खलन के बाद अवरुद्ध हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में वाहन फंसे हैं। यह राजमार्ग हिंदुस्तान-तिब्बत मार्ग के नाम से भी जाना जाता है। धरमपुर-कसौली सड़क भी अवरुद्ध होने का खतरा है। आंतरिक क्षेत्रों में स्थिति और भी खराब है, जहां सड़कें कई दिनों से अवरुद्ध हैं। सेब उत्पादक अपनी फसल को बाजारों तक भेजने में असमर्थ हैं।

सरकारी समिति ने नौ तरह की चिकित्सा स्थितियों को दिव्यांगता सूची में शामिल करने से इनकार किया

नयी दिल्ली : सरकार की एक उच्चस्तरीय अंतर-विभागीय समिति ने दिव्यांगजन अधिकार (आरपीडब्ल्यूडी) अधिनियम के तहत निर्दिष्ट दिव्यांगता की सूची में अस्थमा, मिर्गी और एक कान का बहरापन सहित नौ नई चिकित्सा स्थितियों को शामिल करने के प्रस्तावों को खारिज कर दिया है। नौ स्थितियां पामोप्लांटार केराटोडर्मा (त्वचा विकार), एक कान का बहरापन, मिर्गी, फैक्टर-13 की कमी (इसकी कमी से अप्रत्याशित रक्त स्राव होता है), इचथियोसिस (त्वचा रोग है जिसमें त्वचा मोटी, सूखी, पपड़ीदार और कठोर हो जाती है), अस्थमा, लेरिंजेक्टोमी(स्वर यंत्र निकाले जाने की स्थिति), महत्वपूर्ण अंग खराब होने और ऑस्टोमी को सूची में शामिल करने का प्रस्ताव किया गया था।

सरकार ने बोर्ड परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले 1490 एसटी/एससी छात्रों को सम्मानित किया

नयी दिल्ली : केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 2021-22 और 2022-23 में 29 राज्य और केंद्रीय बोर्ड द्वारा आयोजित 10वीं और 12वीं परीक्षाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले 1,490 अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) छात्रों को सम्मानित किया। डॉ. आंबेडकर राष्ट्रीय योग्यता पुरस्कार समारोह 2025 यहां केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस पुरस्कार की स्थापना डॉ. आंबेडकर फाउंडेशन द्वारा की गई थी। डॉ. आंबेडकर फाउंडेशन के अध्यक्ष कुमार ने छात्रों की उपलब्धियों की सराहना की और रेखांकित किया कि शिक्षा बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के सामाजिक परिवर्तन के दृष्टिकोण का केंद्र बिंदु है। कुमार ने कहा, ''बाबासाहेब ने उत्पीड़ित समुदायों को ज्ञान के माध्यम से आगे बढ़ने की शक्ति दी। सरकार छात्रवृत्ति, फेलोशिप और लक्षित कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य वंचित समूहों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।'' शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए, 10वीं के 367 और 12वीं के 563 छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें 71 टॉपर शामिल थे। शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लए 10वीं कक्षा के 198 और 12वीं कक्षा के 362 छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें 46 टॉपर हैं। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को प्रथम स्थान के लिए 60,000 रुपये, द्वितीय स्थान के लिए 50,000 रुपये और तृतीय स्थान के लिए 40,000 रुपये की एकमुश्त नकद राशि प्रदान की गई। सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को 60,000 रुपये का विशेष पुरस्कार भी दिया गया, क्योंकि शीर्ष तीन में कोई भी छात्रा शामिल नहीं थी।

भारत ने तांबे पर 50 प्रतिशत शुल्क को लेकर अमेरिका से डब्ल्यूटीओ-परामर्श की मांग की

नयी दिल्ली: भारत ने मंगलवार को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के रक्षोपाय समझौते के तहत अमेरिका द्वारा कुछ तांबे के उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क को लेकर अमेरिका से परामर्श की मांग की। यह कदम भारत द्वारा इस्पात, एल्युमीनियम और वाहन कलपुर्जों पर अमेरिकी शुल्क के जवाब में चुनिंदा अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखने के बाद उठाया गया है। इस साल 30 जुलाई को अमेरिका ने कुछ तांबे के उत्पादों के सभी आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने का उपाय अपनाया था। यह उपाय इस साल एक अगस्त से और असीमित अवधि के लिए लागू है। डब्ल्यूटीओ के एक पत्र में कहा गया, 'भारत का मानना है कि यह उपाय, हालांकि सुरक्षा हितों के लिए उठाए जाने का दावा किया गया है, वास्तव में एक रक्षोपाय (सेफगार्ड) है।' यह पत्र भारतीय प्रतिनिधिमंडल के अनुरोध पर प्रसारित किया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका ने सुरक्षा उपाय लागू करने के निर्णय के बारे में विश्व व्यापार संगठन की सुरक्षा समिति को सूचित नहीं किया गया। इसमें कहा गया कि 'तदनुसार, संबंधित उत्पादों में अमेरिका के महत्वपूर्ण निर्यात हित वाले एक प्रभावित सदस्य के रूप में, भारत अमेरिका के साथ परामर्श का अनुरोध करता है।'

भारत सेमीकॉन मिशन अगले चरण में, डीएलआई योजना पर सुधार जारी: मोदी

अशांत वैश्विक समय में भारत 'स्थिरता एवं वृद्धि का प्रकाश स्तंभ' : वैष्णव

नयी दिल्ली: केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को अशांत वैश्विक समय के बीच भारत को 'स्थिरता एवं वृद्धि का प्रकाश स्तंभ' बताया और वैश्विक उद्योग जगत के लोगों से देश के तेजी से बढ़ते सेमीकंडक्टर परिवेश में निवेश करने का आग्रह किया। सेमीकॉन इंडिया 2025 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री वैष्णव ने भारत सेमीकंडक्टर मिशन के शुभारंभ के बाद से साढ़े तीन वर्ष में भारत द्वारा की गई महत्वपूर्ण प्रगति का उल्लेख किया। मंत्री ने कहा, 'साढ़े तीन साल की छोटी सी अवधि में दुनिया भारत की ओर विश्वास से देख रही है। आज पांच सेमीकंडक्टर इकाइयों का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। एक इकाई की शुरुआती लाइन पूरी हो चुकी है... कुछ ही महीनों में दो और इकाइयां उत्पादन शुरू कर देंगी।' उन्होंने कहा, 'हम अभूतपूर्व समय में जी रहे हैं। वैश्विक नीतिगत उथल-पुथल ने भारी अनिश्चितता उत्पन्न कर दी है। इस अशांत समय में भारत स्थिरता एवं वृद्धि के प्रकाश स्तंभ के रूप में खड़ा है।' वैश्विक निवेशकों से भारत में निवेश करने का आग्रह करते हुए वैष्णव ने देश के स्थिर नीतिगत माहौल एवं सेमीकंडक्टर मिशन के पारदर्शी प्रबंधन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में देश का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन छह गुना और निर्यात आठ गुना बढ़ा है।

नयी दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 18 अरब डॉलर से अधिक की 10 सेमीकंडक्टर परियोजनाएं जारी हैं और देश अब 'भारत सेमीकंडक्टर मिशन' के अगले चरण की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने साथ ही कहा कि 1,000 अरब डॉलर के वैश्विक चिप बाजार का दोहन करने के लिए उसको (चिप) तैयार करने से जुड़ी प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के अगले चरण पर सरकार काम कर रही है। मोदी ने कहा, '' वह दिन दूर नहीं जब भारत में बनी सबसे छोटी चिप दुनिया में सबसे बड़ा बदलाव लाएगी। वह दिन दूर नहीं जब दुनिया कहेगी 'भारत में तैयार, भारत में निर्मित, दुनिया के लिए विश्वसनीय'।' सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन के अवसर पर मोदी ने यह बात कही। इसमें दुनिया भर से करीब 50 देशों के सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विशेषज्ञों ने शिरकत की। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की नवाचार और युवा शक्ति भी इस कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से मौजूद है। उन्होंने कहा कि यह अनूठा संयोजन एक स्पष्ट संदेश देता है,' दुनिया, भारत पर भरोसा करती है। दुनिया, भारत में विश्वास करती है और दुनिया, भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर की दुनिया में अक्सर कहा जाता है कि 'तेल काला सोना था लेकिन चिप डिजिटल हीरा है।' उन्होंने कहा कि जहां तेल ने पिछली सदी को आकार दिया, वहीं 21वीं सदी की शक्ति अब छोटी चिप में केंद्रित है। आकार में छोटा होने के बावजूद इन चिप में वैश्विक प्रगति को तेजी से बढ़ाने की क्षमता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार पहले ही 600 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है और आने वाले वर्ष में इसके 1,000 अरब डॉलर को पार करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ' सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत जिस गति से आगे बढ़ रहा है उसे देखते हुए इस 1,000 अरब अमेरिकी डॉलर के बाजार में भारत की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी होगी।' निवेशकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत खुले दिल से उनका स्वागत करने को इच्छुक है। मोदी ने कहा, 'डिजाइन तैयार है। मास्क तैयार है। अब सटीक क्रियान्वयन और बड़े पैमाने पर आपूर्ति का समय है।' उन्होंने कहा कि भारत की नीतियां अल्पकालिक संकेत नहीं बल्कि दीर्घकालिक प्रतिबद्धताएं हैं। मोदी ने आश्वासन दिया कि प्रत्येक निवेशक की जरूरतें पूरी की जाएंगी। प्रधानमंत्री ने 2021 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के आरंभ का उल्लेख करते हुए कहा कि 2023 तक देश का पहला सेमीकंडक्टर संयंत्र स्वीकृत किया गया था। 2024 में कई और संयंत्रों को मंजूरी मिली और 2025 में पांच अतिरिक्त परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। मोदी ने कहा, 'कुल मिलाकर 10 सेमीकंडक्टर परियोजनाएं अभी जारी हैं, जिनमें 18 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश शामिल है।

न्यूज अपडेट

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत का सिलसिला जारी: गोयल

नयी दिल्ली: अमेरिका के साथ शुल्क दरों को लेकर पैदा हुए विवाद के बीच वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत की अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत जारी है। गोयल ने कहा कि भारत अबतक ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), मॉरीशस, ब्रिटेन और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के चार देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) कर चुका है। गोयल ने यहां उद्योग मंडल के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, बहुत कुछ हुआ है, बहुत कुछ करना बाकी है... अमेरिका के साथ हम बीटीए पर बातचीत कर रहे हैं। उनका यह बयान अमेरिका की तरफ से भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने से उपजे विवाद को देखते हुए अहम है। इस विवाद के बीच अमेरिका ने व्यापार समझौते पर छठे दौर की वार्ता के लिए 25 अगस्त से प्रस्तावित अपना भारतीय दौरा भी स्थगित कर दिया। अब तक छठे दौर के लिए नयी तारीख तय नहीं हुई है। इस व्यापार समझौते को लेकर मार्च से शुरू हुई वार्ता की पांच दौर की बैठकें पूरी हो चुकी हैं। इस बीच, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि भारत और अमेरिका आखिरकार इस मुद्दे का हल निकाल लेंगे।

टाटा कैपिटल 17,200 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए तैयार, 30 सितंबर तक होगी सूचीबद्ध

नयी दिल्ली: टाटा कैपिटल ने अपने बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के पहले प्रमुख वैश्विक वित्तीय केंद्रों में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं। कंपनी का दो अरब डॉलर (करीब 17,200 करोड़ रुपये) का आईपीओ 22 सितंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में आएगा। मामले से परिचित सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि टाटा कैपिटल का निर्गम 30 सितंबर तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है और इसके वर्ष 2025 का सबसे बड़ा आईपीओ होने की संभावना है। टाटा समूह की कंपनी ने आईपीओ को लेकर निवेशकों को जागरूक करने के लिए अगस्त से हांगकांग, सिंगापुर, लंदन, न्यूयॉर्क और भारत के प्रमुख शहरों में कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें वैश्विक एवं घरेलू संस्थागत निवेशकों की मजबूत भागीदारी देखने को मिली। सूत्रों के मुताबिक, सफल निवेशक संपर्क से कंपनी का मूल्यांकन 18 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि अप्रैल में गोपनीय माध्यम से आईपीओ दस्तावेज दाखिल करते समय यह मूल्यांकन 11 अरब डॉलर था।

बैंक, वाहन शेयरों में मुनाफावसूली से सेंसेक्स 207 अंक टूटा, निफ्टी भी नुकसान में

मुंबई: स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआती तेजी कायम नहीं रह पायी और जीएसटी परिषद की बैठक से पहले बैंक और वाहन शेयरों में कारोबार के अंतिम घंटे में मुनाफावसूली से बीएसई सेंसेक्स 207 अंक के नुकसान में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 45 अंक टूट गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 206.61 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,157.88 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक तेजी के साथ खुला और दोपहर तक बढ़त के साथ कारोबार करता रहा। हालांकि, कारोबार के अंत में मुनाफावसूली के कारण यह दिन के उच्चतम स्तर 80,761.14 अंक से 752.64 अंक नीचे आ गया। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में 16 नुकसान में जबकि 14 लाभ में रहे। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 45.45 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,579.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 24,756.10 अंक तक गया और नीचे में 24,522.35 अंक तक आया। सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं।

इंडियन ऑयल के निदेशक अरविंद कुमार को स्कोप एमिनेंस पुरस्कार

नयी दिल्ली: इंडियन ऑयल के निदेशक (रिफाइनरी) अरविंद कुमार को वर्ष 2022-23 के दौरान व्यक्तिगत नेतृत्व उत्कृष्टता के लिए 'स्कोप एमिनेंस' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, कुमार को 'स्कोप एमिनेंस' पुरस्कार (मिनीरत्न श्रेणी-ख एवं खख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों) से सम्मानित किया गया। उनके पास निदेशक (पाइपलाइंस) का अतिरिक्त प्रभार भी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अरविंद कुमार को चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्प लि. (सीपीसीएल) के प्रबंध निदेशक के कार्यकाल के दौरान उत्कृष्ट निष्पादन और नेतृत्व को लेकर यह पुरस्कार प्रदान किया है। आईओसी ने कहा कि इंडियन ऑयल रिफाइनरीज मुख्यालय में महाप्रबंधक (तकनीकी) मामोनी बसुमतारी को भी उत्कृष्ट महिला नेतृत्व के लिए स्कोप अवॉर्ड प्रदान किया गया। कुमार के कुशल नेतृत्व में सीपी-सीएल ने अभूतपूर्व संचालन एवं वित्तीय उपलब्धियां हासिल करते हुए 'शेड्यूल-ए' का दर्जा प्राप्त किया। कुमार के पास 35 साल से अधिक का अनुभव है। उन्होंने मेगा रिफाइनिंग और पेट्रोरसायन परियोजनाओं के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वित्त मंत्रालय नौ अक्टूबर से शुरू करेगा बजट तैयार करने की प्रक्रिया

नयी दिल्ली: वित्त मंत्रालय नौ अक्टूबर से 2026-27 के लिए बजट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं और भारतीय सामान पर 50 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क के बीच बजट की तैयारी शुरू होने जा रही है। अगले वर्ष के बजट में मांग बढ़ाने, रोजगार सृजन और अर्थव्यवस्था को आठ प्रतिशत से अधिक की सतत वृद्धि दर पर लाने के लिए मुद्दों पर ध्यान देना होगा। सरकार का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.3 से 6.8 प्रतिशत के बीच रहेगी। आर्थिक मामलों के विभाग के बजट परिपत्र (2026-27) के अनुसार, 'सचिव (व्यय) की अध्यक्षता में बजट-पूर्व बैठकें नौ अक्टूबर, 2025 से शुरू होंगी।'' परिपत्र में कहा गया, ''वित्तीय सलाहकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परिशिष्ट ख से तखख में आवश्यक विवरण तीन अक्टूबर, 2025 से पहले या उससे पहले ठीक से दर्ज किए जाएं। निर्दिष्ट प्रारूपों में आंकड़ों की 'हार्ड कॉपी' सत्यापन के लिए जमा की जानी चाहिए।'' वित्त वर्ष 2026-27 के बजट अनुमानों को बजट-पूर्व बैठकों के पूरा होने के बाद अस्थायी तौर पर अंतिम रूप दिया जाएगा और संशोधित अनुमान (आरई) बैठकें नवंबर, 2025 के मध्य तक जारी रहेंगी। परिपत्र के अनुसार, ''सभी मंत्रालयों/विभागों को उन स्वायत्त निकायों/कार्यान्वयन एजेंसियों का विवरण प्रस्तुत करना चाहिए, जिनके लिए अलग से कोष बनाया गया है। उनके जारी रहने के कारण और अनुदान सहायता की आवश्यकता और इसे समाप्त क्यों नहीं किया जाना चाहिए, इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी जानी चाहिए।'

अर्बन कंपनी, बोट समेत 13 कंपनियों को आईपीओ लाने की मंजूरी मिली

नयी दिल्ली: बाजार नियामक सेबी ने अर्बन कंपनी और बोट ब्रांड का संचालन करने वाली कंपनी इमेजिन मार्केटिंग समेत 13 कंपनियों को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी दे दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक सूचना में कहा कि आईपीओ लाने की मंजूरी पाने वाली कंपनियों में जूनिपर ग्रीन एनर्जी, जैन रिसोर्स रिसाइक्लिंग, मौरी टेक, रावी इन्फ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स, पेस डिजिटेक, ओम्निटेक इंजीनियरिंग, कोरोना रेमेडीज, केएसएच इंटरनेशनल, ऑलकैम लाइफसाइंस, प्रॉयरिटी ज्वेल्स और ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स भी शामिल हैं। इन कंपनियों ने इस साल मार्च से जून के बीच अपने निर्गम के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए थे। इन कंपनियों को एक से 29 अगस्त के बीच सेबी से मंजूरी पत्र मिला है। मर्चेंट बैंकर का कहना है कि इन 13 कंपनियों के आईपीओ से 15,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि जुटाने की उम्मीद है। इस राशि का उपयोग कंपनियों के विस्तार, कर्ज अदायगी और मौजूदा शेयरधारकों को निकासी अवसर उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा।

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत को सुपर 4 में कोरिया के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन की जरूरत

राजगीर: पूल चरण में अपराजेय रहने के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय हॉकी टीम को एशिया कप सुपर 4 चरण के मुकाबले में बुधवार को पांच बार की चैम्पियन और पिछली विजेता कोरिया के खिलाफ अपने खेल में सुधार करना होगा। भारतीय टीम पूल ए में सारे मैच जीतकर सुपर 4 में पहुंची है। उसने चीन को 4.3 से, जापान को 3.2 और कजाखस्तान को 15.0 से हराया। जीत के बावजूद भारत का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है। चीन और जापान के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद उसने टूर्नामेंट में दूसरी ही बार खेल रही कजाखस्तान टीम पर बड़े अंतर से जीत दर्ज की। दूसरी ओर कोरियाई टीम भी अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं है। वह पूल बी में मलेशिया के बाद दूसरे स्थान पर रही और मलेशिया ने उसे 4.1 से हरा दिया था। तेज गर्मी और भारी उमस के बीच टीमें संघर्ष करती नजर आई लेकिन सुपर 4 के मैच शाम को होंगे जिससे प्रदर्शन बेहतर रहने की उम्मीद है। भारतीय टीम ने सोमवार को हर क्षेत्र में बेहतर खेल दिखाया चाहे गोलकीपिंग हो, डिफेंस , मिडफील्ड या आक्रमण। फॉरवर्ड पंक्ति का प्रदर्शन तारीफ के काबिल रहा जिसमें अभिषेक ने चार गोल दागे। सुखजीत सिंह ने भी हैट्रिक लगाई और फ्लैंक से उनकी ड्रिबलिंग और 'डी' के भीतर शांतचित्त रवैया जबर्दस्त था। भारत की फॉरवर्ड पंक्ति में एकमात्र कमजोर कड़ी दिलप्रीत सिंह रहे जिन्होंने गोल तो किया लेकिन एक आसान मौका गंवाया भी। अभी तक टूर्नामेंट में वह जूझते ही नजर आये हैं और अब उन्हें प्रदर्शन में सुधार करना होगा। भारत के कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा ,'सुपर 4 चरण से पहले स्ट्राइकर्स का लय में रहना जरूरी है।' मनप्रीत सिंह की अगुवाई में मिडफील्ड का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने डिफेंस की कमान बखूबी संभाल रखी है।पहले दो मैचों में औसत प्रदर्शन के बाद गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक के प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है। कोच फुल्टोन ने हालांकि कहा कि असल टूर्नामेंट अब शुरू हुआ है जिसमें पिछले नतीजे मायने नहीं रखते। उन्होंने कहा ,'हमारी टीम आत्मविश्वास से भरी है। खिलाड़ी लय में है और हम यही चाहते हैं।' कजाखस्तान के खिलाफ हरमनप्रीत, जुगराज सिंह, संजय और अमित रोहिदास चारों ने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये। जुगराज ने हैट्रिक लगाई। सुपर 4 चरण हालांकि सभी टीमों (भारत, कोरिया, चीन और मलेशिया) के लिये नयी शुरूआत होगी। सभी टीमें एक दूसरे से खेलेंगी और शीर्ष दो रविवार को फाइनल में जगह बनायेंगी। एशिया कप बेल्जियम और नीदरलैंड में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप में सीधे जगह बनाने का मौका है। सुपर 4 चरण के दूसरे मैच में मलेशिया का सामना चीन से होगा।

जीएसटी परिषद की बैठक में दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर घटने की उम्मीद

नई दिल्ली: केंद्र सरकार बुधवार से शुरू हो रही जीएसटी परिषद की दो दिवसीय बैठक में आम आदमी से जुड़ी वस्तुओं पर कर कम करने के बड़े फैसले ले सकती है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में 'अगली पीढ़ी' के जीएसटी सुधारों पर चर्चा होगी। प्रस्ताव है कि मौजूदा 12 और 28 प्रतिशत कर स्लैब को हटाकर केवल 5 और 18 प्रतिशत की दरें रखी जाएं। वहीं, कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर से कर लगाया जाएगा।

किस पर सस्ता होगा जीएसटी?

* घी, मेवे, पैक्ड पानी (20 लीटर), नमकीन, जूते-परिधान, दवाइयां और चिकित्सा उपकरणों को 12% से घटाकर 5% स्लैब में लाने का प्रस्ताव।
* पेंसिल, साइकिल, छाते और हेयर पिन जैसी रोजमर्रा की वस्तुएं भी 5% स्लैब में शामिल की जा सकती हैं।
* टीवी, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर कर 28% से घटाकर 18% करने की संभावना।

वाहनों पर असर

* छोटी कारों पर जीएसटी 18% तक कम हो सकता है।
* एसयूवी और लक्जरी कारों पर 40% की विशेष दर लागू होगी।
* इलेक्ट्रिक वाहनों पर केंद्र 5% जीएसटी चाहता है, लेकिन मंत्रियों का समूह 18% दर का समर्थन कर रहा है।

कहां अटकी है बात?

* तंबाकू, पान मसाला और सिगरेट जैसी अवगुणों वाली वस्तुओं पर 40% कर के ऊपर अतिरिक्त उपकर लगाने का विचार है। विपक्षी शासित राज्य चाहते हैं कि इस कर से हुई आय में उन्हें हिस्सा मिले ताकि राजस्व घाटे की भरपाई हो सके।
* प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में इन सुधारों का संकेत दिया था। अब परिषद की 3-4 सितंबर की बैठक में अंतिम निर्णय होने की उम्मीद है।

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार अर्थव्यवस्था को खुला एवं पारदर्शी बनाएंगे: सीतारमण

चेन्नई: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से खुला एवं पारदर्शी बनाएंगे। इससे अनुपालन बोझ में और कमी आएगी एवं छोटे व्यवसायों को लाभ होगा। तमिलनाडु स्थित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक कार्यबल के गठन की घोषणा की है। इसका स्पष्ट उद्देश्य नियमों को सरल बनाना, अनुपालन लागत कम करना तथा स्टार्टअप, सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्यमों और उद्यमियों के लिए एक अधिक अनुकूल परिवेश का निर्माण करना है। सीतारमण ने कहा, 'इसके अतिरिक्त, अगले दो दिन होने वाली परिषद की बैठक के साथ अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की योजनाबद्ध शुरुआत से आने वाले महीनों में अर्थव्यवस्था पूरी तरह से खुली एवं पारदर्शी हो जाएगी। अनुपालन बोझ में और कमी आएगी जिससे छोटे व्यवसायों के लिए फलने-फूलना आसान हो जाएगा।' स्वतंत्रता दिवस के अपने

संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में बड़े सुधारों की घोषणा की थी और नागरिकों के लिए दिवाली पर उपहारों का वादा किया था। सीतारमण ने कहा कि देश के अपने विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण की ओर बढ़ते हुए बैंकों से न केवल ऋण का विस्तार करने बल्कि बुनियादी ढांचे के विकास को गति प्रदान करने, एमएसएमई के लिए समय पर और आवश्यकता-आधारित वित्तपोषण सुनिश्चित करने, बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों को औपचारिक बैंकिंग के दायरे में लाने व विविध आवश्यकताओं को पूरा करने का आह्वान किया जाता है। इस लक्ष्य के लिए बैंकिंग क्षेत्र का समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'इस परिवर्तन के मार्गदर्शक सिद्धांत विश्वास, प्रौद्योगिकी और पारदर्शिता होने चाहिए।' केंद्रीय वित्त मंत्री ने साथ ही कहा कि पिछले 11 वर्ष में 56 करोड़ जन-धन खाते खोले गए हैं जिनमें कुल जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये है। इनमें से अधिकतर खाताधारक महिलाएं हैं। सीतारमण ने यह भी बताया कि भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने परिसंपत्ति गुणवत्ता में बड़ा सुधार दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने 18 वर्ष में पहली बार देश की दीर्घकालिक साख में सुधार किया है। मंत्री ने कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां) 31 मार्च, 2025 तक घटकर 2.3 प्रतिशत रह गया है, जबकि शुद्ध एनपीए 0.5 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, 'मैं समझती हूं कि ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में हमारे बैंकों के लिए यह एक अद्भुत उपलब्धि है।

विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने से ओलंपिक की भरपाई कर दी: चिराग

नयी दिल्ली: भारतीय पुरुष युगल बैडमिंटन टीम के सदस्य चिराग शेट्टी ने कहा कि हाल में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने से एक साल पहले इसी शहर में ओलंपिक खेलों में पोडियम तक नहीं पहुंच पाने की काफी हद तक भरपाई कर दी। चिराग और लंबे समय से उनके साथी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने पिछले सप्ताह विश्व चैंपियनशिप में पुरुष युगल का कांस्य पदक जीता। दुनिया की नौवें नंबर की इस जोड़ी ने क्वार्टर फ़ाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा पदक हासिल किया। भारत की इस जोड़ी का पहली बार विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने का सपना सेमीफाइनल में चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त चेन बो यांग और लियू यी की जोड़ी से हार के साथ टूट गया। चिराग ने पीटीआई से कहा, ''मुझे लगता है कि आरोन और सोह के खिलाफ जीत निश्चित रूप से बहुत खास है। इससे यह सुनिश्चित हो गया कि अगर हम सही रणनीति के साथ खेलें तो हम किसी को भी हरा सकते हैं। हाल ही में उनके खिलाफ हमारा रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं रहा था। विशेष कर ओलंपिक खेलों में जहां हमें उनके हाथों हार का सामना करना पड़ा था।' उन्होंने कहा, 'इसलिए उन्हें लगातार गेम में हराने से निश्चित रूप से हमारा मनोबल बढ़ा और यह पिछले साल के ओलंपिक खेलों की एक तरह से भरपाई भी थी। हम ओलंपिक में उसी कोर्ट पर उनसे हार गए थे। इसलिए उनके खिलाफ जीत वास्तव में खास थी।'

गिल एशिया कप में आक्रामक क्रिकेट खेल खुद का साबित करने की कोशिश करेंगे: पठान

मुंबई: पूर्व हरफनमौला इरफान पठान ने एशिया कप के लिए टी20 टीम में शुभमन गिल की वापसी और उन्हें उपकप्तान बनाने के फैसले को टीम के हित में करार देते हुए मंगलवार को कहा कि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खुद को साबित करने की कोशिश करेंगे। टेस्ट कप्तान के तौर पर इंग्लैंड में अपनी पहली श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले गिल की लंबे समय के बाद टी20 टीम में वापसी हुई है। पठान ने कहा कि गिल के उपकप्तान होने से मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव पर भी कोई दबाव नहीं आयेगा। पठान ने 'सोनी स्पोर्ट्स' द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'सूर्यकुमार की सहमति के बिना शुभमन गिल को उप-कप्तान नहीं चुना गया होगा।' पठान ने कहा, '' उनकी (सूर्यकुमार) जिम्मेदारी सिर्फ अपना प्रदर्शन करना या टीम को संभालना नहीं है। युवा खिलाड़ी में नेतृत्व कौशल विकसित करना और टीम को भविष्य के लिए तैयार करना भी है।' इस पूर्व खिलाड़ी ने

कहा, 'लोगों को शायद ऐसा लग रहा होगा कि इससे सूर्यकुमार पर दबाव पड़ेगा लेकिन वह जो कर रहे हैं वह वास्तव में भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बहुत अच्छा है। यह सूर्यकुमार यादव को ऐसे कप्तान के तौर पर स्थापित करेगा जिनका क्रिकेट जगत में काफी सम्मान है।' पठान ने कहा कि गिल अपने चयन और उपकप्तान के तौर पर नियुक्ति को सही साबित करना चाहेंगे उन्होंने कहा, 'हमने इस सत्र में देखा है, वह शानदार लय में हैं। उन्होंने पिछले कुछ आईपीएल में काफी रन भी बनाये हैं। उनके पास आक्रामक बल्लेबाजी करने की क्षमता है।

वर्ष 10, पूर्णांक 3346 अंक 156, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in